PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, मंगलवार
29.9.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 334

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
https://rashtriyamukhyadhara.com/

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
PRGI/RNI No. JHAHIN/2014/54374
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

मप्र के उज्जैन में शाही मस्जिद के हिस्से को तोड़ने पर बवाल, दो बार हुआ पथराव

पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसूगैस छोड़कर संभाली स्थित, 15 हिरासत में, सात लोगों के खिलाफ एफआईआर

एजेंसी, उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन में सिंहस्थ प्रोजेक्ट के लिए सड़क चौड़ीकरण की जद में आई शाही मस्जिद के एक हिस्से को तोड़े जाने के विरोध में सोमवार को जमकर हंगामा हुआ। पुलिस पर पथराव किया गया। इसके जवाब में पुलिस कर्मियों ने लाठीचार्ज और आंसू गैस छोड़ी। भीड़ को हटाने के दौरान महिला थाना प्रभारी घायल हो गईं।

इस विवाद के बाद भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, लेकिन दोपहर होते-होते फिर पथराव होने लगा। पुलिस ने दोबारा लाठीचार्ज कर आंसू गैस छोड़ी। हंगामे के बीच कार्रवाई जारी रही। हालांकि, नमाज के समय इसे रोक दिया गया। इसके बाद मामला शांत हो गया। पुलिस ने 15 लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शामिल हैं। इन पर माहौल बिगाड़ने का आरोप है। शाही मस्जिद को तोड़े जाने के विरोध में सोमवार सुबह टंकी चौराहे पर मुस्लिम समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हो गए। कुछ लोग मस्जिद परिसर में जाने का प्रयास करने लगे, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं। मुस्लिम महिलाओं ने नाका नंबर-5 पर चक्का जाम कर दिया, जबकि कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव किया। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। इस दौरान क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी पुष्पा पांचाल भी घायल हो गईं। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। आईजी राकेश गुप्ता, कमिश्नर आशीष सिंह, डीआईजी नवनीत भासेन, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और एपी प्रदीप शर्मा भी मौके पर हैं। क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त बल तैनात किया है। मस्जिद के आसपास और आने-जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग कर लोगों की आवाजाही नियंत्रित की जा रही है। पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर रख रहे हैं। नमाज के दौरान उज्जैन में शाही मस्जिद के एक हिस्से को हटाए जाने की कार्रवाई रोक दी गई। इस दौरान एडीजी राकेश गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन, एसपी प्रदीप शर्मा समेत कलेक्टर रौशन सिंह ने फुटपाथ पर बैठकर ही भोजन किया। पथराव वाले इलाके के आसपास के सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। वहीं, छत्री चौक, सती गेट, सराफा, लखेरवाड़ी, ढाबा रोड और गोपाल मंदिर के आसपास का बाजार पूरी तरह बंद है। पुलिस डीजे के जरिए लगातार लोगों को घरों में रहने की हिदायत दे रही है।

नमाज के बाद दोपहर करीब 3 बजे कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा शांति व्यवस्था देखने निकले। दोनों अधिकारी घुड़सवार दल के साथ संवेदनशील इलाकों में पहुंचे। यहां बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात हैं। उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण अभियान में लोगों, धार्मिक संगठनों और समुदायों का सहयोग मिलना अब तक की सबसे सकारात्मक बात है। क्षत्रिय चौक स्थित शाही मस्जिद का हिस्सा भी इस पहल के तहत हटाया जा रहा है।

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि मुस्लिम समाज और मस्जिद कमेटी की सहमति व सहयोग से सड़क चौड़ीकरण क्षेत्र में आने वाले मस्जिद के हिस्से को हटाया जा रहा है। यह कदम आगामी सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करने वाले एक समूह पर पुलिस ने आंसू गैस और लाठीचार्ज किया। पूरे इलाके की घेराबंदी की गई है। सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक 15 लोगों को हिरासत में लिया गया है। 7 लोगों के खिलाफ एफआईआर की है। इनमें सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स भी शामिल हैं। पुलिस सोशल मीडिया की लगातार निगरानी कर रही है। अफवाह फैलाने या भड़काऊ सामग्री पोस्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मौके पर आरएएफ और पुलिस बल की टुकड़ियों को तैनात किया गया है। इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और पुलिस लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

अफवाहों पर ध्यान न दें- शहर काजी : जनसंपर्क विभाग ने उज्जैन शहर काजी खलीकुर्रे रहमान का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है। वीडियो में शहर काजी ने अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मस्जिद का मामला रात में ही आपसी सहमति से सुलझ गया था। ऐसी कोई स्थिति नहीं है, जिसके लिए किसी को वहां जाने की जरूरत हो। जिस कार्य को पूरा करने का संकल्प लिया गया है, उसे पूरा किया जा रहा है। अफवाहों के कारण घर से बाहर निकलकर अनावश्यक रूप से मौके पर न जाएं। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल ने कहा कि शाही मस्जिद को न तो शहीद किया जा रहा है और न ही विस्थापित किया जा रहा है। सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहे मस्जिद के हिस्से को मुस्लिम समाज और मस्जिद कमेटी के लोग खुद हटा रहे हैं। कुछ लोग इस मामले को लेकर समाज को भ्रमित और भड़काने का काम कर रहे हैं। दरअसल, सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के लिए उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत कोयला फाटक से गोपाल मंदिर तक डेढ़ किलोमीटर क्षेत्र की सड़क 15 मीटर चौड़ी की जा रही है। इसके लिए 323 मकान तोड़े जाएंगे। इनमें 15 धर्मस्थल हैं।

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से दो हजार रुपये से अधिक के वाणिज्यिक लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क लगाने के सरकार के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका पर आज केन्द्र, भारतीय रिजर्व बैंक एवं भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम को नोटिस जारी करके जवाब तलब किया। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार के दो हजार रुपये से ज्यादा के लेनदेन के लिए जीरो-मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) वाली कानूनी सुरक्षा को वापस लेने के फैसले पर फिलहाल रोक नहीं लगाई है। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने आज इस संबंध में एक याचिका की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम को नोटिस जारी करके यह बताने को कहा कि यूपीआई लेनदेन के लिए जीरो-मर्चेंट डिस्काउंट रेट वाली कानूनी सुरक्षा को वापस लेने का आधार क्या है। अदालत ने यह जवाब चार सप्ताह के भीतर दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिका में यह भी सवाल उठाया गया है कि जब रुपे डेबिट कार्ड पर बिना किसी सीमा के निशुल्क लेनदेन की सुविधा जारी है, तो यूपीआई पर शुल्क लगाना भेदभावपूर्ण है। याचिका वकील अंजनी दत्ता ने दायर की है जिसमें 15 अक्टूबर से प्रभावी होने वाले प्रस्तावित यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का विरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है कि दो हजार रुपये से ऊपर के यूपीआई भुगतान पर लेवी लगाई गई है, वहीं बिना किसी मौद्रिक सीमा के रुपे संचालित डेबिट कार्ड पर समान नो-चार्ज सुरक्षा जारी रखी गई है। याचिका में देश भर में अनिवार्य भुगतान का बोझ डालने को चुनौती देते हुए कहा गया है, जिसमें लागत से जुड़े शोध, इसके पीछे की कार्यप्रणाली या लागत का बोझ ग्राहकों पर डालने से रोकने वाले मजबूत सुरक्षा उपायों का खुलासा नहीं किया गया है। याचिका में कहा गया है कि भले ही आधिकारिक तौर पर यह कहा गया हो कि व्यापारी इन लागतों का बोझ ग्राहकों पर नहीं डाल सकते, लेकिन रसीदों पर लगने वाली फीस आखिरकार कीमतों में शामिल हो ही जाएगी। इससे कार्यशील पूंजी कम हो सकती है या कम मार्जिन वाले व्यापारी यूपीआई भुगतान लेने से इनकार कर सकते हैं या लेनदेन को कई हिस्सों में बांट सकते हैं। सरकार ने यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का फैसला 15 अक्टूबर से लागू करने का फैसला किया है। दो हजार रुपये से अधिक के व्यक्ति-से-व्यापारी लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क लगेगा। यह शुल्क सीधे सरकार के राजस्व में नहीं जाएगा, बल्कि इसे बैंक और पेमेंट एग्रीगेटर सेवा शुल्क के रूप में वसूलेंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले लगभग छह वर्षों से यूपीआई भुगतान पूरी तरह निशुल्क थे। सरकार का कहना है कि एमडीआर एक सेवा शुल्क है, जो डिजिटल भुगतान प्रणाली को टिकाऊ बनाने और बैंकों एवं एग्रीगेटरों की लागत को संतुलित करने के लिए आवश्यक है। नई व्यवस्था में कुछ विशेष क्षेत्रों जैसे रेलवे, बीमा, दूरसंचार, ईंधन और कृषि इनपुट पर केवल 5 रुपए का एकसमान शुल्क लगेगा, जबकि म्यूचुअल फंड और सिक्योरिटीज़ में निवेश जैसे लेनदेन पर 0.02 प्रतिशत एमडीआर लगेगा, जिसे 300 रुपए तक सीमित किया गया है। वहीं, व्यक्ति-से-व्यक्ति लेनदेन और छोटे भुगतान पूरी तरह निशुल्क रहेंगे।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का टीएमसी पर हमला, बोले- 6,700 कंपनियां बंद हुईं, निवेश और रोजगार पर होगा जोर

एजेंसी, कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 वर्षों के शासनकाल के दौरान बड़े पैमाने पर पूंजी का पलायन हुआ और राज्य में लगभग 6,700 कंपनियां बंद हो गईं। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य में भाजपा सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता निवेश के अनुकूल माहौल बनाना और युवाओं के लिए रोजगार पैदा करना है। कोलकाता में आयोजित 'युवा संवाद कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने पूर्ववर्ती सरकार की आर्थिक नीतियों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, "टीएमसी के 15 साल के शासन के दौरान पश्चिम बंगाल में करीब 6,700 कंपनियों पर ताला लग गया। इस अवधि में राज्य से पूंजी का भारी पलायन हुआ। राज्य में हमारी सरकार की प्राथमिकता एक ऐसा सकारात्मक वातावरण तैयार करने की होगी, जिससे यहां बड़े पैमाने पर निवेश लाया जा सके और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हों।" राज्य में हुए हालिया सत्ता परिवर्तन का जिक्र करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि 4 मई को जब विधानसभा चुनावों में भाजपा ने टीएमसी को शिकस्त दी, तो पश्चिम बंगाल में एक "नई सुबह" (नया सवेरा) की शुरुआत हुई। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि अब नई सरकार के तहत उनकी सभी उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को प्रेरित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने उन्हें जीवन में सफलता के लिए शॉर्टकट न अपनाने की सलाह दी। उन्होंने दृढ़ता और निरंतरता के महत्व को समझाते हुए कहा, "मैं सभी युवाओं से अनुरोध करूंगा कि वे जीवन में शॉर्टकट लेने से बचें। जीवन कोई 100 मीटर की दौड़ (स्प्रिंट) नहीं है, बल्कि यह एक लंबी दौड़ है जहां आपकी सहनशक्ति और निरंतरता की ही असली परीक्षा होती है।"

नौसेना के कमांडर नई दिल्ली में करेंगे कॉन्फ्रेंस, ऑपरेशनल तैयारियों पर होगा मंथन

एजेंसी, नई दिल्ली

साल में दो बार होने वाली नौसेना कमांडरों की कॉन्फ्रेंस तीन दिनों के लिए 29 सितंबर से नई दिल्ली के नौसेना भवन में होगी। नौसेना के शीर्ष नेतृत्व स्तर पर होने वाली इस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ अधिकारी 01 अक्टूबर तक सैन्य रणनीतिक स्तर पर ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इस कॉन्फ्रेंस में संस्थागत प्रणाली के जरिए वरिष्ठ नौसेना नेतृत्व जुड़ेंगे, जिसमें आउटस्टेशन ऑपरेशनल और एरिया कमांडर शामिल हैं। नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने बताया कि यह कॉन्फ्रेंस पश्चिम एशिया में चल रहे झगड़ों के बीच भारत के समुद्री हितों की सुरक्षा में नौसेना के योगदान को दिखाने में अहम होगी, जिसमें 'एनर्जी की सुरक्षा' भी शामिल है। इस सम्मेलन के जरिए नौसेना के चल रहे ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती से चलाने और भरोसेमंद समुद्री ताकत के तौर पर उभरने, हिंद महासागर क्षेत्र और उससे आगे 'पसंदीदा सुरक्षा पार्टनर' के तौर पर नौसेना की हैसियत को और मजबूत होगी। कॉन्फ्रेंस के पहले दिन रक्षा मंत्री देश के समुद्री नजरिए और नौसेना से उम्मीदों पर अपना विजन और मार्गदर्शन साझा करेंगे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ भी तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और इंटीग्रेशन को बढ़ावा देने के लिए नेवल कमांडरों के साथ बातचीत करेंगे।

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से दो हजार रुपये से अधिक के वाणिज्यिक लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर)शुल्क लगाने के सरकार के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका पर आज केन्द्र, भारतीय रिजर्व बैंक एवं भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम को नोटिस जारी करके जवाब तलब किया। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार के दो हजार रुपये से ज्यादा के लेनदेन के लिए जीरो-मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) वाली कानूनी सुरक्षा को वापस लेने के फैसले पर फिलहाल रोक नहीं लगाई है। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने आज इस संबंध में एक याचिका की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम को नोटिस जारी करके यह बताने को कहा कि यूपीआई लेनदेन के लिए जीरो-मर्चेंट डिस्काउंट रेट वाली कानूनी सुरक्षा को वापस लेने का आधार क्या है। अदालत ने यह जवाब चार सप्ताह के भीतर दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिका में यह भी सवाल उठाया गया है कि जब रुपे डेबिट कार्ड पर बिना किसी सीमा के निशुल्क लेनदेन की सुविधा जारी है, तो यूपीआई पर शुल्क लगाना भेदभावपूर्ण है। याचिका वकील अंजनी दत्ता ने

दायर की है जिसमें 15 अक्टूबर से प्रभावी होने वाले प्रस्तावित यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का विरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है कि दो हजार रुपये से ऊपर के यूपीआई भुगतान पर लेवी लगाई गई है, वहीं बिना किसी मौद्रिक सीमा के रुपे संचालित डेबिट कार्ड पर समान नो-चार्ज सुरक्षा जारी रखी गई है। याचिका में देश भर में अनिवार्य भुगतान का बोझ डालने को चुनौती देते हुए कहा गया है, जिसमें लागत से जुड़े शोध, इसके पीछे की कार्यप्रणाली या लागत का बोझ ग्राहकों पर डालने से रोकने वाले मजबूत सुरक्षा उपायों का खुलासा नहीं किया गया है। याचिका में कहा गया है कि भले ही आधिकारिक तौर पर यह कहा गया हो कि व्यापारी इन लागतों का बोझ ग्राहकों पर नहीं डाल सकते, लेकिन रसीदों पर लगने वाली फीस आखिरकार कीमतों में शामिल हो ही जाएगी। इससे कार्यशील पूंजी कम हो सकती है या कम मार्जिन वाले व्यापारी यूपीआई भुगतान लेने से इनकार कर सकते हैं या लेनदेन को कई हिस्सों में बांट सकते हैं।

किन्नौर गैंगरेप मामले में दो दोषियों को 20-20 साल की कठोर कैद

एजेंसी, शिमला

किन्नौर जिले में महिला से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में अदालत ने दो आरोपियों को दोषी करार देते हुए 20-20 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई है। दोनों दोषियों पर अलग-अलग धाराओं के तहत जुर्माना भी लगाया गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक पोक्सो/रेप कोर्ट किन्नौर डिवीजन रामपुर बुशहर ने यह सजा सुनाई। दोषियों की पहचान तबरेज आलम उर्फ बिराज (26) निवासी गांव डबरिया, जिला पश्चिमी चंपारण, बिहार और लखिंदर उर्फ लक्की (24) निवासी गांव ग्रांगे, निचार, जिला किन्नौर के रूप में हुई है। मामला 27 सितंबर 2025 को भावानगर थाना क्षेत्र में दर्ज किया गया था। दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 87, 70, 351(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया था। अदालत ने दोनों दोषियों को बीएनएस की धारा 70(1) के साथ धारा 3(5) के तहत 20 साल के कठोर कारावास और पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। इसके अलावा धारा 87 के साथ धारा 3(5) के तहत पांच साल के कठोर कारावास और दो हजार रुपये जुर्माने तथा धारा 351(2) के साथ धारा 3(5) के तहत दो साल के कठोर कारावास और दो हजार रुपये जुर्माने की सजा दी गई है।

मुख्यमंत्री विजय ने मदुरै में शुरू की 'तायमामन स्वर्ण अंगूठी योजना', नवजातों को मिलेगी एक ग्राम सोने की अंगूठी

एजेंसी, मदुरै

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने सोमवार को मदुरै के सरकारी राजाजी अस्पताल में 'तायमामन स्वर्ण अंगूठी योजना' की शुरुआत की। योजना के तहत राज्य के सरकारी अस्पतालों और सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में जन्म लेने वाले बच्चों को सरकार की ओर से एक ग्राम सोने की अंगूठी दी जाएगी। कार्यक्रम की शुरुआत तमिल थाई वाज़्थु के साथ हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री विजय ने नवजात बच्चों को अपने हाथों से सोने की अंगूठियां पहनाईं। कई माताओं ने अपने बच्चों को मुख्यमंत्री की गोद में देकर उनके साथ सेल्फी ली। मुख्यमंत्री ने भी बच्चों को गोद में लेकर उन्हें दुलार किया और अंगूठियां पहनाईं। सरकार ने इस योजना के लिए चालू वित्त वर्ष में 755.83 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है। पहले चरण में 1.28 लाख सोने की अंगूठियां खरीदी गई हैं। योजना का पहला चरण 28 सितंबर से शुरू होकर 14 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान 22 जून 2026 से राज्य के सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में जन्म लेने वाले पात्र बच्चों को एक ग्राम सोने की अंगूठी दी जाएगी। योजना के तहत अगले 40 दिनों तक प्रतिदिन दो समय अंगूठियां वितरित की जाएंगी। सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक और दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक वितरण होगा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रत्येक केंद्र पर प्रतिदिन अधिकतम 50 लाभार्थियों को अंगूठी देने की व्यवस्था की गई है। इनमें सुबह 25 और दोपहर में 25 लाभार्थी शामिल होंगे। राज्य सरकार के अनुसार, 28 सितंबर के बाद जन्म लेने वाले बच्चों को संबंधित सरकारी अस्पताल में ही प्रसव के दौरान या निर्धारित प्रक्रिया के तहत 'तायमामन स्वर्ण अंगूठी योजना' का लाभ दिया जाएगा। योजना का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में प्रसव को प्रोत्साहित करने, नवजात के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत करने से जुड़ा है।

ईरान अमेरिका से युद्ध के लिए 'पूरी तरह तैयार', लेकिन कूटनीति का रास्ता भी खुला : अरागची

एजेंसी, तेहरान

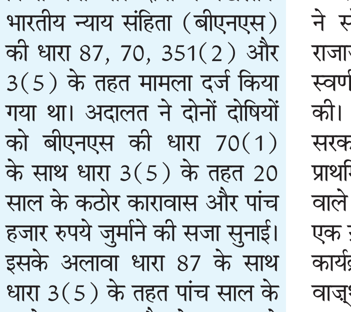

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा है कि उनका देश अमेरिका के साथ दोबारा युद्ध की स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन साथ ही वह कूटनीति के जरिए तनाव कम करने की कोशिश भी जारी रखे हुए है।

ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी के मुताबिक, अमेरिकी न्यूज एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान किसी भी नए अमेरिकी हमले का मजबूती से सामना करने के लिए तैयार है, चाहे स्थिति कितने ही गंभीर संघर्ष में क्यों न बदल जाए। उन्होंने साथ ही कहा कि ईरान बातचीत और कूटनीति के लिए भी तैयार है और अब फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को करना है। अब्बास अरागची की यह टिप्पणी उन खबरों के बीच आई है, जिनमें दावा किया गया है कि ट्रंप अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान के खिलाफ फिर से सैन्य कार्रवाई पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, अरागची ने कहा कि ईरान के लिए अमेरिकी चुनावों से अधिक उसके अपने राष्ट्रीय हित महत्वपूर्ण हैं। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने इस सप्ताह न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान बैठकों और मीडिया इंटरव्यू के जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए कूटनीतिक प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप की ओर से आने वाले संदेश "विरोधाभासी" रहे हैं।

अरागची के अनुसार, ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से ईरान के प्रस्ताव को खारिज करने की बात कही है, लेकिन मध्यस्थों के जरिए तेहरान को इस फैसले की कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है। अब्बास अरागची ने कहा कि युद्ध समाप्त करने वाले किसी समझौते के तहत ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए तैयार है। इसके बदले तेहरान अपने फ्रीज किए गए फंड और संपत्तियों को जारी करने तथा अपने तेल की बिक्री की अनुमति चाहता है। ईरान की ये मांगें नई नहीं हैं और उनके अनुसार ये अमेरिका की पिछली प्रतिबद्धताओं का हिस्सा रही हैं। उन्होंने जून में दोनों देशों के बीच हुए समझौता ज्ञापन का भी उल्लेख किया, जिसमें अस्थायी युद्धविराम की योजना का जिक्र था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुआ यह समझौता कुछ ही दिनों में टूट गया और ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने समझौता ज्ञापन के तहत अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं कीं।

एर्दोगन के खिलाफ आईसीसी में मुकदमा चलाएंगे नेतन्याहू: रिपोर्ट

एजेंसी, तेल अवीव । इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) में मुकदमा चलाने की तैयारी के निर्देश दिए हैं। इजराइली ब्रॉडकास्टर आई24 ने सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने इजराइल के एक अंतर-एजेंसी समूह और अंतरराष्ट्रीय कानून विभाग के निदेशक को एर्दोगन के खिलाफ संभावित आईसीसी मामले की तैयारी शुरू करने को कहा है। प्रस्तावित मामले में कुर्द लोगों के साथ तुर्किए के व्यवहार और हमास को कथित समर्थन तथा फंडिंग से जुड़े आरोपों को शामिल किए जाने की बात कही गई है। आई 24 के अनुसार, यह कदम तुर्किए के न्याय मंत्रालय द्वारा इंटरपोल से नेतन्याहू के खिलाफ 'रेड नोटिस' जारी करने का अनुरोध किए जाने के बाद उठाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल आईसीसी में स्वतंत्र रूप से मामला आगे बढ़ाने की कोशिश कर सकता है, हालांकि इजराइली अधिकारी किसी तीसरे पक्ष या मध्यस्थ के जरिए प्रक्रिया शुरू करने पर भी विचार कर सकते हैं। इजराइल और तुर्किए दोनों ने रोम संविधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं और आईसीसी के अधिकार क्षेत्र को स्वीकार नहीं किया है।

जैप-04 ग्राउंड में 23वीं क्षेत्रीय शूटिंग प्रतियोगिता का समापन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जैप-04 ग्राउंड परिसर में सोमवार को 23वीं झारखंड सशस्त्र पुलिस क्षेत्रीय शूटिंग प्रतियोगिता-2026 का समापन हुआ। समारोह में उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, उपायुक्त अजय नाथ झा और उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार मौजूद रहे। विभिन्न स्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विजेताओं और प्रतिभागियों को मेडल व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए संगठन सचिव सह समादेष्टा ऋषव कुमार झा और उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि शूटिंग में सफलता के लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन, एकाग्रता और मेहनत जरूरी है। उन्होंने कहा कि शूटिंग केवल लक्ष्य पर निशाना लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें जिम्मेदारी और मानसिक एकाग्रता भी महत्वपूर्ण है।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि पुलिसकर्मियों की शारीरिक और मानसिक फिटनेस उनके कार्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे आयोजनों से पुलिसकर्मियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित होने के साथ लगातार ड्यूटी की एकरसता भी दूर होती है और फिटनेस का आकलन भी होता है। उन्होंने प्रतियोगिता में महिला पुलिसकर्मियों की अपेक्षाकृत कम भागीदारी पर अधिक संख्या में महिला प्रतिभागियों से आगे आने की अपील की।

उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने वाले पुलिसकर्मियों को हर परिस्थिति के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी है। पुलिस के पास मौजूद हथियार आम नागरिकों की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण के लिए हैं। ऐसे में फिटनेस के साथ जिम्मेदारी, अनुशासन और सतर्कता भी जरूरी है। उपायुक्त ने सभी पुलिसकर्मियों से नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य और फिटनेस पर ध्यान देने की अपील की।

बोकारो में 11 पुलिस अवर निरीक्षकों का तबादला

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिले में पुलिस व्यवस्था में फेरबदल करते हुए 11 पुलिस अवर निरीक्षकों का स्थानांतरण किया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जिलादेश संख्या 1471/2026 के तहत 27 सितंबर को आदेश जारी कर सभी स्थानांतरित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है। उन्हें 24 घंटे के भीतर योगदान रिपोर्ट भी सौंपनी होगी।

आदेश के अनुसार पुलिस केंद्र बोकारो में पदस्थापित कौशलेन्द्र कुमार और राजेश प्रजापति को बीएस सिटी थाना, अमित सोनी को दुगदा थाना, कुन्दन कुमार को हरला थाना, शुभम कुमार गोप को सेक्टर-12 थाना और नितिश कुमार को बोकारो थर्मल थाना भेजा गया है।

वहीं, विक्रम कुमार को पुलिस अधीक्षक के आवासीय कार्यालय की तकनीकी शाखा का प्रभारी बनाया गया है। तकनीकी शाखा के प्रभारी अजीज कुमार का स्थानांतरण पेंक-नारायणपुर थाना किया गया है। इसके अलावा अजय कुमार सिंह को चास मु. थाना, वीरमणि कुमार को गांधीनगर ओपी और रवि कुमार को चास थाना में पदस्थापित किया गया है।

तबादला आदेश में सभी अधिकारियों को बिना विलंब नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार संभालने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही 24 घंटे के भीतर योगदान की रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा गया है।

अवैध पार्किंग पर कार्रवाई, 23 वाहनों से 26,450 रु. जुर्माना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सड़क पर अवैध रूप से वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ बोकारो ट्रैफिक पुलिस ने अभियान चलाकर 23 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की और 26,450 रुपये जुर्माना वसूला। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी यातायात के नेतृत्व में पिंड्राजोरा, आईटीआई मोड़, बालीडीह और जरीडीह टोल प्लाजा के पास जांच अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान सड़क पर गलत तरीके से खड़े वाहनों की जांच की गई। यातायात व्यवस्था में बाधा डालने वाले 23 वाहनों पर नियमों के तहत कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया। पुलिस के अनुसार सड़क पर अवैध पार्किंग से यातायात प्रभावित होने के साथ दुर्घटना की आशंका भी बढ़ती है। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और सड़क पर वाहन खड़ा करते समय निर्धारित पार्किंग स्थल का उपयोग करने की अपील की है।

बोकारो में डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर 4.50 लाख की साइबर ठगी, आगरा से दो गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : गोमिया थाना क्षेत्र की पुष्पलता त्रिपाठी को एटीएस महाराष्ट्र का अधिकारी बनकर डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर 4.50 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में बोकारो पुलिस ने उत्तर प्रदेश के आगरा से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला साइबर अपराध थाना कांड संख्या 08/2026 से संबंधित है।

पुलिस के अनुसार, 13 मार्च 2026 को साइबर अपराधियों ने पुष्पलता त्रिपाठी को फोन कर उनके पति गिरीश दत्त त्रिपाठी के खाते में पाकिस्तान स्थित एक खाते से 300 करोड़ रुपये आने और 16 लाख रुपये कमीशन मिलने का आरोप लगाया। इसके बाद पति को डिजिटल अरेस्ट करने का डर दिखाकर पुष्पलता से कुल 4.50 लाख रुपये की ठगी की गई।

मामले के अनुसंधान के लिए पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर साइबर अपराध थाना प्रभारी सह पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस के अनुसार, तकनीकी और मानवीय साक्ष्यों के आधार पर टीम ने आगरा में कार्रवाई कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रवि कुमार (23), पिता सुरेन्द्र, मकान नंबर 31/50/2, नगला हरमुख, लंगड़े की चौकी, बेलनगंज, थाना हरिपर्वत, जिला आगरा, उत्तर प्रदेश और ऋतिक कुशवाहा (21), पिता सुभास कुशवाहा, मकान नंबर 54, खेड़ा मोहल्ला, खेरागढ़, थाना खेरागढ़ कोतवाली, जिला आगरा, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के पास से iPhone 15 और Nothing Phone (3a) 256 GB बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, मोबाइल फोन में साइबर ठगी की रकम के लेन-देन से संबंधित ऑडियो और मैसेज के साक्ष्य मिले हैं। दोनों मोबाइल फोन को विधिवत जब्त कर लिया गया है।

छापेमारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक गौरव गोयल, पुलिस अवर निरीक्षक प्रमोद कुमार पंडित, पुलिस अवर निरीक्षक रमेश कुमार, तकनीकी सहायक रितेश कुमार और सुनील मंडल शामिल थे। पुलिस के अनुसार, टीम ने राज्य से बाहर जाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

एमआरएम से साइबर पीड़ितों को 4.30 लाख रुपये वापस

बोकारो साइबर थाना ने Money Restoration Module (MRM) के माध्यम से साइबर ठगी के पीड़ितों की रकम वापस कराने की कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, कुल 4,30,009 रुपये वापस कराए गए हैं। इसमें 16 खाताधारकों के खातों में कुल 1,50,957 रुपये तथा कांड संख्या 35/2026 के खाताधारक प्रवीण कुमार के एचडीएफसी बैंक खाते में 2,79,052 रुपये वापस किए गए हैं।

सोनारी रेस्टोरेंट फायरिंग में छत्तीसगढ़ से चार संदिग्ध हिरासत में

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जमशेदपुर : सोनारी थाना क्षेत्र के मरीन ड्राइव किनारे स्थित उडुपी रेस्टोरेंट में हुई फायरिंग के मामले में जमशेदपुर पुलिस ने छत्तीसगढ़ से चार युवकों को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, चारों से पूछताछ की जा रही है और उनके संबंध में मिले तथ्यों की जांच की जा रही है। सिटी एसपी ललित मीणा ने बताया कि पूछताछ के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं।

पुलिस के अनुसार, फायरिंग की घटना के बाद संदिग्धों की तलाश में पश्चिम बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़ और अन्य स्थानों पर पुलिस टीमों को भेजा गया था। जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में हिरासत में लिए गए चारों युवकों की पहचान और घटना में उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि घटना के बाद वे किस रास्ते से फरार हुए और वारदात में उनके साथ कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं।

फायरिंग की घटना में चार लोग घायल हुए थे। सभी का इलाज टाटा मुख्य अस्पताल में कराया जा रहा है। पुलिस घटना के कारण, फायरिंग में शामिल लोगों और उनके आपसी संबंधों समेत पूरे मामले की जांच कर रही है। हिरासत में लिए गए युवकों की भूमिका की पुष्टि जांच और पूछताछ के बाद ही होगी।

बेरमो महिला थाना ने स्कूल में चलाया जागरूकता कार्यक्रम

बोकारो : पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर बेरमो महिला थाना की ओर से 28 सितंबर को रामविलास प्लस टू हाई स्कूल, बेरमो में छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को डायल-112, पोक्सो एक्ट, छेड़खानी, साइबर अपराध और सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई।

पुलिसकर्मियों ने छात्र-छात्राओं को मोबाइल फोन के सुरक्षित और सदुपयोग के बारे में भी जागरूक किया। साइबर अपराध से बचने के लिए अनजान लिंक, कॉल और संदेशों से सावधान रहने तथा किसी घटना की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने की सलाह दी गई। विद्यार्थियों को अपनी सुरक्षा से जुड़े अधिकारों और आपात स्थिति में पुलिस सहायता लेने के तरीकों की भी जानकारी दी गई।

महिला थाना की टीम ने विद्यार्थियों से सुरक्षा संबंधी किसी भी समस्या को छिपाने के बजाय परिजनों, शिक्षकों या पुलिस से साझा करने की अपील की। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को अपराध और साइबर जोखिमों के प्रति जागरूक करने के साथ सुरक्षित व्यवहार के लिए प्रेरित करना रहा।।

बोकारो पुलिस को eSummons App का प्रशिक्षण, समय पर समन तामिला का निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

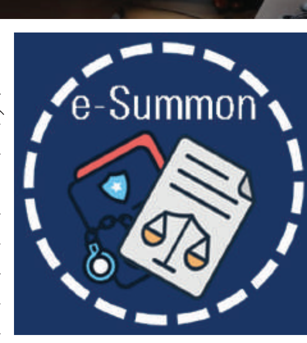

बोकारो : पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में eSummons App को लेकर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य न्यायालय से जारी समन और कानूनी नोटिसों की इलेक्ट्रॉनिक तामिला की प्रक्रिया से पुलिस पदाधिकारियों को अवगत कराना था।

प्रशिक्षण में बताया गया कि eSummons App के जरिए न्यायालय से जारी समन और कानूनी नोटिस इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भेजे और ट्रैक किए जा सकेंगे। संबंधित अनुसंधानकर्ता के स्तर से तामिला की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इससे समन की तामिला में पारदर्शिता और समयबद्धता लाने में मदद मिलेगी।

प्रशिक्षण में पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, सेक्टर-4/बीएस सिटी थाना प्रभारी, पुलिस अवर निरीक्षक दीपक कुमार राणा, अखिलेश कुमार, कुमार विक्रम सिंह, मनीष कुमार गुप्ता, शशिभूषण गोप, सत्येंद्र पासवान और नित्यानंद भोक्ता, सहायक अवर निरीक्षक एएन पाहन तथा रज्जी अहमद शामिल हुए। प्रशिक्षण मृत्युंजय कुमार (एफएम) ने दिया।

प्रशिक्षण के बाद पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने सभी प्रशिक्षुओं को eSummons App डाउनलोड कर रजिस्ट्रेशन पूरा करने और न्यायालय से प्राप्त समनों की समय पर तामिला सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मसाज के बहाने बुलाया, लूटा और वीडियो से ब्लैकमेल किया; तीन गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : नामकुम थाना क्षेत्र में मसाज के बहाने बुलाकर मारपीट, लूट और ब्लैकमेल कर रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सानिया प्रवीण, मो. हैदर और मो. वसीम उर्फ छोटू शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से रंगदारी मांगने में इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पुरानी रांची निवासी मो. नसीम ने 25 सितंबर को नामकुम थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, उन्हें मसाज के बहाने बुलाकर मारपीट की गई और 46 हजार रुपये नकद तथा सोने की चेन छीन ली गई। आरोप है कि इसके बाद उनका आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उसे सार्वजनिक करने की धमकी दी गई और 5 लाख रुपये रंगदारी मांगी गई।

मामले की जांच के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने तकनीकी सूचना के आधार पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों ने इस तरह की अन्य घटनाओं को अंजाम दिया है या नहीं।

पुलिस बरामद मोबाइल फोन की जांच के साथ गिरोह से जुड़े अन्य संभावित लोगों की तलाश कर रही है। मामले में मारपीट, लूट और ब्लैकमेल कर रंगदारी मांगने के आरोपों की जांच साक्ष्यों के आधार पर जारी है।

नौकरी के नाम पर ठगी के आरोप में पंकज गुप्ता हिरासत में

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबाद : सरकारी विभागों में नौकरी और पदोन्नति दिलाने के नाम पर रुपये लेने की शिकायतों के मामले में धनबाद पुलिस ने बैंक मोड़ निवासी पंकज गुप्ता (28) को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ धनबाद, झरिया, बैंक मोड़ और पलामू के विभिन्न थानों में ठगी से संबंधित मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर शिकायतों की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, कुछ लोगों ने पंकज पर शिक्षा, स्वास्थ्य और पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर रुपये लेने की शिकायत की है। शिकायतों में अलग-अलग लोगों से 20 लाख, 15 लाख, 10 लाख और 6 लाख रुपये तक लेने का आरोप लगाया गया है। कुछ शिकायतकर्ताओं को कथित तौर पर नियुक्ति पत्र दिए जाने की बात भी सामने आई है, जिनकी जांच की जा रही है।

सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि पंकज के खिलाफ कई लोगों ने आवेदन दिए हैं। पुलिस शिकायतों में लगाए गए आरोपों और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आरोपी से पूछताछ के साथ मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी पड़ताल कर रही है। वहीं, आरोपी के पिता उदय कुमार गुप्ता ने भी बेटे के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सही बताया है। पुलिस इस बयान और मामले से जुड़े अन्य साक्ष्यों की भी जांच कर रही है।

थाना प्रभारी संजय कुमार द्वारा माराफारी में ज्वेलरी दुकानों की सुरक्षा जांच

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : अपराध नियंत्रण और व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर माराफारी थाना क्षेत्र में पुलिस ने ज्वेलरी दुकानों की जांच की।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी संजय कुमार के नेतृत्व में टीम ने विभिन्न आभूषण दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान CCTV कैमरे, अलार्म सिस्टम, प्रवेश-निकास व्यवस्था और अन्य सुरक्षा इंतजामों की जांच की गई।

पुलिस ने दुकानदारों को CCTV कैमरे चालू रखने और दुकान बंद करते समय विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल थाना को देने का निर्देश भी दिया गया। पुलिस टीम ने दुकानों के आसपास की गतिविधियों पर भी नजर रखी।

पुलिस के अनुसार, संवेदनशील व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच और जागरूकता अभियान आगे भी जारी रहेगा।।

साइबर ठगी के मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

देवघर : साइबर ठगी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सारठ थाना क्षेत्र से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसडीपीओ कैलाश प्रसाद महतो के नेतृत्व में हुई छापेमारी में सरफराज आलम, विजय कुमार दास, शिवम कुमार दास, नितेश कुमार और अमय कुमार दास पकड़े गए। इनके पास से पांच मोबाइल फोन और आठ सिम कार्ड बरामद हुए हैं।

पुलिस के अनुसार, बरामद मोबाइल नंबर और सिम कार्ड के साइबर ठगी में इस्तेमाल के संकेत मिले हैं। इनके मोबाइल नंबर और IMEI के खिलाफ विभिन्न राज्यों में शिकायतें दर्ज हैं। सरफराज आलम के खिलाफ देवघर साइबर थाना और दुमका के शिकारीपाड़ा थाना में पहले से मामले दर्ज हैं।

जांच में सामने आया कि आरोपी फर्जी Google Pay, PhonePe और Paytm कस्टमर केयर अधिकारी बनकर कैशबैक का झांसा देते थे। PM किसान योजना, बिजली बिल और RTO चालान के नाम पर APK फाइल भेजकर मोबाइल का एक्सेस लेने की कोशिश करते थे। पुलिस के मुताबिक, Airtel Payment Bank अधिकारी बनकर Airtel Thanks एप के जरिए कार्ड बंद या चालू कराने के नाम पर भी ठगी की जाती थी।

झारखंड के सभी पुलिस पदाधिकारियों से अनुरोध
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अभिरक्षक लोक
कि वो अपने थानों की उपलब्धियां 'अभिरक्षक लोक' मे प्रकाशनार्थ दैनिक स्तर पर सीधे हमारे
Whatsapp पर भेजें 8873319159
धन्यवाद!
आपकी उपलब्धियां, जनता तक – अभिरक्षक लोक के माध्यम से

बोकारो रेलवे स्टेशन पर महिला यात्रियों को मिली बड़ी सुविधा, प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर ब्रेस्टफीडिंग बूथ का हुआ उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो रेलवे स्टेशन पर यात्रा करने वाली महिला यात्रियों, विशेषकर नवजात शिशुओं की माताओं के लिए एक अत्यंत राहत भरी और सम्मानजनक सुविधा की शुरुआत हुई है। रोटरी क्लब चास द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर एक अत्याधुनिक ब्रेस्टफीडिंग बूथ (स्तनपान कक्ष) का निर्माण कराया गया है। इस स्तनपान कक्ष का विधिवत उद्घाटन रोटरी जिला 3250 की जिला पाल अन्नु नारंग, क्षेत्रीय रेल प्रबंधक विनीत कुमार और सहायक क्षेत्रीय रेल प्रबंधक अंकिता सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर स्टेशन प्रबंधक संतोष नायक भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए रोटरी जिला पाल अन्नु नारंग ने कहा कि रोटरी क्लब चास का मुख्य उद्देश्य ऐसी बुनियादी जन-सुविधाएं विकसित करना है, जिनका सीधा और प्रत्यक्ष लाभ समाज के हर वर्ग को मिले। उन्होंने कहा कि यह बूथ महिला यात्रियों के सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक है। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल और सचिव विनोद चोपड़ा ने बताया कि सार्वजनिक स्थलों पर माताओं को अपने मासूम बच्चों को स्तनपान कराने में काफी असुविधा और संकोच झेलना पड़ता था, जिसे देखते हुए इस सुरक्षित, स्वच्छ और एकांत बूथ का निर्माण कराया गया है। उन्होंने इस पुनीत कार्य में सहयोग के लिए डीडी फाउंडेशन का आभार जताया।

एआरएम विनीत कुमार ने रोटरी क्लब चास की इस संवेदनशील पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि यह बूथ माताओं की सुविधा, गरिमा और नवजात बच्चों के स्वास्थ्य की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। वहीं सहायक जिला पाल पूजा बैद और निरुपमा सिंह ने कहा कि प्रतिदिन हजारों की संख्या में महिलाएं बोकारो स्टेशन से आवागमन करती हैं, जिनके लिए यह सुविधा बेहद कारगर साबित होगी। सचिव विनोद चोपड़ा ने उम्मीद जताई कि यह प्रयास अन्य सामाजिक संगठनों को भी जनहित के कार्यों के लिए प्रेरित करेगा।

समारोह के दौरान पूर्व जिला पाल संदीप नारंग व महेश केजरीवाल, संजय बैद, नरेंद्र सिंह, माधुरी सिंह, ललिता चोपड़ा, सिद्धार्थ पारख, दीपक झांझरिया, शैल रस्तोगी, प्रकाश केजरीवाल, वाणिज्य निरीक्षक अभिषेक कुमार, मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक सुमित झा, टिकट निरीक्षक संतोष कुमार, अर्चना सिंह, पल्लवी प्रसाद, पूर्वी केजरीवाल, ज्योति अग्रवाल, किरण कुमार, आरती पारख, कल्याणी गुप्ता, डॉ. जॉन ल्यू, घनश्याम दास, मोहित अग्रवाल, खोनेन और प्रदीप रे सहित रेलवे के कई अधिकारी व रोटरी के सदस्य उपस्थित थे।

बीएसएल के ब्लास्ट फर्नेस विभाग में निवारक सतर्कता पर संवाद आयोजित, पारदर्शिता और जवाबदेही पर मंथन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र में आगामी सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 तथा वर्तमान में जारी तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत सोमवार को ब्लास्ट फर्नेस विभाग के मुख्य महाप्रबंधक सम्मेलन कक्ष में एक विशेष संवादात्मक बैठक का आयोजन किया गया। सतर्कता विभाग और ब्लास्ट फर्नेस विभाग के अधिकारियों के बीच हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दैनिक कार्यप्रणाली में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही को सुदृढ़ करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अधिकारियों द्वारा ली गई सत्यनिष्ठा की शपथ से हुआ। इसके पश्चात सतर्कता विभाग के सहायक महाप्रबंधक ने एक विस्तृत तकनीकी प्रस्तुति के माध्यम से संवाद की रूपरेखा सामने रखी। बैठक में निविदा प्रक्रिया से जुड़ी एक व्यावहारिक केस स्टडी पर गहन विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने टेंडर दस्तावेजों में स्पष्टता, भूमिकाओं व जिम्मेदारियों का सटीक निर्धारण, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और निविदा समितियों की कार्यप्रणाली में सुधार से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपने सुझाव साझा किए।

इस संवादात्मक सत्र में ब्लास्ट फर्नेस विभाग के विभिन्न अनुभागों के महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक और योजना प्रकोष्ठ के अधिकारियों सहित कुल 18 अधिकारियों ने सक्रिय भाग लिया। अधिकारियों ने संभावित प्रक्रियागत जोखिमों की शुरुआती स्तर पर ही पहचान करने और उनके निवारण के लिए सुदृढ़ उपाय करने पर सहमति जताई। यह आयोजन सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 की मुख्य थीम सत्यनिष्ठा से समृद्धि के अनुरूप संयंत्र के भीतर निष्पक्ष, पारदर्शी और जिम्मेदार कार्य-संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में एक प्रभावी कदम साबित हुआ।

संक्षिप्त समाचार

बांस के सहारे टिकी ठाकुरटांड की पानी टंकी, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

तुपकाडीह (बोकारो) : जरीडीह प्रखंड अंतर्गत खुटरी पंचायत के ठाकुरटांड गांव में पंचायत मद से निर्मित ग्रामीण जलमीनार रख-रखाव के अभाव में जर्जर होकर हादसों को आमंत्रण दे रही है। टंकी के नीचे लगा लोहे का मुख्य एंगल जंग लगने के कारण टूट चुका है, जिसे गिरने से बचाने के लिए ग्रामीणों ने नीचे बांस का खंभा लगा रखा है।

गांव के भीम महली, डेगलाल महतो, सुखदेव, कामदेव और संतोष सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि पूरे गांव की पेयजल व्यवस्था इसी जलमीनार और नल पर निर्भर है। लोहे का ढांचा टूटने के बाद टंकी कभी भी धराशायी हो सकती है, जिससे गांव में पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप होने का संकट मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने किसी तरह बांस की टेक लगाकर टंकी को अस्थायी रूप से संभाल रखा है, ताकि लोगों को पीने का पानी मिलता रहे।

ग्रामीणों ने इस गंभीर समस्या की जानकारी स्थानीय मुखिया लीलावती देवी और संबंधित वार्ड सदस्य को दे दी है। ग्रामीणों की मांग है कि समय रहते जर्जर टंकी और खंभे की त्वरित मरम्मत कराई जाए, अन्यथा जलमीनार गिरने से गांव के लोगों के सामने पीने के पानी का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा।

बोकारो के चार खिलाड़ी सब-जूनियर नेशनल बास्केटबॉल के लिए चयनित

बोकारो : आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में 27 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आयोजित 51वीं सब-जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2026 में झारखंड की बालक और बालिका टीम हिस्सा ले रही है। प्रतियोगिता में बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के चार खिलाड़ियों का चयन झारखंड टीम में हुआ है। इनमें तीन बालक और एक बालिका खिलाड़ी शामिल हैं। झारखंड की बालिका टीम के मुख्य कोच किंकर कृष्णा भी बोकारो से हैं। बालक टीम में सूर्यांश, नवीन कुमार पासवान और आशीष कुमार का चयन हुआ है। सूर्यांश दिल्ली पब्लिक स्कूल, चास और डीपीएस चास बास्केटबॉल ट्रेनिंग सेंटर से जुड़े हैं। नवीन कुमार पासवान डीएवी इस्पात विद्यालय, सेक्टर-12 और आशीष कुमार माउंट सियोन स्कूल, सेक्टर-12 के खिलाड़ी हैं। वहीं इशिता का चयन झारखंड की बालिका टीम में हुआ है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता से पहले झारखंड टीम के खिलाड़ियों ने करीब 10 दिनों के कोचिंग कैंप में प्रशिक्षण लिया। झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन के सचिव जो सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता की तैयारी की। चार खिलाड़ियों के राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का प्रतिनिधित्व करने से बोकारो के खेल प्रेमियों और बास्केटबॉल से जुड़े खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों में खुशी है। बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्येंद्र और सचिव कन्हैया प्रसाद ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। एसोसिएशन की पूरी टीम ने चारों खिलाड़ियों और मुख्य कोच किंकर कृष्णा को प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

चंदनकियारी स्टेडियम के निर्माण की गुणवत्ता जांच के निर्देश

बोकारो : उपायुक्त अजय नाथ झा ने सोमवार को चंदनकियारी प्रखंड के नवनिर्मित स्टेडियम के निर्माण कार्यों की समीक्षा की। बैठक में स्टेडियम में बने सिंथेटिक ट्रैक सहित अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और स्वीकृत प्राक्कलन के अनुरूप कराए गए कार्यों की स्थिति पर चर्चा हुई। बैठक में सिंथेटिक ट्रैक की मोटाई और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता में कमी से जुड़े बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों और अभियंताओं को स्वीकृत प्राक्कलन का विस्तृत अध्ययन कर निर्माण कार्यों की बिंदुवार जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्राक्कलन के अनुरूप कराए गए कार्यों का आकलन कर कमियों को चिह्नित किया जाए और जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। उपायुक्त ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्राक्कलन के अनुरूप हुए कार्यों का निष्पक्ष आकलन सुनिश्चित करने को कहा, ताकि जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े थे।

एसआईआर-2026 को त्रुटिरहित बनाने बोकारो प्रशासन रेस, प्रखंडों में बनेंगे हेल्प सेंटर, लगेंगे विशेष शिविर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

- **डीईओ-सह-डीसी अजय नाथ झा ने की समीक्षा बैठक; बीएलओ करेंगे डोर-टू-डोर संपर्क, एईआरओ करेंगे क्षेत्र भ्रमण**

बोकारो : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) को शत-प्रतिशत पारदर्शी, शुद्ध और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से बोकारो जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर पहल शुरू कर दी है। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसआईआर-2026 के तहत जारी कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को प्रक्रियागत शुद्धता और समयबद्ध निष्पादन के सख्त निर्देश दिए गए।

आम नागरिकों को मतदाता सूची से जुड़ी समस्याओं और दस्तावेजों के सत्यापन में आ रही कठिनाइयों के समाधान के लिए प्रखंड स्तर पर हेल्प सेंटर स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। आवश्यकतानुसार एक प्रखंड में एक से अधिक हेल्प सेंटर भी बनाए जाएंगे। इसके अलावा, जिन क्षेत्रों में दस्तावेजों या प्रपत्रों से संबंधित जटिलताएं अधिक सामने आ रही हैं, वहां विशेष शिविर आयोजित कर मौके पर ही पात्र नागरिकों का सहयोग और समस्याओं का निष्पादन किया जाएगा।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि बूथ लेवल ऑफिसर घर-घर जाकर मतदाताओं से सीधा संपर्क साधें और प्रपत्रों व आवश्यक दस्तावेजों की कमी की पहचान कर त्वरित कार्रवाई के लिए वरिष्ठ अधिकारियों तक रिपोर्ट भेजें। वहीं कार्यों में पारदर्शिता और गति बनाए रखने के लिए सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी तथा अतिरिक्त एईआरओ प्रतिदिन दोपहर बाद क्षेत्रों का भ्रमण करेंगे और बीएलओ के डोर-टू-डोर सर्वेक्षण की रैंडम जांच करेंगे।

राजनीतिक दलों और मीडिया के साथ होगी समन्वय बैठक- जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वे मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, मीडियाकर्मियों और अन्य हितधारकों के साथ जल्द ही बैठक आयोजित करें, ताकि एसआईआर-2026 की प्रक्रियागत जानकारियों को साझा किया जा सके और सुझाव प्राप्त किए जा सकें। उन्होंने बल देकर कहा कि बीएलओ, हेल्प सेंटर, एईआरओ और ईआरओ के बीच निर्बाध समन्वय ही इस अभियान की सफलता की कुंजी है। समीक्षा बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, जनसंपर्क विभाग के उप निदेशक रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, डीईओ कोषांग के पंकज दुबे और हेल्प डेस्क मैनेजर मुख्य रूप से उपस्थित थे।

एमएसएमई अध्यक्ष ने सेक्टर-12 में ट्रैफिक कार्यालय स्थानांतरण का किया स्वागत, ट्रैफिक पार्क बनाने का दिया सुझाव

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : एमएसएमई एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष शशि भूषण विश्वकर्मा ने बोकारो के पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर यातायात विभाग (ट्रैफिक पुलिस कार्यालय) को नया मोड़ से हटाकर सेक्टर-12 फोरलेन के पास स्थानांतरित करने के निर्णय का स्वागत किया है और इसके लिए बोकारो पुलिस को धन्यवाद दिया है। पत्र के माध्यम से उन्होंने शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए हैं।

पत्र में सुझाव दिया गया है कि सेक्टर-12 स्थित नए ट्रैफिक कार्यालय परिसर में चालकों के लिए आधुनिक ड्राइविंग टेस्ट की समुचित व्यवस्था की जाए। साथ ही, देश और दुनिया के बड़े महानगरों की तर्ज पर बच्चों के लिए खेल-खेल में ट्रैफिक नियमों को सीखने और समझने के लिए एक आधुनिक ट्रैफिक पार्क का निर्माण कराया जाए। इस पार्क में समय-समय पर स्कूली छात्र-छात्राओं और वाहन चालकों के लिए यातायात जागरूकता सेमिनार व गोष्ठियों का आयोजन किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस पार्क का रखरखाव जिला सड़क सुरक्षा समिति के माध्यम से हो सकता है।

एमएसएमई अध्यक्ष ने प्रस्ताव रखा है कि इस ट्रैफिक पार्क के निर्माण और रखरखाव में बोकारो क्षेत्र के बड़े औद्योगिक घराने जैसे बोकारो इस्पात संयंत्र, इलेक्ट्रोस्टील, ओएनजीसी, डालमिया सीमेंट, इंडियन ऑयल तथा नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया अपने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड से वित्तीय सहयोग प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने ध्यान आकृष्ट कराया कि सेक्टर-12 स्थित वृषभानु फुटबॉल ग्राउंड के आसपास पर्याप्त सरकारी भूमि उपलब्ध है, जिसका उपयोग इस ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए आसानी से किया जा सकता है।

भारत विकास परिषद की राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में मिथिला अकादमी का शानदार प्रदर्शन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : हिंदी गीत भारत वंदे मातरम - जय भारत वंदे मातरम्, संस्कृत गीत जय भारत भारती और लोकगीत तोहरे भरोसे ब्रह्म बाबा की मधुर प्रस्तुति से स्कूली विद्यार्थियों ने पूरे माहौल को देशभक्ति की भावना से सराबोर कर दिया। मौका था भारत विकास परिषद की ओर से आयोजित राष्ट्रीय समूहगान हिंदी एवं संस्कृत गायन तथा लोकगीत प्रतियोगिता का। इसमें विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया।

भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित हिंदी समूहगान प्रतियोगिता में मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल, बोकारो ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। यह आयोजन केंद्रीय विद्यालय, सेक्टर-4 में आयोजित किया गया था। प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चों के साथ उनके अभिभावक भी उपस्थित थे। विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी आकर्षक वेशभूषा में हिंदी और संस्कृत भाषा में राष्ट्रभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी।

परिषद की ओर से विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया, वहीं सभी प्रतिभागी टीमों को सहभागिता पुरस्कार प्रदान किया गया। विद्यालय के प्राचार्य अमर प्रसाद एवं उप-प्राचार्य देव दुलाल मित्रा ने कहा कि भारत विकास परिषद का यह एक सराहनीय प्रयास है। ऐसे कार्यक्रमों से जहाँ बच्चों का बौद्धिक विकास होता है, वहीं उन्हें अपनी संस्कृति को जानने का भी अवसर मिलता है। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों आलिया कुमारी, स्मृति कुमारी, प्राची कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, आराध्या कुमारी, विभा कुमारी, नीलम कुमारी, रुकैया, ऋषि राज गोस्वामी एवं संगीत शिक्षक विश्वनाथ गोस्वामी, सेफाली दुबे को बधाई देते हुए निरंतर प्रयासरत रहने का आशीर्वाद दिया।

बीएसएल में महिला अधिकारियों के लिए बिजनेस लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू, एआईएमए के सहयोग से 3 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में सोमवार को महिला अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय बिजनेस लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम का औपचारिक शुभारंभ हुआ। 28 से 30 सितंबर तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संयंत्र में कार्यरत महिला अधिकारियों के भीतर व्यावसायिक नेतृत्व क्षमता, रणनीतिक सोच, वित्तीय सूझ-बूझ और त्वरित व प्रभावी निर्णय लेने के कौशल को सुदृढ़ बनाना है।

ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए) के तकनीकी सहयोग से आयोजित यह सिमुलेशन-आधारित कार्यक्रम बीएसएल की महिला अधिकारियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। अपनी तरह की इस अनूठी पहल के जरिए महिला अधिकारियों को एक जीवंत कॉरपोरेट सिमुलेशन परिवेश में विभिन्न जटिल व्यावसायिक निर्णयों के दूरगामी प्रभावों को व्यावहारिक रूप से समझने और अनुभव करने का अवसर मिल रहा है। कार्यक्रम का संचालन एआईएमए के सहायक निदेशक द्वारा किया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण में पारंपरिक क्लासरूम पढ़ाई से इतर डेटा एनालिसिस, टीम वर्क और रणनीतिक निर्णय क्षमता विकसित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सिमुलेशन पद्धति के माध्यम से अधिकारियों को ऑपरेशन्स, वित्त, संसाधन प्रबंधन, लागत नियंत्रण तथा बाजार की गतिशीलता के अंतर-संबंधों से अवगत कराया जा रहा है। इससे महिला अधिकारियों को एक व्यक्तिगत 'प्रॉफिट सेंटर' के दृष्टिकोण से पूरे संगठन के कामकाज को समझने का अवसर मिलेगा, जो बीएसएल में निर्णय प्रक्रिया को और सशक्त बनाएगा।

सड़क हादसे में घायल की मदद करने पर बोकारो उपायुक्त के हाथों सम्मानित हुए अनिल अग्रवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

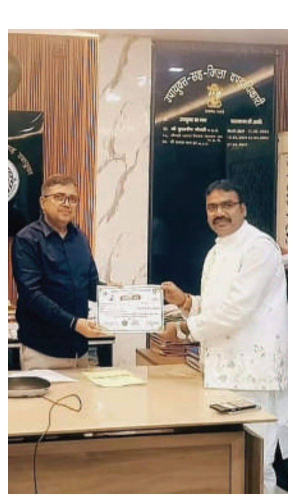

बोकारो : सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद कर मानवता का परिचय देने वाले समाजसेवी सह अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल को जिला प्रशासन, बोकारो की ओर से गुड सेमेरिटन के रूप में बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जिला प्रशासन द्वारा जारी प्रशस्ति पत्र में उल्लेख किया गया कि अनिल अग्रवाल ने सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद कर गुड सेमेरिटन की भावना एवं एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दिया। इस अवसर पर जिला प्रशासन ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

सम्मान प्राप्त करने के बाद अनिल अग्रवाल ने कहा कि मुश्किल समय में किसी जरूरतमंद की सहायता करना प्रत्येक नागरिक का मानवीय दायित्व है। यह सम्मान उन्हें भविष्य में भी जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए प्रेरित करेगा।

डीपीएस बोकारो की प्रधानाध्यापिका प्रीति सिन्हा एवं वरिष्ठ शिक्षिका पी. कलावती को मिला गार्गी मंजू सम्मान

राष्ट्र-निर्माण में उत्कृष्ट शैक्षिक योगदान के लिए राज्यस्तर पर हुईं सम्मानित, प्राचार्य ने दी बधाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो की प्रधानाध्यापिका प्रीति सिन्हा एवं वरिष्ठ शिक्षिका पी. कलावती को प्रतिष्ठित गार्गी मंजू सम्मान 2026 से नवाजा गया है। रविवार देर शाम रांची में गार्गी मंजू सम्मान के चौथे संस्करण के दौरान अंग्रेजी शिक्षिका श्रीमती सिन्हा एवं हिन्दी की पूर्व विभागाध्यक्ष श्रीमती कलावती हिन्दी के प्रख्यात कवि, साहित्यकार पद्मश्री डॉ अशोक चक्रधर एवं अंग्रेजी के विद्वान, साहित्यकार व कलाकार एंड्रू हॉफ लैंड के हाथों सम्मानित की गईं। शैक्षिक योगदान, समर्पण एवं समाज-निर्माण में उनकी महती भूमिका के लिए 11,000 रुपए की नकद पारितोषिक राशि, स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति प्रदान कर अलंकृत किया गया।

उल्लेखनीय है कि शिक्षा के माध्यम से समाज-सुधार की अलख जगाने वाली टेंडर हार्ट स्कूल, रांची की संस्थापिका स्व. गार्गी मंजू की पुण्य स्मृति में सुधीर तिवारी फाउंडेशन की ओर से प्रतिवर्ष राज्य के उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया जाता रहा है। इस बार के चौथे संस्करण में राज्य के 114 विद्यालयों के लगभग 250 हिन्दी-अंग्रेजी एवं भाषा-साहित्य के शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया।

सोमवार को डीपीएस बोकारो की उक्त दोनों शिक्षिकाओं के बोकारो लौटने पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने प्रोत्साहित करते हुए इस उपलब्धि के लिए अपनी बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इसे शिक्षिकाओं के समर्पण, उनकी कर्तव्यनिष्ठता एवं अनुकरणीय सेवा का प्रतिफल तथा विद्यालय परिवार के लिए अनुपम गौरव बताया। विदित हो कि प्रधानाध्यापिका प्रीति सिन्हा विगत 22 वर्षों से अंग्रेजी अध्यापन से जुड़ी हैं, वहीं हिन्दी शिक्षिका पी. कलावती को 25 वर्षों से अधिक का कुशल अनुभव है। दोनों शिक्षिकाओं ने इसका श्रेय अपने प्राचार्य के सहयोग व मार्गदर्शन को देते हुए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। प्राचार्य के साथ-साथ पूरे विद्यालय परिवार ने शिक्षिकाद्वय को बधाई दी।

संक्षिप्त समाचार

डुमरी के मधगोपाली में सखी मंडल की वार्षिक आम सभा सम्पन्न, आय-व्यय रिपोर्ट पेश

डुमरी। डुमरी प्रखंड अंतर्गत मधगोपाली संकुल संगठन की वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई। सभा में संकुल का वार्षिक आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। मौके पर जिला परिषद सदस्य बैजनाथ महतो, जेएलकेएम जिला अध्यक्ष अमित महतो, जेएसएलपीएस बीपीएम अरुण महतो, मधगोपाली के मुखिया जागेश्वर महतो, सीसी मिथिलेश महतो मुख्य रूप से उपस्थित थे।वहीं संकुल अध्यक्ष रेखा देवी, सचिव कंचन देवी, कोषाध्यक्ष सविता देवी, बीएपी हेमंती देवी, लेखापाल सुमित्रा देवी सहित संकुल कैडर सारणी देवी, पूजा देवी, आरती देवी, कीमा देवी, खुशबू देवी, जयंती देवी, मंजू देवी, सुमन देवी, रीता देवी, हेमलता देवी एवं अन्य समूह की महिलाएं मौजूद रहीं।

तेज बारिश में भरभराकर गिरा खपरैल मकान, बाल-बाल बचे पिता-पुत्र

पेटरवार। लगातार हो रही तेज बारिश के कारण कच्चे मकानों में रहने वाले लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। पेटरवार प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कोह पंचायत के काटमकुल्ही स्थित गुंडलीगढ़ा में देर रात सुखदेव मांझी का खपरैल मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के दौरान मकान में सो रहे सुखदेव मांझी और उनके पुत्र सहदेव मांझी बाल-बाल बच गए। बताया गया कि देर रात दोनों पिता-पुत्र मकान के अंदर सो रहे थे। इसी दौरान मकान में अचानक तेज आवाज होने लगी। आवाज सुनकर दोनों तत्काल घर से बाहर निकल गए। उनके बाहर निकलते ही खपरैल मकान भरभराकर गिर पड़ा। इससे दोनों किसी गंभीर दुर्घटना की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। घटना के बाद परिवार के लोगों में दहशत का माहौल है। लगातार हो रही बारिश के कारण क्षेत्र में कच्चे मकानों के गिरने का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

पारसनाथ कॉलेज में खोरठा साहित्य पर सेमिनार आयोजित

डुमरीः पारसनाथ महाविद्यालय के सभागार में सोमवार को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग खोरठा के तत्वावधान में खोरठा साहित्य की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार मिश्रा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ उप प्राचार्य सह खोरठा विभागाध्यक्ष प्रो. यशवंत कुमार सिन्हा ने अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। विषय प्रवेश कराते हुए उन्होंने खोरठा भाषा एवं साहित्य के महत्व, वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के प्रो. बिरबल महतो ने खोरठा भाषा के उद्भव, विकास, हिंदी के साथ उसके संबंध और वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। विशिष्ट अतिथि डॉ. गजाधर महतो ने खोरठा साहित्य में शोध की संभावनाओं और इसके विकास के लिए आवश्यक प्रयासों पर जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार मिश्रा ने अपने संबोधन में खोरठा भाषा के विकास, संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पर बल देते हुए विद्यार्थियों को अपनी क्षेत्रीय भाषा और सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. शशि भूषण ने विद्यार्थियों को खोरठा के अध्ययन, लेखन और शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान खोरठा लोकगीत कलाकार बासु बिहारी ने लोकगीतों की प्रस्तुति से विद्यार्थियों को लोकसंस्कृति की समृद्ध परंपरा से परिचित कराया। मंच संचालन प्रो. योगेश प्रसाद महतो ने किया।मौके पर प्रो. रजनी कुमारी, प्रो. गौतम कुमार सिंह, प्रो. प्रियंका कुमारी, प्रो. संगीता कुमारी, प्रो. कुमारी संगीता, डॉ. मधु जायसवाल, डॉ. डेगलाल महतो, मौलाना इजरायल, मुजफ्फर हुसैन, प्रो. कुबेर प्रसाद, विनोद कुमार अकेला, प्रो. राजकुमार मेहता, डॉ. उमा पांडेय, डॉ. पिंटू पांडेय, डेगनारायण महतो, पंकज प्रीतम, मनोज महतो, मनीत कुमार, विनोद कुमार, जाफिर समेत अन्य उपस्थित थे।

शहीद भगत सिंह जयंती पर वैश्य मोर्चा ने लिया तृतीय महाधिवेशन को सफल बनाने का संकल्प

गोला। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती सोमवार को रजरप्पा रोड में मनाई गई।इस दौरान झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की ओर से जिला एवं प्रखंड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान आगामी कार्यक्रमों एवं तृतीय महाधिवेशन को सफल बनाने को लेकर कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया। संगठन की ओर से 28 सितंबर को विभिन्न प्रखंडों में बैठक आयोजित करने की जानकारी भी सार्वजनिक की गई है। बताया गया कि 2 अक्टूबर, गांधी जयंती के अवसर पर पूरे जिले से लेकर राजधानी रांची तक विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का समापन मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका में किया जाएगा। संगठन की पूर्व घोषित रूपरेखा में रामगढ़ सहित रांची के विभिन्न स्थानों पर गांधी जयंती कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही गई है। वहीं, झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का तृतीय महाधिवेशन 30 एवं 31 अक्टूबर 2026 को रांची के कांके में आयोजित किया जाएगा। महाधिवेशन को सफल बनाने के लिए विभिन्न जिलों में तैयारी एवं जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। रामगढ़ जिला से सैकड़ों वैश्य मोर्चा के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी तृतीय महाधिवेशन में शामिल होंगे और संगठन की गतिविधियों को मजबूती प्रदान करने में अपनी सहभागिता निभाएंगे। महाधिवेशन में संगठन एवं समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा प्रस्तावित है। वैश्य मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता महाधिवेशन में भाग लेकर इसे सफल बनाएं।मौके पर बिरेन्द्र प्रसाद लखन प्रसाद अग्रवाल संतोष साव सूरज वर्मा परितोष पोद्दार प्रयाग साव कृष्णा शर्मा सुधीर कुमार नविन साव आदि मौजूद थे।

कुत्ते के काटने से बचाव को लेकर सदर अस्पताल में जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय मुख्यधारा बृजराज सिंह की रिपोर्ट

▪ रेबीज से बचाव के लिए समय पर उपचार और टीकाकरण जरूरी : स्वास्थ्य विभाग

जमशेदपुर। कुत्ते के काटने से होने वाली गंभीर बीमारी रेबीज से बचाव को लेकर सोमवार को खासमहल स्थित सदर अस्पताल, परसुडीह में विशेष जागरूकता एवं उपचार अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान चिकित्सकों ने आम लोगों को कुत्ते के काटने से बचाव, प्राथमिक सावधानियों तथा समय पर चिकित्सा सहायता लेने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। चिकित्सकों ने बताया कि रेबीज एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है, लेकिन समय पर उचित उपचार और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार टीकाकरण से इससे बचाव संभव है। इसलिए कुत्ते के काटने की घटना को सामान्य चोट समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जिला स्वास्थ्य समिति, पूर्वी सिंहभूम की ओर से जारी जागरूकता संदेश में लोगों से अपील की गई कि कुत्तों के पास जाते समय विशेष सावधानी बरतें। किसी कुत्ते को छेड़ने, उस पर चिल्लाने या उसके साथ अनावश्यक रूप से भागने से बचें। यदि कोई कुत्ता पास आ जाए तो घबराकर भागने के बजाय शांत रहें और उसे स्वयं दूर जाने का अवसर दें। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि सो रहे, खाना खा रहे, पिल्लों के साथ खेल रहे या उन्हें दूध पिला रहे कुत्तों को परेशान न करें। इसके अलावा डरे हुए, गुर्रा रहे अथवा आक्रामक व्यवहार कर रहे कुत्तों से दूरी बनाए रखें। यदि कुत्ता हमला करने की स्थिति में आ जाए तो सिर, चेहरे और गर्दन को बचाने का प्रयास करें तथा स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए शरीर को समेटकर सुरक्षित स्थिति अपनाएं। वाहन चलाते समय यदि कुत्ता पीछा करे तो घबराने के बजाय गति नियंत्रित रखते हुए सावधानीपूर्वक आगे बढ़ें। चिकित्सकों ने विशेष रूप से बताया कि कुत्ते के काटने के बाद घाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। रेबीज से बचाव के लिए समय पर चिकित्सकीय उपचार और टीकाकरण बेहद महत्वपूर्ण है। उपचार से संबंधित निर्णय चिकित्सक की सलाह के अनुसार ही लिया जाना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग ने आम लोगों से अपील की कि कुत्ते के काटने की घटना के बाद किसी तरह की लापरवाही न बरतें और समय पर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर आवश्यक चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। जागरूकता और समय पर उपचार के माध्यम से रेबीज के खतरे को रोका जा सकता है। इस अवसर पर पूर्वी सिंहभूम के सिविल सर्जन साहिल पाल एवं डॉ. मोहम्मद हसन सहित स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक एवं कर्मी उपस्थित रहे।

कार्मेल स्कूल के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से दिया जल संरक्षण का संदेश, सृष्टि संरक्षण पर्व के तहत किया मंचन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कार्मेल स्कूल के कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों ने बोकारो थर्मल के मेन मार्केट तथा हनुमान मंदिर के समीप एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। शिक्षक शोमा बसु एवं धनंजय प्रजापति के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम को राहगीरों और स्थानीय लोगों ने सराहा। विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट अभिनय के जरिए समाज को जल की हर एक बूंद बचाने और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया।

यह कार्यक्रम विद्यालय में 1 सितंबर से 4 अक्टूबर तक मनाए जा रहे 'सृष्टि संरक्षण पर्व' के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस वर्ष इस आयोजन का मुख्य विषय जीवंत जल रखा गया है, जिसके तहत जल स्रोतों की स्वच्छता और उनके संरक्षण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

नाटक के जरिए विद्यार्थियों ने जल के महत्व, इसके विवेकपूर्ण उपयोग तथा नदियों और अन्य प्राकृतिक जलस्रोतों को प्रदूषण से मुक्त रखने का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य के लिए जल की बर्बादी को रोकना अत्यंत आवश्यक है। प्रस्तुति के दौरान विद्यार्थियों ने न केवल अपनी सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का परिचय दिया, बल्कि पूरे क्षेत्र में चेतना की एक नई लहर जगाई। 'जल है तो कल है' के मूल संदेश के साथ इस आयोजन ने समाज को यह याद दिलाया कि आज जल बचाना और अपने प्राकृतिक जलस्रोतों को स्वच्छ रखना ही हमारे सुरक्षित कल की गारंटी है।

डीवीसी बोकारो थर्मल में भाव पल्लवन एवं टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता का आयोजन, कर्मियों ने दिखाई उत्सुकता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : राजभाषा कार्यान्वयन उपसमिति, डीवीसी बोकारो थर्मल के तत्वावधान में आयोजित हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत सोमवार को पावर प्लांट स्थित बिरसा मुंडा भवन स्थित सम्मेलन कक्ष में भाव पल्लवन एवं टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के व्यावहारिक प्रयोग, विचारों की स्पष्ट एवं क्रमबद्ध अभिव्यक्ति तथा रचनात्मक लेखन-कौशल को प्रोत्साहित करना था।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों को कार्यालयीन विषयों से संबंधित प्रश्नों पर टिप्पण आलेखन करने के साथ-साथ दिए गए चित्र के आधार पर भाव पल्लवन करने का कार्य सौंपा गया। सभी प्रतिभागियों ने विषय की गहरी समझ, भाषा की शुद्धता और विचारों के बेहतरीन प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अपनी उत्कृष्ट लेखन क्षमता का परिचय दिया।

कार्यक्रम में डीवीसी के विभिन्न विभागों से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। इसमें वरिष्ठ प्रबंधक संदीप भगत, प्रबंधक चंचला कुमारी, सहायक प्रबंधक ज्योति प्रकाश सिंह एवं आशुतोष अग्रवाल, कार्यपालक सिद्धार्थ पांडा, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक अरविंद कुमार शर्मा, सहायक नियंत्रक कमल कृष्ण भारती एवं रथीन मजूमदार, कनिष्ठ अभियंता चंद्र भूषण जायसवाल, संतोष कुमार एवं निशा कुमारी, मुख्य रोकड़िया दीपक कुमार, शिक्षक संतोष कुमार तिवारी एवं मनोज कुमार गुप्ता, शिक्षिका छाया कुमारी, तथा सहायक ग्रेड रवि कुमार चक्रवर्ती, संजय कुमार राय एवं वेणुधर बेहेरा सहित कई अन्य कर्मियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज की। प्रतियोगिता का संपूर्ण पर्यवेक्षण सहायक नियंत्रक (यांत्रिकी) दीनानाथ शर्मा एवं सहायक ग्रेड (राजभाषा) तारकेश्वर जायसवाल द्वारा संपन्न कराया गया।

साकची में पुलिस का एंटी क्राइम चेकिंग अभियान, अपराध पर अंकुश को लेकर रात्रि गश्ती तेज

राष्ट्रीय मुख्यधारा || बृजराज सिंह

जमशेदपुर। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर साकची थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से लगातार एंटी क्राइम चेकिंग, वाहन जांच एवं रात्रि गश्ती अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान प्रमुख चौक-चौराहों, संवेदनशील स्थानों एवं सड़कों पर पुलिस बल द्वारा सघन जांच की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य असामाजिक तत्वों, संदिग्ध गतिविधियों तथा नशे की हालत में सड़क किनारे जमावड़ा लगाने वाले लोगों पर निगरानी रखना और संभावित आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है। वाहन जांच के दौरान पुलिस द्वारा कागजात, हेलमेट एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों की भी जांच की जा रही है। अभियान में साकची थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव, सिटी डीएसपी संजीव कुमार सहित पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। पुलिस टीम ने देर रात तक विभिन्न क्षेत्रों में गश्ती करते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। सिटी एसपी ललित मीणा ने कहा कि शहर में अपराध पर अंकुश लगाने और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एंटी क्राइम चेकिंग एवं रात्रि गश्ती अभियान चलाया जा रहा है। आगामी दुर्गा पूजा एवं अन्य पर्व-त्योहारों को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस का यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। पुलिस प्रशासन की ओर से आम लोगों से अपील की गई है कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। अभियान के माध्यम से पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमित रूप से चेकिंग और गश्ती जारी रहेगी।

विस्थापितों ने दिया तीन दिनों का अल्टीमेटम, आंदोलन की चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : विस्थापितों ने अपनी शिकायत से संबंधित आवेदन की प्रतिलिपि कार्यपालक अभियंता, केंद्रीय भंडार एवं शिविर प्रमंडल, चांडिल बांध अंचल तथा अधीक्षण अभियंता को भी सौंपी है। विस्थापितों का कहना है कि पुनर्वास स्थल पर रह रहे परिवारों को बुनियादी सुविधाओं के उपयोग से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से तत्काल स्थल निरीक्षण कर मामले की निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। विस्थापितों ने प्रशासन को तीन दिनों का समय देते हुए कहा है कि इस अवधि में कार्रवाई नहीं हुई तो वे अपने अधिकारों और सुरक्षा की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेंगे। उनका कहना है कि पुनर्वास स्थल पर कथित रोक-टोक से विवाद बढ़ने और सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका है। मौके पर जगन्नाथ किस्कू, पूनम देवी, बिरबल प्रमाणिक, राकेश रंजन महतो, श्यामल मार्डी, नारायण गोप, अंबिका यादव, शोभा रानी और सुनीता महाली समेत सैकड़ों महिला-पुरुष मौजूद थे।

डुमरी में विवाह भवन निर्माण की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः जिला परिषद सदस्या सुनीता कुमारी ने सोमवार को पूर्वी वन प्रमंडल पदाधिकारी से भेंट कर क्षेत्र में सार्वजनिक विवाह भवन की मांग की।उन्होंने कहा कि क्षेत्र में गरीब और सामान्य परिवारों के विवाह व अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के लिए उचित और किफायती सार्वजनिक भवन की आवश्यकता है। शिव मंदिर में हर साल बड़ी संख्या में विवाह समारोह होते हैं, लेकिन भवन की सुविधा नहीं होने से परिवारों को परेशानी और अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है। जिप सदस्या ने मांग की कि शिव मंदिर के समीप वन विभाग की उपयुक्त भूमि का चयन कर वहां स्थायी और सुविधायुक्त विवाह भवन सह सामुदायिक हॉल का निर्माण कराया जाए, ताकि गरीब और जरूरतमंद परिवार कम खर्च में कार्यक्रम आयोजित कर सकें। उन्होंने कहा कि विवाह भवन का निर्माण गरीब परिवारों को सम्मानजनक सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में अहम कदम होगा।

खेलो झारखंड के तहत अंडर-17 प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

प्लस टू उच्च विद्यालय पेटरवार की टीम ने उत्क्रमित उच्च विद्यालय काटमकुल्ही पर 1-0 से जीत दर्ज की

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। खेलो झारखंड 2026-27 के तहत प्लस टू उच्च विद्यालय पेटरवार के मैदान में प्रखंड स्तरीय अंडर-17 खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन सोमवार को किया गया। प्रतियोगिता में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी एवं एथलेटिक्स की विभिन्न स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिला परिषद सदस्य प्रहलाद महतो, सुधीर सिन्हा एवं बीपीओ शिक्षा विभाग सुशीला टोप्पो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। इसके बाद फुटबॉल मैच से प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत हुई। अतिथियों ने मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा फुटबॉल को किक मारकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय काटमकुल्ही और प्लस टू उच्च विद्यालय पेटरवार की टीम के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने जीत के लिए जोरदार प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबले में प्लस टू उच्च विद्यालय पेटरवार की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 1-0 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। इसके अलावा अन्य खेलों में भी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में सुधीर सिन्हा एवं पेटरवार मुखिया दिनेश गुप्ता ने सफल खिलाड़ियों के बीच पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया। इस दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजकों ने बताया कि प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले सफल खिलाड़ियों को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने का अवसर मिलेगा। जिला स्तर पर चयनित खिलाड़ी आगे की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर प्रखंड एवं जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

वर्ल्ड हार्ट डे पर एडवांस्ड कार्डियेक केयर की दी गई जानकारी

रांची। वर्ल्ड हार्ट डे के अवसर पर भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल, रांची में सोमवार को एडवांस्ड कार्डियेक केयर, आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ इलाज को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर हॉस्पिटल के कार्डियेक विशेषज्ञों ने कहा कि इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी, स्ट्रक्चरल हार्ट केयर, रिद्म मैनेजमेंट और कार्डियेक सर्जरी में हुई प्रगति से जटिल हृदय रोगों के इलाज के नए विकल्प उपलब्ध हुए हैं। मौके पर कार्डियोलॉजी कंसल्टेंट डॉ दीपक कुमार, डॉ धनंजय कुमार, डॉ रोहित कुमार और सीटीवीएस कंसल्टेंट डॉ कुमार उज्ज्वल ने कहा कि हृदय रोगों के इलाज में अब सबके लिए एक ही इलाज की अवधारणा से आगे बढ़कर मरीज की उम्र, स्वास्थ्य स्थिति और बीमारी की गंभीरता के अनुसार उपचार पर जोर दिया जा रहा है। विशेषज्ञों ने बीमारी की समय पर पहचान और चिकित्सकीय परामर्श को भी महत्वपूर्ण बताया। हॉस्पिटल ने बिहार और झारखंड में पहली बार इंपेला-सपोर्टेड कार्डियेक इंटरवेंशन करने और पूर्वी भारत में सबसे अधिक इंपेला प्रक्रियाएं करने का भी दावा किया। कार्यक्रम में जन्मजात हृदय दोष वाले बच्चों और वयस्कों के लिए डिवाइस-क्लोजर कार्यक्रम की भी जानकारी दी गई। इसके तहत कुछ हृदय दोषों का इलाज ओपन-हार्ट सर्जरी के बजाय डिवाइस आधारित प्रक्रिया से किया जा सकता है। मौके पर डॉ दीपक कुमार, डॉ धनंजय कुमार, डॉ रोहित कुमार, डॉ कुमार उज्ज्वल सहित अन्य मौजूद थे।

मंत्री शिल्पी ने किया बेकन फैक्ट्री का निरीक्षण, कहा आधुनिक तकनीक युक्त बनेगा फैक्ट्री

रांची। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कांके के बेकन फैक्ट्री का सोमवार को निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फैक्ट्री के पुनर्जीवन में आ रही तकनीकी और प्रशासनिक अड़चनों की जानकारी ली। विभागीय अधिकारियों के साथ उनके समाधान पर चर्चा की। हैदराबाद स्थित नेशनल मीट रिसर्च इंस्टीरच्यूट (एनएमआरआई) से पहुंचे विशेषज्ञों और इंजीनियरों की टीम के साथ मंत्री ने फैक्ट्री की तकनीकी स्थिति, आवश्यक सुधार, आधुनिक सुविधाओं और भविष्य की कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि बेकन फैक्ट्री केवल पुराना औद्योगिक संस्थान नहीं, बल्कि झारखंड के कृषि और पशुपालन क्षेत्र से जुड़ी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक विरासत है। सरकार का लक्ष्य सिर्फ फैक्ट्री को दोबारा शुरू करना नहीं, बल्कि इसे आधुनिक, तकनीकी रूप से सक्षम और दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ संस्थान के रूप में विकसित करना है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और ऐतिहासिक विरासत के संगम से बेकन फैक्ट्री को फिर से विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके पुनर्जीवन से किसानों और पशुपालकों के लिए नए अवसर पैदा होने और पशुपालन आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

झारखंड में सामान्य से एक प्रतिशत कम बारिश, पश्चिमी सिंहभूम में सबसे अधिक और पाकुड़ में सबसे कम

रांची। झारखंड में इस मानसून सीजन में 1 जून से 28 सितंबर तक 1001.1 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। यह सामान्य बारिश से करीब एक प्रतिशत कम है। राज्य में पश्चिमी सिंहभूम में सबसे अधिक और पाकुड़ में सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। पश्चिमी सिंहभूम में सामान्य 993.3 मिलीमीटर के मुकाबले 1476 मिलीमीटर बारिश हुई है। वहीं पाकुड़ में सामान्य 1202.3 मिलीमीटर के मुकाबले महज 584.6 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा धनबाद में 1105.7, दुमका में 1005.7, पूर्वी सिंहभूम में 1233, जामताड़ा में 1101, खूंटी में 1139.6, लातेहार में 1155.5, लोहरदगा में 1055.7, रामगढ़ में 1040.4, रांची में 1211.6, सरायकेला में 1220.3 और सिमडेगा में 1308.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राज्य के कई जिलों में बारिश सामान्य से काफी कम रही। देवघर में 709 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 28 प्रतिशत कम है। चतरा में 606.7 मिलीमीटर (35 प्रतिशत कम), गढ़वा में 693.8 मिलीमीटर (23 प्रतिशत कम), गुमला में 780.3 मिलीमीटर (26 प्रतिशत कम), कोडरमा में 695.5 मिलीमीटर (21 प्रतिशत कम), पलामू में 678.4 मिलीमीटर (20 प्रतिशत कम) और साहिबगंज में 758.4 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 36 प्रतिशत कम है। पिछले 24 घंटों में राज्य में सबसे अधिक 11 मिलीमीटर बारिश सिमडेगा के बानो में रिकॉर्ड की गई। दिनभर धूप के कारण गर्मी और उमस महसूस की गई। रांची में अधिकतम तापमान 29.3 और न्यूनतम 20.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अन्य प्रमुख शहरों में जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 33.7 और न्यूनतम 24.2 डिग्री, डाल्टनगंज में 32.6 और 23.7 डिग्री, बोकारो में 31.1 और 23.1 डिग्री तथा चाईबासा में 33.4 और 23.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सड़क किनारे यत्र तत्र वाहन लगाने, अवैध पार्किंग के विरुद्ध सघन जांच चलाकर कार्रवाई करे : डीसी

साहिबगंज।संवाददाता। एनआईसी कक्ष में सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डीसी दीपक दुबे की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें डीसी ने कहा कि साहिबगंज, राजमहल एवं बरहरवा पुलिस अनुमंडल क्षेत्र में अवैध पार्किंग के विरुद्ध सघन जांच एवं कार्रवाई करे, नो-एंट्री का कड़ाई से अनुपालन तथा ओवरलोड एवं ओवरस्पीडिंग वाहनों की नियमित जांच ओर सड़क किनारे यत्र तत्र वाहन लगाने वाले को वाहन उपयुक्त स्थान में लगाने के निर्देश दिए। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में बैरिकेडिंग, क्रैश बैरियर एवं साइन बोर्ड लगाने, सड़क किनारे झाड़ियों की कटाई तथा हिट एंड रन के लंबित मुआवजा मामलों का 15 दिनों में निष्पादन करने का सख्त निर्देश दिए। मौके पर आईटीडीए निदेशक संजय कुमार दास, सदर एसडीओ अमर जॉन आइंद, एसडीपीओ सदर सुशील कुमार, राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी, बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल, बीडीओ, थाना प्रभारी उपस्थित थे।

पोषण माह के तहत आंगनबाड़ी सहायिओं ने लगाया व्यंजन प्रदर्शनी

- विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजनों का किया प्रदर्शन, फास्ट फूड व जंक फूड से दूर रहने का दिया संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला। बाल विकास परियोजना कार्यालय में सोमवार को पोषण माह के तहत पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों से पहुंचीं आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिओं ने भाग लिया। इस दौरान सेविकाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के पौष्टिक एवं स्थानीय व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई।

कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों एवं अभिभावकों को पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही फास्ट फूड एवं जंक फूड के अधिक सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति भी जागरूक किया गया। सेविकाओं ने बताया कि बच्चों के बेहतर शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार बेहद जरूरी है।कार्यक्रम के दौरान पोषण और स्वस्थ खान-पान को लेकर लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया गया।कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी रीना गुप्ता सहित महिला पर्यवेक्षिकाए विमला कुमारी, कुमारी किरण कुमारी,चित्रलेखा कुमारी एवं आंगनबाड़ी सेविकाएं-सहायिकाएं उपस्थित रहीं। इस दौरान सीमा कुमारी, सविता कुमारी, पूजन कुमारी, नीलम कुमारी, सुजाता कुमारी, पूनम कुमारी, रीना कुमारी सहित अन्य सेविका-सहायिकाएं मौजूद थे।

सदर अस्पताल रांची में विश्व रेबीज दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। विश्व रेबीज जागरूकता दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल रांची में सोमवार को रेबीज की रोकथाम और बचाव को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों और चिकित्सकों ने पशु के काटने या खरोंचने के बाद तत्काल उपचार, घाव की सफाई और समय पर एंटी-रेबीज टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ अमरेंद्र प्रसाद ने कहा कि पशु के काटने या खरोंचने के बाद शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। घाव को तुरंत साबुन और बहते पानी से करीब 15 मिनट तक अच्छी तरह धोने के बाद बिना देरी किए स्वास्थ्य केंद्र पहुंचना चाहिए। डॉ प्रवीण कर्ण ने बताया कि 22 से 28 सितंबर 2026 तक विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक रेबीज से होने वाली मौतों को समाप्त करने के लिए वन हेल्थ दृष्टिकोण के तहत स्वास्थ्य, पशुपालन, प्रशासन और समुदाय को मिलकर काम करना होगा। मौके पर कई चिकित्सकों ने पालतू पशुओं का नियमित टीकाकरण कराने और पशु के काटने पर घरेलू उपचार के बजाय तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय रेबीज कंट्रोल प्रोग्राम के राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ प्रभात कुमार, सिविल सर्जन रांची डॉ अमरेंद्र प्रसाद, राज्य नोडल पदाधिकारी आईईसी डॉ राहुल किशोर, राज्य महामारी रोग विशेषज्ञ डॉ प्रवीण कर्ण, रिम्स के चिकित्सक सहित अन्य मौजूद थे।

विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय जागरूकता रैली का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर आज दिनांक 28 सितंबर 2026 को सिविल सर्जन, साहिबगंज की अध्यक्षता में जिला स्तरीय रेबीज जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC), सदर प्रखंड परिसर से किया गया तथा रैली गांधी चौक तक निकाली गई।सदर प्रखंड की सहिया, स्वास्थ्य कर्मी, शहरी क्षेत्र की ANM, MO एवं सहिया, प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य टीम, जिला स्तरीय टीम, MO, DRCHO सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी तथा विद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के दौरान प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न जन-जागरूकता नारों एवं संदेशों के माध्यम से आमजनों को रेबीज से बचाव एवं समय पर उपचार के प्रति जागरूक किया गया। प्रमुख स्लोगन इस प्रकार रहे—
कुत्ता काटे तो घबराएँ नहीं, तुरंत अस्पताल जाएँ।"
"रेबीज से बचाव आसान, समय पर लें सही उपचार।"
"कुत्ते के काटने पर देरी नहीं, इलाज में कोई लापरवाही नहीं। रेबीज जानलेवा बीमारी है, समय पर वैक्सीन जरूरी है।

"काटने पर झाड़-फूंक नहीं, अस्पताल जाना सही।
"रेबीज से बचना है, समय पर टीका लगवाना है।"
"हर कुत्ते को टीका लगाएँ, रेबीज मुक्त समाज बनाएँ।"
"जागरूक बनें, रेबीज को रोकें।"
"समय पर इलाज, रेबीज से बचाव।"
रैली के गांधी चौक पहुंचने के पश्चात डॉ. राजेश द्वारा रेबीज की रोकथाम, कुत्ते या अन्य संदिग्ध पशु के काटने के बाद तत्काल किए जाने वाले उपाय, घाव को साबुन एवं बहते पानी से अच्छी तरह धोने, समय पर Anti-Rabies Vaccine (ARV) लेने तथा झाड़-फूंक के बजाय तुरंत स्वास्थ्य संस्थान पहुंचने के संबंध में आमजनों को विस्तृत जानकारी दी गई।

सड़क जाम रहने से स्कूली बच्चे हुए परेशान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला। एनएच 23 के रजरप्पा चौक से डीवीसी चौक तक सोमवार की दोपहर लंबा सड़क जाम हो गया।जाम से सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल से घर आने वाले बच्चों को उठाना पड़ा।जाम के कारण बच्चों को करीब एक घंटे तक फंसे रहना पड़ गया।बच्चे भूखे प्यासे स्कूल वैन के अंदर ही बैठे रहे।इतना ही नहीं जाम से नकटीगढ़ा से लेकर मठवाटॉड तक वाहनों की लंबी कतार लग गई।बताया जाता है कि जाम की स्थिति यहां आम हो गई है।लेकिन स्थानीय प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं देती हैं।जबकि प्रशासन द्वारा डीवीसी चौक में जाम से मुक्ति दिलाने के लिए कई पुलिस के जवान तैनात किया गया है।इसके बाद भी रोजाना जाम लग रहा है।इसके बाद भी इसमें कोई सुधार देखने को नहीं मिल रहा है।इस दौरान स्कूली बच्चों ने बताया कि उसका स्कूल समय पर छुट्टी हो जाता हैं।इसके बावजूद वे कभी भी समय पर घर नहीं पहुंच पाता है।वही इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को भी बेवजह झमेला झेलना पड़ता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि जब भी कोई वीआईपी इस मार्ग से होकर गुजरते हैं तो पुलिस पूरी तरह एक्टिव मोड पर दिखाई देता है।लेकिन आम लोगों से प्रशासन का कोई लेना देना नहीं है।

52 दिनों से बिजली गुल, 35-40 घर अंधेरे में,16 केवी का ट्रांसफॉर्मर जलने के बाद नहीं हुई मरम्मत, 63 केवी ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। राजमहल प्रखंड की घाटजमनी पंचायत अंतर्गत घाटसेलमपुर गांव में पिछले 52 दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित है। गांव में लगा 16 केवी का ट्रांसफॉर्मर जल जाने के बाद अब तक उसे बदला नहीं गया है। इससे करीब 35-40 घरों के लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। सोमवार को ग्रामीणों ने जले ट्रांसफॉर्मर के पास खड़े होकर बिजली विभाग के प्रति नाराजगी जतायी और जल्द बिजली बहाल करने की मांग की।

16 अगस्त से बंद है बिजली- ग्रामीणों के अनुसार, 16 अगस्त को सुबह करीब 11 बजे अचानक गांव की बिजली आपूर्ति बंद हो गयी। सूचना मिलने पर बिजली विभाग के मिस्त्री मौके पर पहुंचे और जांच के बाद ट्रांसफॉर्मर जलने की जानकारी दी। इसके बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग के प्रमंडल कार्यालय में लिखित आवेदन देकर समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है।

63 केवी ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग- ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बिजली के तार भी काफी जर्जर हो चुके हैं। उपभोक्ताओं की संख्या और बिजली का लोड बढ़ने के कारण ग्रामीणों ने 16 केवी की जगह 63 केवी का ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया।

बच्चों की पढ़ाई और पेयजल व्यवस्था प्रभावित- बिजली नहीं रहने से गांव के लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। बच्चों को रात में मोमबत्ती और लालटेन के सहारे पढ़ाई करनी पड़ रही है। पंखा, फ्रिज, टीवी समेत अन्य विद्युत उपकरण बंद पड़े हैं। पानी का मोटर नहीं चलने के कारण पेयजल की समस्या भी बढ़ गयी है। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश और बाढ़ का पानी आसपास जमा है। रात में बिजली नहीं रहने से पूरा गांव अंधेरे में डूब जाता है। ऐसे में आवागमन के दौरान सांप-बिच्छू का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीण संतोष मंडल, वार्ड सदस्य संजय मंडल, गिरधारी मंडल, झंकन मंडल, दिलीप मंडल, घिसु मंडल, राजेश मंडल, नरेश मंडल, बहादुर मंडल, लालू वेवा, मंजू देवी, सुजाता देवी, गुलोदा देवी और अंजू देवी समेत अन्य ग्रामीणों ने जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। इस संबंध में बिजली विभाग के जेई नील गगन ने कहा कि ट्रांसफॉर्मर जलने की सूचना मिली है। जल्द ही नया ट्रांसफॉर्मर लगाकर गांव में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

महुआ माजी के प्रयास से युवक के शव लाने के प्रयास में आई तेजी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी के प्रयास से वियतनाम में बाइक की दुर्घटना में जान गवाने वाले रांची के कैलाश नगर, चुना भट्ठा निवासी राजा कुमार वर्मा के शव को लाने की प्रक्रिया तेज हुई। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता नंद किशोर सिंह चंदेल ने सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजनों और वार्ड 27 की पार्षद बबली सोनी ने राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी से टेलीफोन पर संपर्क कर मामले की जानकारी दी। इसके बाद सांसद डॉ महुआ माजी ने तत्काल रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री सहित संबंधित पदाधिकारियों से फोन पर वार्ता कर शव को रांची स्थित उनके आवास तक लाने की आवश्यक व्यवस्था करने को कहा। इस दौरान पार्षद बबली सोनी ने सांसद को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। सांसद ने संबंधित पदाधिकारी से फोन पर बात की और मृतक की मां से भी उनकी वार्ता कराई। उन्होंने आश्वासन दिया कि शव को जल्द से जल्द रांची लाने के लिए राज्य सरकार की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नियमानुसार पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। महुआ माजी ने मृतक के परिजनों को भरोसा दिलाया कि दुख की इस घड़ी में वह उनके साथ खड़ी हैं।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर रांची में कांग्रेस का प्रदर्शन, निर्वाचन आयोग कार्यालय का घेराव

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने की प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत रांची में प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुराना विधानसभा परिसर से जुलूस निकाला और निर्वाचन आयोग के कार्यालय का घेराव किया। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। रांची के अलावा झारखंड के अन्य जिला मुख्यालयों पर भी पार्टी की ओर से प्रदर्शन किए गए। कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में पार्टी के झंडे और तख्तियां लेकर निर्वाचन आयोग के खिलाफ नारे लगाते हुए धुर्वा स्थित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय पहुंचे। यहां जुलूस सभा में तब्दील हो गया। प्रदर्शन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सहित अन्य के पुतले का दहन किया गया। इसके बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली, एसआईआर और मतदाता सूची में किए जा रहे बदलावों की स्वतंत्र समीक्षा की मांग की गई।

निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था लोकतंत्र की सबसे मजबूत बुनियाद : मरावी- कांग्रेस के सह प्रभारी भूपेंद्र मरावी ने कहा कि निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव व्यवस्था लोकतंत्र की सबसे मजबूत बुनियाद है। उन्होंने कहा कि यदि मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया को लेकर लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं तो निर्वाचन आयोग को उनका स्पष्ट जवाब देना चाहिए। मरावी ने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है।

मतदाता सूची और चुनावी पारदर्शिता पर उठ रहे सवालों का जवाब जरूरी : कमलेश- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया तथा चुनावी पारदर्शिता को लेकर विपक्षी दलों और आम लोगों की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि इससे निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता को लेकर उठ रहे सवालों की निष्पक्ष जांच का रास्ता साफ होगा। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव केवल मतदान कराने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक को बिना भेदभाव अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने का समान अवसर मिलना भी जरूरी है। विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र का बुनियादी दस्तावेज है और उसमें किसी भी तरह की अनियमितता नागरिक के मताधिकार को प्रभावित कर सकती है। प्रदेश के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि मतदाता के अधिकार से जुड़ा कोई भी विषय पारदर्शिता और जवाबदेही से बाहर नहीं हो सकता। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न हो। कार्यक्रम को पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू ने भी संबोधित किया। प्रदर्शन में बंधु तिर्की, शहजादा अनवर, केएन त्रिपाठी, सतीश पॉल मुंजनी, राकेश सिन्हा, रविन्द्र सिंह, जयशंकर पाठक, गुंजन सिंह, रमा खलखो, प्रदीप तुलस्यान, डॉ. राजेश गुप्ता छोटू, आलोक कुमार दूबे, लाल प्रेम प्रकाशनाथ शाहदेव, सूर्यकांत शुक्ला, सुनीत शर्मा, लाल किशोर नाथ शाहदेव, सुरेंद्र सिंह, राकेश किरण महतो, शशि भूषण राय, ज्योति सिंह मथारू, रियाज अंसारी, सोमनाथ मुंडा, सुलतान अहमद, मंजूर अंसारी, राजन वर्मा, डॉ. एम. तौसीफ, कुमार गौरव और सोनल शांति सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

संपादकीय
दृष्टिकोण
— संपादक : पूर्णेन्दु पुष्पेश —

भारत अब सिर्फ खरीदार नहीं, बदल रहा अपना किरदार

कभी भारत की चर्चा होती थी तो दो बातें सबसे पहले सामने आती थीं- 'बड़ी आबादी और बड़ा बाजार'। यानी दुनिया के लिए भारत एक ऐसा देश था जहां बहुत सारे ग्राहक हैं। लेकिन तस्वीर अब बदल रही है। भारत धीरे-धीरे उस देश में बदल रहा है जहां दुनिया सिर्फ अपना सामान बेचने नहीं, बल्कि बनाने, शोध करने, तकनीक विकसित करने और अपना कारोबार चलाने भी आ रही है। यही बदलाव भारत की नई औद्योगिक कहानी है।

आंकड़े इसकी तस्वीर साफ करते हैं। देश में डेटा सेंटर की क्षमता 2020 में करीब 375 मेगावाट थी, जो 2025 तक लगभग 1,500 मेगावाट पहुंच गई। इसका मतलब है कि भारत केवल डिजिटल सेवाओं का बड़ा उपभोक्ता नहीं, बल्कि दुनिया के डिजिटल कारोबार के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा भी तैयार कर रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड और डिजिटल सेवाओं की बढ़ती जरूरत इस बदलाव को और तेज कर रही है।

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर यानी GCC इस बदलाव की दूसरी बड़ी कहानी हैं। भारत में ऐसे 1,700 से ज्यादा केंद्र काम कर रहे हैं और इनमें 19 लाख से अधिक पेशेवर जुड़े हैं। यहां अब केवल बैक ऑफिस का काम नहीं होता। उत्पाद विकास, साइबर सुरक्षा, इंजीनियरिंग, डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे काम भी भारत से हो रहे हैं। सीधी बात है—दुनिया की कंपनियां भारत में केवल काम करवाने नहीं, अपनी अगली तकनीक तैयार करने भी आ रही हैं।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी यही बदलाव दिखाई देता है। अप्रैल 2026 तक भारत में करीब 1.6 लाख करोड़ रुपये के निवेश वाली 10 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी थी। दूसरी ओर, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 2014-15 के करीब 1.9 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में लगभग 12 लाख करोड़ रुपये हो गया। मोबाइल फोन का निर्यात भी करीब 1,500 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। ये आंकड़े बताते हैं कि भारत असेंबली से आगे बढ़कर इलेक्ट्रॉनिक्स की पूरी आपूर्ति श्रृंखला में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहा है।

अंतरिक्ष क्षेत्र भी बदल रहा है। कभी यह लगभग पूरी तरह सरकारी क्षेत्र था। अब भारत में 450 से ज्यादा अंतरिक्ष स्टार्टअप काम कर रहे हैं। लॉन्च व्हीकल से लेकर सैटेलाइट और अंतरिक्ष आधारित सेवाओं तक निजी कंपनियां आगे आ रही हैं। इसी तरह सौर ऊर्जा में भी क्षमता लगातार बढ़ रही है। जुलाई 2026 तक देश की स्थापित सौर क्षमता करीब 164.59 गीगावाट पहुंच चुकी थी। यानी आने वाले उद्योगों के लिए ऊर्जा और तकनीक—दोनों मोर्चों पर भारत अपनी क्षमता बढ़ा रहा है।सरकार

लेकिन इन आंकड़ों से उत्साहित होने के साथ एक सवाल पूछना भी जरूरी है। निवेश कितना आया, यह महत्वपूर्ण है; लेकिन उससे भारत को मिला क्या, यह उससे भी महत्वपूर्ण है। कितने रोजगार बने? कितनी तकनीक देश में आई? कितने भारतीय छोटे-बड़े उद्योग इस सप्लाई चेन से जुड़े? कितनी भारतीय कंपनियां वैश्विक बाजार में मजबूत हुईं? अगर इन सवालों के जवाब सकारात्मक हैं, तभी निवेश का असली लाभ दिखाई देगा।

भारत की अगली चुनौती अपनी प्रतिभा को अवसर देना है। जिस देश के युवा कभी बेहतर अवसरों के लिए विदेश जाते थे, उसी देश में अब दुनिया की कंपनियां अवसर लेकर आ रही हैं। यह बदलाव तभी टिकेगा जब भारत में शोध, उद्यम, अच्छे रोजगार और वैश्विक स्तर के करियर लगातार बढ़ें।

भारत के पास बाजार पहले से था। अब उसके साथ प्रतिभा, डिजिटल क्षमता, उत्पादन और तकनीक जुड़ रही है। इसलिए भारत के सामने चुनौती सिर्फ दुनिया का मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की नहीं है। असली मौका इससे बड़ा है -दुनिया के लिए काम करने वाला, सोचने वाला और नई तकनीक बनाने वाला देश बनने का। आने वाले वर्षों में भारत की पहचान इस बात से तय होगी कि दुनिया भारत में कितना बेचती है, उससे ज्यादा इस बात से कि भारत दुनिया के लिए कितना नया बनाता है।

डिजिटल युद्ध के झांसे में युवा वर्ग

सुरेश हिंदुस्तानी

कहा जाता है कि किसी भी व्यक्ति या समाज को उद्देश्य विहीन करने के लिए उसको किसी विषय में ऐसा उलझा दिया जाए, जो उसकी दिशा को बदल दे। आज सोशल मीडिया पर बहुत बड़े पैमाने पर यही खेल चल रहा है। तर्क और कुतर्क के सहारे नैरेटिव गढ़ने का यह प्रयास निश्चित ही देश के लिए घातक ही कहा जाएगा। आज सोशल मीडिया ही नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रचार में भी यह बात गहरे तक दिखाई देती है। समाज को इससे निकलने का प्रयास करना चाहिए, नहीं तो आने वाला समय अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा ही होगा। खास बात यह है कि इस नैरेटिव को युवा वर्ग और समाज के बीच ले जाने का कार्य कुछ राजनीतिक दल के नेता कर रहे हैं। आज नैरेटिव चलाने के लिए डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग भी किया जा रहा है। जो एक प्रकार से युद्ध के रूप ले चुका है। आज सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग समाज में भेद पैदा करने और युवाओं के मानस को भ्रमित करने के लिए किया जा रहा है।

वर्तमान समय में देश में युद्ध का स्वरूप बदल चुका है। इसके साथ ही यह सत्य है कि किसी भी देश को समाप्त करना हो तो वहां की युवा पीढ़ी को गुमराह कर दीजिए। वह देश स्वतः ही समाप्त हो जाएगा। इस खेल वामपंथी ताकतें आग में घी डालने का काम कर रही हैं। युवाओं के मध्य यह नैरेटिव स्थापित करने का खेल इसलिए भी किया जा रहा है, क्योंकि युवाओं का मन एक कोरे कागज की तरह होता है, उसे जो बताया जाएगा, उसी को सत्य मान लेता है। यह खेल युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने जैसा ही है। इसलिए ऐसे किसी भी कृत्य से बहुत सावधान रहने की आवश्यकता है।

यह एक ऐसा युद्ध है, जिसकी कोई सीमा दिखाई नहीं देती। यह युद्ध सूचनाओं, तस्वीरों, वीडियो, सोशल मीडिया पोस्ट और डिजिटल नैरेटिव के माध्यम से लड़ा जा रहा है। किसी देश की छवि को प्रभावित करना, उसकी संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करना और झूठ को इतनी तेजी से फैलाना कि सत्य पीछे छूट जाए। डिजिटल युद्ध की यही सबसे गंभीर चुनौती है। आज सत्य पर प्रहार करने का प्रयास किया जा रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के विस्तार ने इस खतरे को और जटिल बना दिया है। अगर एआई का उपयोग युवाओं को सार्थक दिशा देने के लिए किया जाए तो इसके अपेक्षित परिणाम भी मिल सकते हैं, लेकिन इसके लिए केवल सरकारी प्रयास ही काफ़ी नहीं हैं, समाज के जागरण में सक्रिय संस्थाओं और व्यक्तियों को खुलकर सामने आना होगा।

आज किसी व्यक्ति के चेहरे और आवाज को बदलकर ऐसा वीडियो तैयार किया जा सकता है, जिसमें किसी वास्तविक घटना के साथ झूठा विवरण जोड़कर उसका अर्थ बदला जा सकता है। यही वह बिंदु है जहां सूचना और दुष्प्रचार के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है। हालांकि भारत सरकार ने भी डीपफेक और एआई जनित भ्रामक सामग्री की चुनौती को गंभीरता से लिया है। लेकिन झूठ की ताकत हमारी जल्दबाजी से बढ़ती है। किसी दुष्प्रचार अभियान की सफलता केवल उसे बनाने वाले पर निर्भर नहीं करती। उसकी असली शक्ति उस समाज से आती है, जो बिना जांचे उसे आगे बढ़ाता है। एक सनसनीखेज शीर्षक दिखाई दिया, भावनाएं भड़कीं और व्यक्ति ने बिना स्रोत देखे उसे साझा कर दिया। कुछ ही मिनटों में वह सामग्री हजारों लोगों तक पहुंच जाती है। यहीं नागरिक की जिम्मेदारी शुरू होती है।

आईआईटी संस्थानों में आत्महत्याओं के पीछे असल वजह तलाशनी होगी

मनोज कुमार अग्रवाल

आईआईटी संस्थानों में लगातार बढ़ती आत्महत्याओं और हाल ही में आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की आत्महत्या की घटना ने देश भर में गंभीर चिंता पैदा कर दी है।आपको बता दें कि 18 सितंबर 2026 को आईआईटी बॉम्बे में 22 वर्षीय छात्र साहिल वाकोडे का उनके हॉस्टल के कमरे में शव मिला। परीक्षा के दौरान एक प्रोफेसर द्वारा कथित तौर पर मोबाइल का उपयोग नकल करने के लिए टोके जाने और कॉपी ले लिए जाने के बाद यह घटना सामने आई, जिसके बाद छात्रों ने भारी प्रदर्शन किया। परिवार ने जातिसूचक उत्पीड़न और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है, जिसपर पुलिस ने एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।छात्र के परिवार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। परिवार का दावा था कि उनके पुत्र को लंबे समय से जातिगत भेदभाव और मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा था। पुलिस ने प्राध्यापक सूर्यनारायण दूल्ला सहित कुछ अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध आत्महत्या के लिए उकसाने और एससी-एसटी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की। न्यायालय के फैसले से पहले किसी को दोषी नहीं माना जा सकता है।

सवाल है कि देश के आईआईटी संस्थानों में तेरह हजार से अधिक होनहार पढ़ रहे हैं जातीय आधार पर किसी एक छात्र से ही दुर्व्यवहार कैसे संभव है? एक न्यूज चैनल रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी 2006 से सितंबर 2026 के बीच विभिन्न आईआईटी परिसरों में लगभग 171 से 173 छात्रों की असमय/आत्महत्या से मौतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से लगभग 70 प्रतिशत मामले पिछले एक दशक में सामने आए हैं।इनमें बड़ी तादाद में सवर्ण छात्र भी शामिल है इस लिए भी जातिगत भेदभाव के आरोप सही नहीं है। आरटीआई और अन्य आधिकारिक सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2006 से सितंबर 2026 के बीच आईआईटी परिसरों में 140 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है। जब कि पिछले पांच सालों में देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी में 70 होनहारों ने आत्महत्या की। गंभीर चिंता यह भी कि जुलाई से शुरू हुए सत्र में अब तक आईआईटी के तीन और आईआईएम का एक छात्र आत्महत्या कर चुका है। वहीं आईआईएससी बंगलूरु में भी पंद्रह दिन में दो छात्रों ने आत्मघात किया है। विडंबना यह है कि इन आंकड़ों में देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के आत्मघात के मामले शामिल नहीं किए जाते हैं। जिससे देश में आत्महत्या करने वाले छात्रों की वास्तविक तस्वीर सामने नहीं आ पाती। यह अकल्पनीय है कि जिन इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिला लेना छात्रों का सपना होता है, वहां पहुंचकर कोई छात्र आत्महत्या क्यों कर लेता है? विचारणीय प्रश्न है कि आखिर ये छात्र आत्मघाती कदम क्यों उठा रहे हैं? क्या वे इंजीनियरिंग आदि के पाठ्यक्रम के साथ साम्य नहीं बैठा पाते? क्या सिस्टम की खामियां उन्हें हताश करती हैं? क्या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आए हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के छात्र अंग्रेजी के पाठ्यक्रम के साथ तालमेल नहीं बैठा पाते हैं? अक्सर चर्चा होती है कि उच्च इंजीनियरिंग संस्थानों में देश के चर्चित व महंगे अंग्रेजी स्कूलों से आए छात्रों द्वारा भाषा,जाति, ग्रामीण पृष्ठभूमि तथा आर्थिक स्तर पर अन्य छात्रों के साथ भेदभाव किया जाता है। आरोप है कि अंग्रेजी माध्यम से आये छात्र हिंदी व क्षेत्रीय भाषाओं से पढ़ाई करके आए छात्रों को हेय दृष्टि से देखते हैं। आरोप तो यहां तक हैं कि कुछ शिक्षक भी ऐसे छात्रों के प्रति दुराग्रह रखते हैं। कमोबेश ऐसी चिंताएं ग्रामीण पृष्ठभूमि व वंचित समाज से आए छात्रों को लेकर भी सामने आती हैं। नये छात्रों को परिसर तथा छात्रावासों में भेदभाव जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। फलतः इन छात्रों का आत्मविश्वास डिगता है। कालांतर वे अपनी कक्षाओं की पढ़ाई के साथ साम्य नहीं बना पाते व हताशा में आत्मघात की राह चुनते हैं। इंजीनियरिंग व प्रबंधन से जुड़े देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घातक प्रवृत्ति के मद्देनजर सरकार ने मामले की पड़ताल के लिए पिछली जनवरी में तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। इस समिति ने भी स्वीकार किया था कि व्यवस्था में कुछ खामियां जरूर हैं, जिसके चलते छात्र आत्मघात के लिये बाध्य होते हैं। दरअसल, कुछ छात्र शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक, आर्थिक व पारिवारिक आकांक्षाओं के बोझ के साथ अध्ययन कर रहे होते हैं। जिससे उनके मन में यह भय पैदा हो जाता है कि क्या वे अपने जीवन के लक्ष्य हासिल भी कर पाएंगे? बड़ी संख्या में मध्यमवर्गीय, गरीब परिवारों व वंचित समाज की प्रतिभाएं खून-पसीना एक करके इन संस्थानों में दाखिला लेती हैं। उन पर मानसिक दबाव होता है कि परिवार ने पेट काटकर और कर्ज आदि लेकर उन्हें महंगे इंजीनियरिंग व प्रबंधन संस्थानों में दाखिला दिलाया है। यदि वे असफल हुए तो परिवार को क्या मुंह दिखाएंगे? दूसरा, हमारे समाज में इंजीनियर, प्रबंधक व डॉक्टर बनने की भेड़चाल चल रही होती है। ईश्वर हर बच्चे की रचना उसके विशिष्ट गुण के साथ करता है। जरूरी नहीं है कि इंजीनियरिंग में दाखिला लेने वाले हर छात्र की रुचि इंजीनियरिंग में ही हो। कोई छात्र मानविकीय संकाय की प्रतिभा हो सकता है। इंजीनियरिंग, उसकी रुचि व मन का विषय नहीं हो सकता, जिसके चलते वो पूरे मनोयोग से इस पाठ्यक्रम से साम्य नहीं बैठा पाता। आज सोशल मीडिया की विकृतियां तमाम छात्रों की एकाग्रता को बाधित कर रही हैं। सोशल मीडिया उनमें हताशा व आवेश भर रहा है। नये वातावरण से साम्य न बैठा पाने व अन्य कारणों से छात्र मानसिक तनाव में आ जाते हैं। विडंबना यह है कि अधिकांश संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ नहीं हैं। बताया जाता है कि केवल दस फीसदी संस्थानों में ऐसी व्यवस्था है। अन्य संस्थानों में जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों को बुलाया जाता है। निश्चित ही देश की इन प्रतिभाओं को असमय काल-कवलित होने से बचाने की सख्त जरूरत है।

आंकड़ों के अनुसार, आत्महत्या के लगभग 61% मामलों के पीछे मुख्य वजह अकादमिक तनाव है। संस्थानों में ग्रेड, रैंक और सीजीपीए को ही सफलता का एकमात्र पैमाना मान लिया जाता है, जिससे छात्र खुद को एक अंतहीन दौड़ में फंसा हुआ पाते हैं।लगभग 12% मामले जॉब की अनिश्चितता और प्लेसमेंट के भारी मानसिक तनाव से जुड़े होते हैं।

हालिया आईआईटी बॉम्बे की घटना और पूर्व के मामलों में भी कैंपस के भीतर एससी , एसटी और ओबीसी छात्रों के साथ कथित भेदभाव और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगे हैं। आंकड़ों के अनुसार, कुल आत्महत्या के मामलों में 55% से अधिक छात्र इन्हीं आरक्षित वर्गों से आते हैं। देश के 65% उच्च शिक्षण संस्थानों में पर्याप्त मानसिक स्वास्थ्य प्रदाताओं की भारी कमी है। देश के 23 आईआईटी सहित 31 केंद्रीय संस्थानों के पास छात्रों के तनाव को समय रहते पहचानने (सक्रिय स्क्रीनिंग) की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। देश के सबसे कठिन एग्जाम को क्रैक करने के बाद जब छात्र कैंपस आते हैं, तो उन पर परिवार और समाज की उच्च आकांक्षाओं का भारी बोझ होता है। लोकतांत्रिक समाज ठोस प्रमाणों और तथ्यों पर विश्वास करता है। पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए और आरोपित को निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार मिलना चाहिए। पुलिस की जांच स्वतंत्र होनी चाहिए और समाज को धैर्यपूर्वक सत्य के सामने आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए।निराशा और हताशा में आईआईटी के निदेशक अथवा प्राध्यापकों पर जातिवाद का आरोप लगाना समाज और संस्थान में विद्वेष और घृणा की विषबेल रोपने जैसा है इस से बचना चाहिए।

सूक्ति

"सपना वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपना वो है जो हमें सोने नहीं देता।" — डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

"यदि आप किसी ऐसी चीज को पाना चाहते हैं जो आपके पास कभी नहीं थी, तो आपको कुछ ऐसा करना होगा जो आपने कभी नहीं किया।" — थॉमस जेफरसन

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः आश्विन माह महीने के कृष्ण पक्ष की तृतीया (शाम 05:10 बजे तक, इसके बाद चतुर्थी तिथि) (अभिजित मुहूर्त): सुबह 11:48 बजे से दोपहर 12:35 बजे तक। अमृत काल (शुभ समय): सुबह 07:57 बजे से सुबह 09:29 बजे तक। ब्रह्म मुहूर्तः सुबह 04:40 बजे से सुबह 05:28 बजे तक।

आज जन्म लिए बालक का फल...

मेष राशि का स्वामी मंगल ग्रह होता है। बच्चा साहसी, ऊर्जावान, निडर और नेतृत्व क्षमता से भरपूर होगा। भरणी नक्षत्र का स्वामी 'शुक्र' ग्रह होता है। प्रभाव से बच्चा कलात्मक, रचनात्मक, आकर्षक व्यक्तित्व वाला और जीवन में भौतिक सुख-सुविधाएं प्राप्त करने वाला होगा।

मेष राशिः आज दिन अच्छा रहेगा, अधिकारियों से व्यवहार में सावधानी रखें और धन लाभ मिलेगा।

वृष राशिः दिन खुशनुमा रहेगा, व्यर्थ के काम न करें और रुका काम शुरू करें।

मिथुन राशिः मेहनत का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा, कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

कर्क राशिः आज एनर्जेटिक महसूस करेंगे, संयम से काम करने पर बिगड़े काम बनेंगे।

सिंह राशिः आज परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा, व्यापारियों को बड़ा लाभ होगा।

कन्या राशिः खुशियों से भरा दिन रहेगा, आप हर काम समय पर पूरा करेंगे।

तुला राशिः आज काम आसानी से पूरे होंगे, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वृश्चिक राशिः आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे, व्यापारियों को फायदा हो सकता है।

धनु राशिः घर से बिजनेस शुरू करने वाली महिलाओं और सिंगर्स के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर राशिः लम्बे समय से रुका काम पूरा होगा जिससे स्थिति में सुधार आएगा।

कुम्भ राशिः राजनीति और आर्किटेक्चर से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है।

मीन राशिः व्यापारी वर्ग को फायदा हो सकता है, किस्मत का साथ मिलेगा।

लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए गंभीर चिंता का विषय

सौरभ वार्ष्णेय

चुनाव आयोग के फैसलों पर 14 बार लिखित आपत्ति की अनदेखी का मतलब है कि केंद्रीय चुनाव आयोग में सब कुछ सही नहीं चल रहा है। लोकतंत्र केवल चुनाव कराने की प्रक्रिया का नाम नहीं है। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इस बात से तय होती है कि चुनाव कितने पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय तरीके से कराए जाते हैं। ऐसे में चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के भीतर उठने वाली किसी भी असहमति को महज प्रशासनिक प्रक्रिया मानकर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। मतदाता सूची से जुड़े फैसलों पर चुनाव आयोग के दो आयुक्तों की ओर से बार-बार यानी १४ बार लिखित आपत्ति दर्ज किए जाने की खबर ने इसी कारण गंभीर सवाल खड़े किए हैं। राजनीतिज्ञों को भी सोचने को मजबूर कर दिया है कि इसका हल कैसे निकाले ? वहीं ऐसी बातों से मतदाताओं के बीच भी लोकतंत्र की इस संवैधानिक संस्था के प्रति सोचना पड़ता है। यह ऐसे संस्था है कि जहां कुछ भी हो तुरंत प्रभावी कार्य हो जिससे पारदर्शिता सबके सामने आये।

देश के प्रतिष्ठित अखबार में प्रकाशित एक रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद देश में राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले करीब दस महीनों में आयोग के विभिन्न फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कराईं। बताया गया है कि इन आपत्तियों का संबंध केवल तकनीकी या प्रक्रियागत विषयों तक सीमित नहीं था, बल्कि मतदाता सूची में नाम जोडऩे और हटाने, फॉर्म-6 में बदलाव, मतदाता डेटा के केंद्रीकरण तथा चुनावी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली तक अधिकारियों की पहुंच जैसे संवेदनशील मुद्दों से था। यहां मूल चिंता यह नहीं है कि किसी संवैधानिक संस्था में अलग-अलग राय क्यों सामने आईं। लोकतांत्रिक संस्थाओं में असहमति अपने आप में कोई कमजोरी नहीं है। बल्कि स्वस्थ संस्थागत व्यवस्था में अलग राय रखना और उसे रिकॉर्ड पर दर्ज करना एक आवश्यक प्रक्रिया मानी जाती है। चिंता तब पैदा होती है जब यह सवाल उठे कि क्या उन आपत्तियों पर पर्याप्त विचार किया गया और क्या निर्णय प्रक्रिया वास्तव में सभी संबंधित सदस्यों की भागीदारी से आगे बढ़ी?

चुनाव आयोग तीन सदस्यीय संवैधानिक संस्था है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी इसके सदस्य हैं। यदि दो सदस्यों की ओर से महत्वपूर्ण मामलों में बार-बार लिखित आपत्तियां दर्ज की गई हैं, तो इन आपत्तियों की प्रकृति, उनका निस्तारण और अंतिम निर्णय तक पहुंचने की प्रक्रिया सार्वजनिक विमर्श का विषय बनना स्वाभाविक है। विशेष रूप से मतदाता सूची का मामला अत्यंत संवेदनशील है। मतदाता सूची केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं होती। यही वह आधार है जो तय करती है कि चुनाव के दिन कौन नागरिक अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेगा। इसलिए मतदाता सूची में किसी नाम का जुडऩा, हटना या बहाल होना सीधे तौर पर नागरिक के लोकतांत्रिक अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर सामने आई आपत्ति इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। फॉर्म-6 नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला वैधानिक फॉर्म है। रिपोर्ट के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान इसमें ऐसा घोषणा-पत्र जोड़ा गया, जिसमें आवेदक से यह बताने को कहा गया कि उसका या उसके माता-पिता अथवा दादा-दादी का नाम पिछली मतदाता सूची में था या नहीं। यदि किसी प्रक्रिया में इस तरह का महत्वपूर्ण बदलाव किया जा रहा हो और उससे पहले आयोग के ही दो सदस्यों की आपत्ति सामने आई हो, तो यह जानना जरूरी हो जाता है कि उस आपत्ति पर क्या विचार हुआ और बदलाव का अंतिम आधार क्या था।

मामला केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित नहीं है। मतदाता सूची के डिजिटल प्रबंधन को लेकर भी सवाल उठे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुछ राज्यों में स्थानीय स्तर के निर्वाचन अधिकारियों की मतदाता डेटा से जुड़े फैसलों को सिस्टम में दर्ज करने की क्षमता प्रभावित हुई। पश्चिम बंगाल में कुछ ऐसे मामलों का भी उल्लेख है, जहां दस्तावेजों की जांच के बाद लोग पात्र पाए गए, लेकिन सॉफ्टवेयर में उनके नाम जोडऩे की प्रक्रिया को लेकर तकनीकी बाधाएं सामने आईं। गोवा में 97 पात्र मतदाताओं का मामला भी इसी तरह की तकनीकी समस्या से जुड़ा बताया गया है। यह स्थिति एक बुनियादी सवाल खड़ा करती है कि चुनावी प्रक्रिया में अंतिम निर्णय किसका होगा, मैदानी स्तर पर काम कर रहा निर्वाचन अधिकारी या केंद्रीकृत डिजिटल सिस्टम ? तकनीक चुनावी प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने का माध्यम हो सकती है, लेकिन वह लोकतांत्रिक निर्णय का विकल्प नहीं बन सकती। किसी तकनीकी प्रणाली में हुई त्रुटि के कारण यदि पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल नहीं हो पाता, तो इसका सीधा असर उसके मताधिकार पर पड़ सकता है। हालांकि, इस पूरे विवाद का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। चुनाव आयोग ने रिपोर्ट में बताए गए कथित आंतरिक मतभेद के निष्कर्ष को खारिज किया है। आयोग का कहना है कि सदस्यों की ओर से नोटिंग, टिप्पणियां, सुझाव और अलग-अलग राय देना सामान्य संस्थागत प्रक्रिया का हिस्सा है। आयोग के अनुसार, अनुच्छेद 324, वैधानिक नियमों और स्थापित प्रक्रियाओं के तहत विचार-विमर्श के बाद अंतिम फैसले लिए जाते हैं और एसआईआर सहित महत्वपूर्ण निर्णय तीनों आयुक्तों की मंजूरी से हुए हैं। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि लिखित आपत्तियां अपने आप में आयोग के भीतर किसी निर्णायक विभाजन का प्रमाण हैं। लेकिन यह भी उतना ही सही है कि ऐसी आपत्तियों को पूरी तरह सामान्य प्रशासनिक टिप्पणी कहकर सार्वजनिक चिंता को समाप्त नहीं किया जा सकता। यदि 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज हुई हैं, तो लोकतांत्रिक पारदर्शिता की मांग यही होगी कि कम से कम यह स्पष्ट किया जाए कि किन मुद्दों पर असहमति थी, उन पर क्या विचार हुआ और अंतिम निर्णय किस प्रक्रिया के तहत लिया गया। विपक्ष ने इन घटनाओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग की है, जबकि राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई और विशेष गहन पुनरीक्षण रोकने की मांग उठाई है। राहुल गांधी ने भी मतदाता सूची से जुड़े मुद्दे को लोकतांत्रिक अधिकारों और संविधान से जोड़ा है। इन राजनीतिक दावों की अपनी राजनीतिक पृष्ठभूमि है, इसलिए इनका मूल्यांकन स्वतंत्र तथ्यों और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। असल चुनौती किसी एक व्यक्ति या राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि चुनावी संस्थाओं पर जनता के भरोसे की है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता लोकतंत्र की बुनियादी पूंजी है। इसलिए आयोग के भीतर असहमति सामने आए तो उसका समाधान अधिक पारदर्शिता, स्पष्ट जवाबदेही और सार्वजनिक स्पष्टीकरण से होना चाहिए, न कि केवल विवाद को खारिज कर देने से।

जरूरत इस बात की है कि मतदाता सूची से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बदलावों का स्पष्ट ऑडिट ट्रेल उपलब्ध हो। किस अधिकारी ने क्या निर्णय लिया, किस आधार पर लिया, किस स्तर पर उसे बदला गया और तकनीकी प्रणाली ने उस निर्णय को कैसे दर्ज किया। इन सवालों के जवाब लोकतांत्रिक व्यवस्था में अस्पष्ट नहीं रहने चाहिए। साथ ही, आयोग के भीतर दर्ज असहमति और उसके निस्तारण की संस्थागत प्रक्रिया भी स्पष्ट होनी चाहिए। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव तभी बन सकता है, जब हर पात्र नागरिक को यह भरोसा हो कि उसका नाम मतदाता सूची में सुरक्षित है और चुनावी प्रक्रिया किसी अदृश्य तकनीकी या प्रशासनिक हस्तक्षेप से प्रभावित नहीं होगी। चुनाव आयोग के दो सदस्यों की 14 लिखित आपत्तियों का मामला इसी भरोसे की कसौटी है। असहमति लोकतंत्र के लिए खतरा नहीं होती; असहमति को सुनने और उसका पारदर्शी समाधान न करने की व्यवस्था जरूर लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए गंभीर चिंता का विषय बन सकती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

टीएमसी के 20 बागी सांसद, तारीख पर तारीख का खेल ?

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों की अयोग्यता संबंधी याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपेक्षा जताई है, जल्द से जल्द इस मामले में स्पीकर फैसला करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कोई समय सीमा तय नहीं की। यह जरूर कहा, सुप्रीम कोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को निर्देश नहीं दे सकती है। जल्द से जल्द मामला निपटाने की याद जरूर दिला सकती है। ऐसी याद दिलाने का कोई असर नहीं होता है। जब भय ही नहीं होगा, तो इस तरह के निर्देश का कभी पालन भी नहीं होगा। टीएमसी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता और सांसद कल्याण बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नोटिस के बावजूद भी सांसदों ने कोई जवाब नहीं दिया। सलिस्टर जनरल तुषार मेहता ने कहा, लोकसभा अध्यक्ष नोटिस जारी कर चुके हैं। वहीं बाकी सांसदों कि ओर से पेश वकीलों ने कहा, वह चार सप्ताह के अंदर नोटिस का जवाब दाखिल कर देंगे। कुल मिलाकर तारीख पर तारीख का यह खेल कोई नई बात नहीं है। दल-बदल कानून के अंतर्गत दल बदलने वाले सांसदों और विधायकों की अयोग्यता को लेकर महाराष्ट्र से जो खेल शुरू हुआ था, सारे देश ने उसका हश्र देख लिया है। महाराष्ट्र के मामले में भी इसी तरह से तारीख पर तारीख का खेल चला था। विधानसभा अध्यक्ष ने कई महीनों तक फाइल को अपने पास दबा के रखा था। इसी बीच चुनाव आयोग भी एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। चुनाव आयोग, सुप्रीमकोर्ट और विधानसभा/ लोकसभा अध्यक्ष के बीच में इसी तरह का खेल कई बार पहले भी खेला जा चुका है। समय निकलने के बाद इस तरह की याचिकाओं का कोई मतलब नहीं रह जाता है। यह फैसला इसी तरह का हुआ, जब आदमी मर गया, तब उसके मामले में फैसला आया। उसके मरने के कारण फाइल बंद कर दी गई? लेकिन उसे समय पर न्याय नहीं मिला। महाराष्ट्र की लंबित दल-बदल याचिकाओं पर कानूनी बहस सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। यह धारणा बनती चली जा रही है। दलबदल जैसे संवेदनशील मामले में हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट विवाद और दबाव से बचने के लिए तारीख पर तारीख का खेल खेलते हैं। विशेष रूप से उन मामलों में जहां लाभान्वित पक्ष भाजपा हो। तेलंगाना में एक विधायक के दलबदल मामले में तेलंगाना हाईकोर्ट ने फटाफट फैसला सुना दिया है। विधायक की सदस्यता निरस्त कर दी है। वहीं पिछले 4 महीने से टीएमसी के सांसद अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष के यहां जो याचिका दायर कर कार्यवाही की मांग की थी। मानसून सत्र भी निकल गया। लोकसभा अध्यक्ष के यहां से तारीख पर तारीख का खेल खेला जा रहा है। इससे व्यथित होकर टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली। सुप्रीम कोर्ट ने भी तारीख पर तारीख का खेल खेलना शुरू कर दिया है। फैसला कब होगा, कुछ कहा नहीं जा सकता है। सॉलिसिटर जनरल भी इस मामले में सरकार की ओर से खड़े होकर बागी सांसदों और विधायकों की मदद कर रहे हैं। दल-बदल कानून को लेकर पिछले 4 वर्षों में जिस तरह से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाने के बाद भी जब कोई निर्णय प्राप्त नहीं होता है। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो गया, दलबदलू वहां विधायक और मंत्री बने रहे। दोबारा चुनाव लड़ लिया। फैसला अभी तक नहीं आया। रही सही कसर चुनाव आयोग ने पूरी कर दी। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शिवसेना का चुनाव चिन्ह सीज करके नया चुनाव चिन्ह दे दिया। कुछ इसी तरह की कार्यवाही चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में की है। जिसके कारण देश में संवैधानिक संस्थाओं को लेकर जो विश्वास आमजनों के मन में था, वह विश्वास खत्म होता जा रहा है। अब यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका सहित अन्य संवैधानिक संस्था जिसमें चुनाव आयोग भी शामिल है। सब सत्तारुड दल भाजपा की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, या तो मामले को टालते हैं या ऐसा निर्णय देते हैं, जिससे क्षेत्रीय पार्टी को नुकसान उठाना पड़ता है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शरद पवार की राकपा के साथ यही हुआ। अब पश्चिम बंगाल में टीएमसी के साथ यही सब हो रहा है। आम आदमी और राजनीतिक दल इस खेल को अच्छे तरीके से समझने लगे हैं। जिसके कारण सड़कों पर आकर विरोध करना और संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ जिस तरह का वातावरण बन रहा है, यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए कहीं से भी ठीक नहीं है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को सभी संवैधानिक संस्थाओं और सभी सरकारों के कार्यों की समीक्षा का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट संविधान के अनुसार यदि समय पर सुनवाई नहीं करती हैं या समय पर निर्णय नहीं करती हैं। जबकि उन्हें समीक्षा करने के बाद आदेश देने का पूर्ण अधिकार है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादकः Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादकः **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफः **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारीः **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

कथित वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस का बिहार में हल्लाबोल, निकाला आक्रोश मार्च

एजेंसी, पटना

मतदाता सूची में कथित वोट चोरी और लोकतांत्रिक अधिकारों के साथ खिलवाड़ के विरोध में कांग्रेस ने आज देशभर में जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन का आव्हान किया है। इसी कड़ी में आज बिहार के हर जिले में भी कांग्रेस आक्रोश मार्च निकाल रही है। पटना महानगर कांग्रेस कमेटी ने कदमकुआं से आक्रोश मार्च निकाला। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया। इस दौरान कांग्रेसियों ने वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाए। कांग्रेसी हाथों में पोस्टर लिए हुए हैं, जिसमें लिखा, 'ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो', 'मतदाता सूची की निष्पक्ष जांच हो।' निर्वाचन आयोग के गेट पर यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार हंगामा और स्याही फेंक दी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ताला मारने की भी कोशिश की। कई कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका, निर्वाचन आयोग के गेट पर फेंकी स्याही

दो चुनाव आयुक्तों ने 10 महीनों में 14 बार लिखित आपत्ति जताई: भारतीय चुनाव आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद को लेकर आई एक रिपोर्ट के बाद देश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज कराई। संधू और जोशी का आरोप है कि आयोग के कई फैसले और आदेश उनकी जानकारी के बिना लिए और जारी किए गए। उन्होंने कुछ कदमों को 'अनधिकृत और गैरकानूनी' बताया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन सभी आपत्तियों की जानकारी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को दी गई थी। चार महीने बाद 9 सितंबर को तीनों चुनाव आयुक्तों की पूरी बैठक हुई। हालांकि इसमें किस मुद्दे पर चर्चा हुई, इसकी रिपोर्ट सामने नहीं आई।

कांग्रेस पटना में पहले भी कर चुकी है प्रदर्शन: शुक्रवार को बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य स्तर पर पटना में प्रदर्शन किया था। कांग्रेसी आर ब्लॉक, चाणक्य होटल से होते हुए राज्य निर्वाचन आयोग दफ्तर तक मार्च पहुंचना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने विधानसभा के पास उन्हें रोक दिया था। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की, लेकिन प्रशासन ने उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया था। कांग्रेस कार्यकर्ताओं- पुलिस के बीच धक्का मुक्की हुई थी।

पप्पू यादव ने कहा था- CEC को फांसी हो: पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने कहा था कि राहुल गांधी देश के सबसे बड़े लीडर हैं। सारा विपक्ष ज्ञानेश के सवाल पर लोकतंत्र को बचाने के लिए एकजुट है।मुख्य चुनाव आयुक्त को फांसी हो। कांग्रेस और हमारी विचारधारा, देश को और संविधान को बचाने की विचारधारा है। इसमें कोई राजनीति नहीं है।

राजेश राम बोले- CEC के खिलाफ मुकदमा हो: सभी कांग्रेसी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी और उन्हें पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेश राम ने कहा था, "चुनाव आयोग के खिलाफ ये है कि राहुल गांधी जी लगातार जो उनकी पोल खोल रहे थे। आज साबित हो गया कि बिहार, हरियाणा और महाराष्ट्र में वोट चोरी से सरकार बनी है।' इधर, पटना में CJP ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। CJP मेंबर सतीश यादव ने कहा था कि इसमें कहा गया कि पटना से ही बिहार में SIR की प्रक्रिया शुरू हुई थी। 47 लाख नामों को हटा दिया गया था।

बिहार के चुनाव में वोट पैसे से खरीद लिए गए। एक अखबार ने रिपोर्ट छापी दोनों चुनाव आयुक्त की अनुमति के बिना कई फैसले लिए। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे में इस्तीफा देना होगा। बिहार में सबसे जोरदार प्रदर्शन होगा। अभिजीत दीपके भी बिहार का दौरा करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

8 दिन से भटक रही महिला परिवार से मिली, पुलिस ने इलाज कराकर लखनऊ का पता खोजा; कर्पूरी चौक पर मिली थी

हाजीपुर। गोरौल पुलिस ने करीब 35 साल की मानसिक रूप से परेशान महिला को 8 दिन बाद उसके परिवार से मिला दिया। महिला 19 सितंबर को कर्पूरी चौक पर भटकती मिली थी। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम उसे गोरौल थाने लेकर आई। थाने में महिला अपने बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रही थी। पुलिस ने उसे महिला सिपाही की देखरेख में रखा। उसके भोजन और पानी की व्यवस्था भी की गई। पुलिस ने महिला का इलाज कराया। इलाज के बाद उसकी मानसिक स्थिति में सुधार हुआ। इसके बाद उसने अपना पता लखनऊ, उत्तर प्रदेश बताया। पुलिस ने दी गई जानकारी के आधार पर उसके परिवार से संपर्क किया और उन्हें गोरौल थाना बुलाया। 27 सितंबर को पुलिस ने महिला को उसके परिजनों को सौंप दिया। परिवार ने महिला को सुरक्षित वापस मिलने पर पुलिस का शुक्रिया अदा किया। वैशाली पुलिस के अनुसार, असहाय लोगों की मदद के लिए लगातार काम किया जा रहा है।

व्हाट्सऐप लिंक से 1.02 लाख की ठगी, साइबर थाना ने पीड़ित के खाते में पूरी राशि वापस कराई

हाजीपुर। हाजीपुर में WhatsApp लिंक के जरिए साइबर ठगी का मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने नीरज कुमार सिंह के बैंक खाते से 1 लाख 2 रुपये निकाल लिए। ठगी की शिकायत मिलने के बाद वैशाली साइबर थाना की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरी रकम वापस करा दी। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना वैशाली में कांड संख्या 01/26 दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने बैंक और संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर ठगी की रकम को रिकवर कराया। रविवार को हाजीपुर के पुलिस उपाधीक्षक (साइबर क्राइम) ने नीरज कुमार सिंह को रिफंड का प्रमाण पत्र सौंपा। साइबर थाना अध्यक्ष चांदनी कुमारी ने लोगों से साइबर ठगी को लेकर सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि अनजान या संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए। बैंक अधिकारी या सरकारी कर्मचारी बनकर फोन करने वालों के साथ ओटीपी, एटीएम डिटेल्स या बैंक संबंधी जानकारी साझा नहीं करें। उन्होंने लोगों को किसी के कहने पर मोबाइल में अनजान ऐप डाउनलोड करने या पैसे ट्रांसफर करने से भी बचने की सलाह दी। पुलिस ने कहा कि साइबर ठगी का शिकार होने पर बिना देरी किए 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। समय पर शिकायत मिलने से ठगी की रकम को रोकने और उसे वापस कराने की संभावना बढ़ जाती है।

गंगा कटाव से चिरैया और हरनहिया दियारा में दहशत, घरों से 2-4 फीट दूर नदी

पटना। पटना के बख्तियारपुर प्रखंड की चिरैया पंचायत में गंगा नदी का कटाव अब गांवों के घरों तक पहुंच गया है। चिरैया और हरनहिया दियारा के ग्रामीणों में नदी के बढ़ते कटाव को लेकर दहशत है। ग्रामीणों के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में करीब एक किलोमीटर जमीन गंगा में समा चुकी है। अब करीब 300 घर सीधे तौर पर कटाव की चपेट में हैं। ग्रामीण संतोष कुमार ने बताया कि उनकी जमीन लगातार गंगा में समा रही है। अब कटाव उनके घर से महज दो से चार फीट की दूरी पर रह गया है। उनका कहना है कि यदि समय रहते ठोस उपाय नहीं किए गए तो कई घर नदी में समा सकते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन की ओर से कटाव रोकने के लिए किए जा रहे मौजूदा उपाय पर्याप्त नहीं हैं। उनका कहना है कि छोटे बालू भरे बोरे लगाने के बजाय कटाव वाले हिस्से में भारी पत्थर के बोल्डर लगाए जाएं, ताकि नदी की धारा को रोका जा सके। रमिया देवी ने कहा कि कटाव लगातार बढ़ रहा है और इससे हादसे की आशंका बनी रहती है। उन्होंने कहा कि नदी किनारे की जमीन कटने से कभी भी कोई बच्चा या ग्रामीण पानी में गिर सकता है। कटाव वाले हिस्से में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने की जरूरत है। उन्होंने मांग की कि जल संसाधन विभाग की ओर से तत्काल पत्थर के बोल्डर लगाकर कटाव को रोकने का काम शुरू किया जाए। चिरैया गांव में ग्रामीणों ने आपसी सहयोग और चंदा जुटाकर मंदिर का निर्माण शुरू किया था। ग्रामीण संतोष पोद्दार के अनुसार, मंदिर निर्माण में अब तक करीब 10 लाख रुपए खर्च हो चुके हैं। लेकिन गंगा के कटाव की वजह से मंदिर का करीब एक चौथाई हिस्सा नदी की ओर कट चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द कटावरोधी काम शुरू नहीं हुआ तो मंदिर के साथ आसपास के घरों और जमीन को भी नुकसान हो सकता है। उन्होंने जल संसाधन विभाग से मंदिर और गांव को बचाने के लिए तत्काल ठोस कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, चिरैया और हरनहिया दियारा इलाके में पिछले पांच वर्षों से लगातार कटाव हो रहा है। इस दौरान करीब एक किलोमीटर भू-भाग गंगा में समा चुका है। अब नदी की धारा आबादी के बेहद करीब पहुंच गई है। ग्रामीणों को आशंका है कि कटाव की रफ्तार नहीं थमी तो आने वाले दिनों में घरों को भी हटाने की नौबत आ सकती है।

हत्या के प्रयास का फरार आरोपी गिरफ्तार, पालीगंज स्थित ननिहाल में छिपा था, पुलिस ने दबोचा

पटना। पटना के आईआईटी अम्हारा थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे बीती देर रात पालीगंज अनुमंडल के अंकुरि गांव स्थित उसके ननिहाल से पकड़ा। आरोपी घटना के बाद से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कंचनपुर गांव निवासी राजरंजन कुमार (19) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, वह सितंबर में कंचनपुर गांव में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में नामजद था।

तीन आरोपियों पर दर्ज हुआ था केस: थानाध्यक्ष रोशन कुमार राज ने बताया कि सितंबर में कंचनपुर गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। घटना को लेकर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। इसके बाद से राजरंजन पुलिस की गिरफ्त से बाहर था।

पालीगंज पुलिस की मदद से ननिहाल से पकड़ा: पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि राजरंजन पालीगंज थाना क्षेत्र के अंकुरि गांव में अपने ननिहाल में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर आईआईटी अम्हारा थाना पुलिस ने पालीगंज पुलिस की मदद से देर रात वहां छापेमारी की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

अन्य आरोपियों की तलाश जारी: थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपी अभी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। जल्द ही अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार करने का दावा पुलिस ने किया है।

एएन कॉलेज कैंपस में मारपीट छात्रा का सिर फटा

एजेंसी, पटना

पटना के AN कॉलेज कैंपस में सब इंस्पेक्टर के बेटे उत्कर्ष समेत 4 स्टूडेंट्स से मारपीट हुई है। इनमें से एक छात्रा का सिर फट गया है। घायल छात्र अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली है। AN कॉलेज में वो पढ़ाई करती है। वहीं, उत्कर्ष के पिता स्पेशल ब्रांच में तैनात हैं।

उत्कर्ष ने आरोप लगाया है कि कुछ सीनियर्स हमलोगों पर दबाव बनाते हैं, गाली-गलौज और मारपीट भी करते हैं। हमें बचाने दो दोस्त आए तो उनकी भी पिटाई कर दी।

पुलिस स्टिकर लगी बाइक से आए मारपीट करने वाले: उत्कर्ष ने बताया कि मैं परीक्षा देकर अपने 2 दोस्तों के साथ कॉलेज कैंपस से बाहर निकल रहा था। इसी दौरान कुछ सीनियर छात्र पुलिस स्टिकर लगी बाइक से कैंपस में पहुंचे। वे 7 लोग थे। उनलोगों ने मुझे गाली देते हुए साइड हटने को कहा। मैंने बोला

गाली क्यों दे रहे हो तो, उनलोगों मारपीट शुरू कर दी। मेरे दोस्तों को भी मारा।

पीड़ित छात्रों ने थाने में लिखित शिकायत की: घटना के बाद चारों पीड़ितों ने श्री कृष्णा पुरी थाना में लिखित शिकायत की है। पुलिस ने सभी की इंज्यूरी जांच कराई है। एडिशनल एसएचओ राणा कुमार ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है और मारपीट करने वाले छात्रों की पहचान की जा रही है।

पटना एडीएम-सब रजिस्ट्रार पत्नी के ठिकानों पर विजिलेंस की रेड, 1 करोड़ से अधिक कैश बरामद

100 से ज्यादा 500 नोटों की गड्डियां मिली, बेगूसराय में भी छापा

एजेंसी, पटना

पटना के ADM (सप्लाई) रविंद्र कुमार दिवाकर और उनकी पत्नी कुमारी स्विटी, जो दानापुर की जिला अवर निबंधक हैं। इनके ठिकानों पर निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने सोमवार को छापेमारी की। इनपर आय से अधिक संपत्ति का आरोप है। रविंद्र कुमार पहले गयाजी में SDM के पद पर रह चुके हैं। इसके अलावा सारण में DPRO भी रहे हैं। निगरानी की टीम ने पटना और बेगूसराय स्थिति आवास और अन्य ठिकानों पर एक साथ पहुंची। पटना के दानापुर में कश्यप ग्रीनसिटी नहर रोड में छापेमारी की। पटना आवास से तलाशी के दौरान 100 से अधिक 500 के गड्डियां मिली है। एक

करोड़ कैश और 35 से अधिक महंगी घड़ियां बरामद की गई।

बेगूसराय जिला मुख्यालय के नगर थाना पोखरिया वार्ड नंबर-37 स्थित पैतृक आवास पर निगरानी की टीम दिन के 1:00 बजे पहुंची। 6 सदस्यीय टीम लगातार तलाशी कर रही है।

दस्तावेज और सामान मिले हैं: अधिकारियों के दोनों ठिकानों की तलाशी चल रही है। कुछ दस्तावेज और सामान मिले हैं। अधिकारियों के मुताबिक, बरामद दस्तावेजों और अन्य सामान की जांच की जा रही है। दस्तावेजों और संपत्तियों का मिलान संबंधित अधिकारियों की घोषित आय और संपत्ति से किया जा रहा है।

छापेमारी के बाद ब्योरा सार्वजनिक कर सकती टीम: पटना और बेगूसराय में चल रही कार्रवाई अभी पूरी नहीं हुई है। निगरानी विभाग की टीम दोनों स्थानों पर अभी छापेमारी कर रही है। विभाग की ओर से तलाशी पूरी होने के बाद बरामद नगदी, आभूषण, निवेश और अन्य संपत्तियों का विस्तृत ब्योरा जारी करेगी। मामला निगरानी थाना में दर्ज है।

कांग्रेस ने लॉन्च किया 'मेरी डिग्री का क्या' कैंपेन युवाओं से नौकरी और डिग्री को लेकर करेगी संवाद

एजेंसी, पटना

बिहार यूथ कांग्रेस ने 'मेरी डिग्री का क्या' कैंपेन शुरू किया है। इसके तहत कांग्रेसी युवाओं के पास जाएंगे, उनसे संवाद करेंगे और जानने की कोशिश करेंगे कि उनकी डिग्री का क्या हो रहा है। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव पुनीत सिंह पारिया ने कहा कि हम मोदी जी से पूछेंगे कि जो युवा आज रोजगार की तलाश में अपनी डिग्री लेकर घूम रहे हैं उन डिग्रियों का आखिर क्या करना है। हमारी दूसरी मांग है कि ज्ञानेश कुमार पर शख्त से शख्त कार्रवाई हो। उन्होंने जो किया है वह देशद्रोह है। ज्ञानेश कुमार पर देशद्रोह का मुकदमा चलाना चाहिए और उनका तुरंत इस्तीफा लेना चाहिए।

50 लाख खाली पदों पर बहाली निकाली जाए: पुनीय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी लगातार वोट चोरी का मुद्दा उठाते रहे हैं। दूसरी तरफ आज का युवा बेरोजगारी और नौकरी नहीं मिलने से परेशान है। बेरोजगारी का सबसे बड़ा कारण भाजपा की ओर से वोट चोरी करके सरकार बनाना है। ऐसी सरकार वैसा कानून

बनाती है जो नौकरी चोरी में सीधे मददगार होती है। इस सरकार में अभी 50 लाख से ज्यादा खाली पद है। हम मांग करते हैं कि इन सभी खाली पदों पर बहाली निकाली जाए।

ज्ञानेश कुमार ये चोरी सरकार के इशारे पर कर रहे: SIR के माध्यम से बिहार में 65 लाख से ज्यादा मतदाताओं को वोटर लिस्ट से हटाया गया है। चुनाव आयोग योजनाबद्ध तरीके से भाजपा के ईशारे पर काम कर रहा है। आज संविधान को सीधे-सीधे चुनौती दी जा रही है और आजाद नागरिकों को फिर से गुलामी की ओर ले जाया जा रहा है। सरकार एक शासक के रूप में

50 लाख खाली पदों पर बहाली की मांग

प्रजा पर राज करना चाहती है। जिन लोगों के नाम SIR के माध्यम से काटे गए हैं क्या वह लोग भारत के नागरिक नहीं थे, सरकार को यह बात स्पष्ट करनी चाहिए। ज्ञानेश कुमार ये चोरी सरकार के इशारे पर कर रहे हैं।

माफियाओं की जगह सरकार छात्रों को जेल में डाल रही: कहा कि आज हजारों सरकारी स्कूल बंद होने के कगार पर है क्योंकि बच्चे प्राइवेट स्कूल की ओर ज्यादा जा रहे हैं या कहे कि उन्हें मजबूर किया जा रहा है। जो बच्चे पढ़-लिखकर बड़े एग्जाम देने चाहते हैं उनके पेपर को लीक किया जा रहा है। पेपर लीक माफियाओं के मन में कोई डर नहीं है। जो पेपर लीक कर रहा है उन्हें जेल में डालना चाहिए और फांसी की सजा देना चाहिए। मगर यहां सरकार अपने हक के लिए प्रदर्शन करने वाले छात्रों को ही जेल में डाल रही है।

गंगा में नाबालिग डूबा एनडीआरएफ कर रही तलाश

एजेंसी, पटना

पटना में सोमवार की सुबह गंगा में नाबालिग डूब गया। वो अपने 5 दोस्तों के साथ दीघा घाट पर पहुंचा था। घाट पर नहाने की प्लानिंग पांचों ने रविवार शाम को ही कर ली थी। घाट पर पहुंचने के बाद मोनी ने चप्पल उतारी और पानी में बाइक खड़ी कर तस्वीर लेने के लिए दोस्तो से कहा। इसी दौरान वो पानी में गिर गया और पानी की गहराई में चला गया। दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। नाबालिग कृष्णा नगर निवासी मोतीलाल के रहने वाले मोतीलाल का बेटा मोनी है (17) है, जो फिलहाल लापता है। मामला दीघा थाना क्षेत्र की है।

एनडीआरएफ की टीम कर रही तलाश: घटना की सूचना मिलने के बाद दीघा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। दीघा थानाध्यक्ष अवनीश

♦ **दोस्तों के साथ घाट पर गया था**

कुमार ने बताया कि रामकृष्णा नगर इलाके से पांच बच्चे घाट पर आए थे। इनमें से एक गंगा में डूब गया है। NDRF की टीम की मदद से नदी में उसकी तलाश की जा रही है। फिलहाल नाबालिग का कोई सुराग नहीं मिला है। टीम लगातार खोजबीन में जुटी हुई है। परिजन के अनुसार मोनी ने हाल में ही मैट्रिक परीक्षा पास की थी। इंटर में एडमिशन लिया था।

'आजतक नहीं हारे, एमएलसी चुनाव के लिए गर्दा तैयारी किए हैं"

एजेंसी, पटना

मोकामा विधायक अनंत सिंह अपनी ही पार्टी जदयू के उम्मीदवार के खिलाफ हो गए हैं। बिहार विधान परिषद की पटना स्नातक सीट के जदयू उम्मीदवार नीरज कुमार हैं, पर अनंत सिंह ने ऐलान कर दिया है कि वे जन सुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह का समर्थन करेंगे। अनंत सिंह ने आज अनुज सिंह के साथ पटना आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने नीरज कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'आज तक हम हारे नहीं हैं। अनुज सिंह चुनाव भी जीत जाएंगे। मेरे लिए जनता ही भगवान है। हमको वोट देगी। अनुज सिंह के नॉमिनेशन में पूरा पटना भर जाएगा। गर्दा तैयारी किए हैं।'

अनंत सिंह ने कहा कि 1 अक्टूबर को अनुज कुमार सिंह का नामांकन है। उनके नामांकन के लिए हम तैयार हैं। पूरे इलाके में उनके लिए चुनाव प्रचार करेंगे और लोगों

से वोट मांगेंगे। अनंत सिंह ने आगे कहा कि यह पार्टी का चुनाव नहीं है। पार्टी ने हमसे कुछ नहीं बोला है। हमारा और नीरज कुमार का व्यक्तिगत मामला है, क्योंकि उसने मेरा विरोध किया था।

इसलिए हम उसके चुनाव में विरोध करेंगे। अनंत सिंह से जब पूछा गया कि जेडीयू विधायक होने के बावजूद पार्टी लाइन से अलग जाकर किसी प्रत्याशी का समर्थन करने पर आप पर कार्रवाई हो सकती है, तो उन्होंने नीरज कुमार का उदाहरण देते हुए कहा कि नीरज ने मेरा विरोध किया था, क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई हुई?

अवधेश नारायण सिंह ने सभापति पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी, पटना

बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा उपसभापति को सौंपा है। फिलहाल, राम वचन राय कार्यकारी सभापति होंगे। बताया जा रहा है कि बीजेपी और जदयू के बीच सत्ता संतुलन को लेकर बनी सहमति के तहत सभापति ने इस्तीफा दिया है। अब यह पद JDU कोटे में जाने की संभावना है।

उपसभापति को दिए अपने लेटर में अवधेश नारायण सिंह ने लिखा है, "पिछले 33 वर्षों से मैं लगातार विधान परिषद का सदस्य हूं। अब भी सदस्य के रूप में सदन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाऊंगा और सार्वजनिक जीवन में जन-सेवाओं के कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों को जारी रखूंगा। सदन के भीतर सभापति के रूप में मुझे अपने माननीय सदस्यों का जो स्नेह-सहयोग मिला है, उसके लिए सबको धन्यवाद देता हूं।" सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, वर्तमान उपसभापति प्रो. डॉ. रामवचन राय का नाम सभापति के लिए सबसे आगे चल रहा है।

किसी से कोई गिला-शिकवा नहीं: अवधेश नारायण: विधान परिषद के सभापति पद से इस्तीफा देने के बाद अवधेश नारायण सिंह

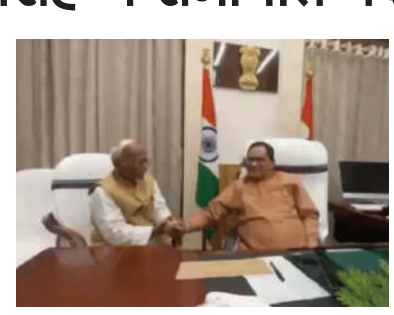

ने कहा कि मैं चार बार सभापति रहा। पार्टी ने मुझे बहुत बड़ा मौका दिया। किसी से कोई गिला-शिकवा नहीं है। पार्टी ने मेरे भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया है। पार्टी जैसा कहेगी, मैं उसका पालन करूंगा। मैं बीजेपी कोषाध्यक्ष भी रहा हूं। वहां भी बेहतर काम किया है। मेरी जगह रामवचन राय सभापति पद पर आएंगे। इस बात की मुझे खुशी है। परिषद के कर्मचारियों को हमेशा अपने परिवार की तरह माना है। मेरे कार्यकाल में जितनी भी बहाली हुई, वह पारदर्शिता के साथ हुई। उन्होंने कहा कि अब तक मैंने गांव में अपना घर नहीं बनवाया है। अब मैं थोड़ा समय लेकर घर से जुड़े कुछ काम करूंगा। नीतीश कुमार के प्रति आभार जताते हुए उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने मुझे जितना प्यार और सम्मान दिया, उसे

♦ **बिहार विधान परिषद के उपसभापति को सौंपा लेटर, राम वचन राय होंगे कार्यकारी सभापति**

भुलाया नहीं जा सकता।

NDA में पदों के बंटवारे से जुड़ा है मामला: बिहार में नई सरकार के गठन और सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद NDA के दोनों प्रमुख सहयोगी दलों भाजपा और JDU के बीच महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों के संतुलन को लेकर चर्चा चल रही थी। मौजूदा स्थिति में मुख्यमंत्री पद और विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी भाजपा के पास है। डॉ. प्रेम कुमार बिहार विधानसभा के अध्यक्ष हैं। ऐसे में विधान परिषद के सभापति का पद JDU को देने पर दोनों दलों के बीच सहमति बनी है।

पिछले दिनों पार्टी के दिल्ली दफ्तर में अहम बैठक हुई। इस बैठक में एक सीनियर लीडर ने गठबंधन के समझौते के तहत BJP से सभापति पद की डिमांड की। इस डिमांड के बाद पार्टी के भीतर चर्चा इस बात की भी है कि JDU इस मांग के साथ प्रेसर पॉलिटिक्स को बढ़ावा रही है। हालांकि, इस मुद्दे पर कोई भी नेता खुलकर बात करने के लिए राजी नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

पितृ पक्ष पर बुजुर्गों का हुआ सम्मान

कानपुर , एजेंसी। पितृ पक्ष पर रविवार को बर्रा छह स्थित गेस्ट हाउस में सनातन सेवा सत्संग और क्रिक फाइव फैमिली ने एक शाम अपने बुजुर्गों के नाम कार्यक्रम आयोजित किया। यहां 70 वर्ष से अधिक आयु की बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों का सम्मान हुआ। सभी जाति-धर्म के बुजुर्गों को तिलक, माला, पटुका, शाल और पगड़ी पहनाई गई। सनातन सेवा सत्संग के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य सुधीर भाई मिश्र ने पितृ पक्ष में पूर्वजों के तर्पण और श्रेष्ठजनों के सम्मान की परंपरा बताई। क्रिक फाइव फैमिली के अध्यक्ष नितेश शर्मा ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। महिला अध्यक्ष दीप्ति दीक्षित, अखिलेश शुक्ला, राजीव भट्ट, पप्पू मिश्रा, यूएस सिंह, डॉ. उमेश पालीवाल, बलराम नरुला आदि मौजूद रहे।

सरदार पटेल की जयंती पर निकलेगी शोभायात्रा

कानपुर , एजेंसी। कुर्मी परिवार समागम 31 अक्तूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाएगा। रविवार को इसकी तैयारियों के लिए विश्व बैंक आई ब्लॉक स्थित स्मृति पैलेस में वर्किंग समिति की बैठक हुई। कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष आशीष सचान ने बताया कि पटेल जयंती पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। बर्रा-दो के सचान चौराहा में पटेल प्रतिमा को सजाया जाएगा और चौराहे की सफाई होगी। संचालन कर रहे राजेंद्र प्रसाद वर्मा ने समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। नागेश सचान ने एकजुट होने का आह्वान किया। बैठक में बीडी सचान, अवध सिंह पटेल, योगेंद्र सचान, अंजनी कुमार वर्मा, अनुक्रम सिंह सचान, धर्मेंद्र उमराव, बृजेंद्र स्वरूप सचान, सुशील कटियार, अनिल सचान, अवधेश कटियार, किशोर सचान, आनंद कटियार आदि शामिल रहे।

आदिम अनंत कथा नाटक में दिखी मानवीय संवेदनाएं व जीवन का संघर्ष

वाराणसी , एजेंसी। अश्विन नाट्य महोत्सव का आगाज रविवार को नागरी नाटक मंडली न्यास के प्रेक्षागृह में आदिम अनंत कथा नाटक के प्रभावी मंचन से हुआ। कलाकारों ने नाटक के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं, जीवन के विभिन्न पक्षों और आंतरिक संघर्षों को दर्शाया। तीन दिवसीय महोत्सव का उद्घाटन न्यास के अध्यक्ष डॉ. संजय मेहता, सचिव डॉ. अजीत सैगल, भाजपा काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव तथा संस्कार भारती के संगठन मंत्री दीपक शर्मा और रंगकर्मियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। डॉ. अजीत सैगल ने कहा कि रंगमंच केवल मनोरंजन का नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। ऐसे आयोजन काशी की रंगपरंपरा को आगे बढ़ाने के साथ नई पीढ़ी को भारतीय कला एवं संस्कृति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बाद अर्पित शिधोरे द्वारा निर्देशित 'आदिम अनंत कथा' नाटक का प्रभावशाली मंचन हुआ। कलाकारों के सशक्त अभिनय, निर्देशन और मंचीय अभिव्यक्ति ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। दर्शकों ने उनके सशक्त अभिनय को सराहा। सोमवार को चंडालिका नाटक का मंचन होगा। संचालन आशुतोष चतुर्वेदी ने किया।

35 हजार परिवारों के पक्के मकान का सपना जल्द होगा साकार

गोरखपुर , एजेंसी। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत करीब 35 हजार से अधिक पात्र परिवारों के पक्के मकान का सपना अब साकार होने वाला है। अंतिम सत्यापन के बाद चयनित लाभार्थियों के खाते में अक्तूबर से 40 हजार रुपये की पहली किस्त भेजे जाने की उम्मीद है। लंबे समय से आवास का इंतजार कर रहे पात्र परिवारों को इससे राहत मिलेगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिले में वर्ष 2024 से आवास प्लस के लिए सर्वे और आवेदन की प्रक्रिया चल रही थी। पक्के मकान के लिए करीब 66 हजार से अधिक लोगों ने आवेदन किया था। इसके बाद ग्राम पंचायत स्तर पर आवेदनों की जांच और पात्रता का सत्यापन कराया गया। जून में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत अधिकारियों और ग्राम प्रधानों के साथ बैठक कर आवेदनों का अंतिम सत्यापन किया गया। जिले की 1274 ग्राम पंचायतों में यह प्रक्रिया पूरी कराई गई। इनमें पात्र लाभार्थियों का चयन हुआ, जबकि 10 ग्राम पंचायतों में एक भी पात्र लाभार्थी नहीं मिला। जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक दीपक कुमार सिंह ने बताया कि अक्तूबर से 40 हजार रुपये की पहली किस्त जारी होने की उम्मीद है।

शहर की विरासत की कहानी दुनिया को बताएं

कानपुर , एजेंसी। विश्व पर्यटन दिवस पर सोसाइटी फॉर टूरिज्म डेवलपमेंट एवं मुस्कुराए कानपुर की ओर से कानपुर प्राणी उद्यान में पर्यटन मंथन का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर डॉ. सिधांशु राय ने कहा कि हर स्कूल में टूरिज्म एंबेसडर और संस्थाओं से पर्यटन मित्र बनाए जाएं। यह शहर की विरासत की कहानी दुनिया को बताएं। फॉरेस्ट ऑफिसर फिरोज ने कहा हम चिड़ियाघर को इको-टूरिज्म का केंद्र बनाएंगे। आनंद गुप्ता ने कहा कानपुर पर्यटन पर क्यूआर कोड बेस्ड डिजिटल ब्रोशर तैयार किया जाए जिसमें पर्यटन स्थल, घाट, मंदिर, फूड स्ट्रीट और होटल सबकी जानकारी हो। फॉरेस्ट ऑफिसर अजय सिंह ने बच्चों में प्रकृति का महत्व बताने पर जोर दिया। रोचक रोहतगी और स्वयं नंदा ने कहा कि पर्यटन पर बातें और इतिहासकार, कलाकार, शिक्षाविद, फोटोग्राफर और यूट्यूबर निरंतर संवाद करें। बैठक में पीसी अग्निहोत्री, अमित अग्रवाल, विनोद टंडन, गोपाल खन्ना, राजेश ग्रोवर, अखिल त्यागी, डॉ. पंकजा पांडे, डॉ. कामायनी शर्मा, दिनेश वार्ष्णेय, अनूप द्विवेदी, सीमा निगम, डॉ. हेमंत मोहन, डॉ. आरती मोहन, आदि रहे।

बारिश के बाद निकली धूप ने बढ़ाई बीमारी

मेले में कुल 1707 मरीज पहुंचे इसमें 189 त्वचा रोगी, जबकि बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या 177 रही

कानपुर , एजेंसी। जनपद के एक नगरीय व 29 ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन हुआ। बदलते मौसम में लोग वायरल से परेशान हो रहे हैं और अस्पतालों के चक्कर लगा रहे हैं। मेले में कुल 1707 मरीज पहुंचे। इसमें 189 त्वचा रोगी रहे, जबकि बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या 177 रही। सभी की जांच कर जरूरी दवाएं वितरित की गई।

कभी बारिश तो कभी धूप से लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों को चिकित्सकों ने मौसमी बीमारी से बचाव के लिए जरूरी सलाह दी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जय गोविंद ने बताया कि मेले में आने वाले मरीजों में 879 पुरुष, 611 महिलाएं एवं 217 बच्चे शामिल रहे। कोविड हेल्प डेस्क पर 668 मरीजों की प्राथमिक जांच की गई, हालांकि इनमें से कोई भी संदिग्ध मरीज नहीं मिला। इस दौरान पात्र लाभार्थियों के 32 गोल्डन कार्ड भी बनाए गए। मेले में मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक रही। बुखार से पीड़ित मरीजों में 76 मरीजों की मलेरिया व 9 मरीजों की डेंगू होने की आशंका के चलते जांच की गई, हालांकि सभी की रिपोर्ट बीमारी से ग्रसित होना नहीं पाया गया। इसके अलावा सर्दी-जुकाम के 94 मरीज और 140 मरीज पेट के रोग से ग्रसित मरीज रहे। जबकि एनीमिया के 56, मधुमेह के 65 और उच्च रक्तचाप (बीपी) के 58 मरीजों की पहचान कर इलाज शुरू किया गया। वहीं 40 मरीजों का नेत्र परीक्षण और 32 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें कोई भी बच्चा कुपोषित नहीं पाया गया। साथ ही एक संभावित क्षय रोग मरीज को चिह्नित किया गया और 11 को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

राजपुर पीएचसी में आयोजित आरोग्य मेले में 30 मरीजों का इलाज किया गया। इनमें सर्वाधिक 18 बुखार, 8 त्वचा, 2 पेट दर्द और 2 त्वचा रोग के मरीज रहे। डॉ. आशीष मिश्रा ने बताया कि आरोग्य मेले में त्वचा रोग के सर्वाधिक मरीज आए हैं। उन्होंने इस बीमारी से बचाव के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखने के साथ ही ज्यादा पानी पीने, मीठा और जंक फूड कम खाने की सलाह दी। यदि दाद फैल रहा हो, ज्यादा खुजली हो रही हो, तो चिकित्सक से परामर्श लेना जरूरी है।

इधर, रसधान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मेले में खुजली, दाद व अन्य त्वचा संबंधी समस्याओं से ग्रसित मरीजों का इलाज किया गया। वायरल बुखार के साथ चर्म रोगों से पीड़ित लोगों की संख्या अधिक पहुंची। चिकित्साधिकारी डॉ. सना कौसर ने बताया कि आरोग्य मेले में 4 बजे तक 60 मरीजों का इलाज हुआ है। कहा कि बारिश के बाद साफ-सफाई में कमी के कारण लोगों में त्वचा रोग तेजी से फैल रहे हैं। मरीजों को दवाओं के साथ जरूरी बचाव के उपाय भी बताए जा रहे हैं ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। उन्होंने मरीजों को नियमित रूप से शरीर की साफ-सफाई रखने, गंदे कपड़ों का उपयोग नहीं करें और त्वचा को सूखा व स्वच्छ बनाए रखने की सलाह दी।

यूनिवर्स इंडिया अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में झारखंड का परचम, स्टोरी लाइन इंडिया ने किया सहयोग

नोएडा : नोएडा में एसके स्टार इवेंट कंपनी की ओर से आयोजित यूनिवर्स इंडिया अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में झारखंड के प्रतिभागियों ने विभिन्न खिताब हासिल किए। आयोजन में स्टोरी लाइन इंडिया ने सहयोगी संस्था के रूप में भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के लिए 200 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से चयन प्रक्रिया के बाद 50 प्रतिभागियों को अंतिम चरण के लिए चुना गया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का मूल्यांकन व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, प्रतिभा और प्रस्तुति सहित निर्धारित मानकों के आधार पर किया गया। रांची से स्टोरी लाइन इंडिया की संस्थापक और निर्णायक साधना झा कुमार ने प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभाते हुए प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया और उन्हें मार्गदर्शन दिया। प्रतियोगिता के परिणाम में रांची की सीमा कुमारी ने मिसेज यूनिवर्स इंडिया, रांची की सत्या मिश्रा ने मिस यूनिवर्स इंडिया और झारखंड के अन्युश सिंह ने मिस्टर यूनिवर्स इंडिया का खिताब हासिल किया। विजेताओं सहित कई प्रतिभागियों ने स्टोरी लाइन इंडिया के माध्यम से प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण कराया था। खिताब जीतने वाले प्रतिभागियों ने साधना झा कुमार के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में खिताब हासिल करना उनके लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साधना झा कुमार ने सभी विजेताओं और अंतिम चरण में पहुंचे प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे मंच युवाओं को अपनी प्रतिभा, व्यक्तित्व और आत्मविश्वास प्रदर्शित करने का अवसर देते हैं। उन्होंने कहा कि स्टोरी लाइन इंडिया प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के लिए मंच और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का प्रयास जारी रखेगा।

प्रदेश में थी कम बरसात की चेतावनी, सितंबर में हुई चक्रवाती बारिश से आठ फीसदी हुई ज्यादा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मानसून की शुरुआत में बारिश के कम रहने का अंदेशा था लेकिन सीजन खत्म होते-होते तस्वीर बदल गई। 27 सितंबर तक उत्तर प्रदेश में सामान्य से आठ प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। प्रदेश भर में बीते तीन दिनों के दौरान हुई जोरदार बारिश ने छह फीसदी की कमी को आठ फीसदी की बढ़त में बदल दिया। बारिश तो कम नहीं रही लेकिन उसका जिलेवार बंटवारा ठीक नहीं रहा। यूपी के कुछ जिलों में बारिश ने सामान्य आंकड़े को काफी पीछे छोड़ा तो कहीं बड़ी कमी बनी रही। 27 सितंबर तक प्रदेश में 797.1 मिलीमीटर बारिश हुई है जबकि सामान्य बारिश 739.8 मिलीमीटर है। यानी कुल मिलाकर आठ प्रतिशत अधिक बारिश हुई लेकिन जिलेवार आंकड़े बताते हैं कि यह अतिरिक्त बारिश पूरे प्रदेश में समान रूप से नहीं पहुंची।

बुंदेलखंड के चार जिलों में सामान्य से 70 फीसदी से ज्यादा बारिश : बारिश के आंकड़े देखें तो कई जिलों ने प्रदेश के औसत को काफी ऊपर खींचा है। संभल में सामान्य से 95 प्रतिशत, महोबा में 91, हमीरपुर में 86, कानपुर नगर में 78, बांदा में 77 और चित्रकूट में 75 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। यानी इन जिलों में सामान्य से जितनी बारिश की उम्मीद थी, उसके मुकाबले काफी ज्यादा पानी बरसा।

कई जिलों में अब भी बड़ी कमी : दूसरी तस्वीर उन जिलों की है, जहां मानसून सामान्य बारिश भी नहीं दे सका। देवरिया और शामली में 68-68 प्रतिशत, गाजियाबाद में 64, कुशीनगर में 60, भदोही में 59 और जौनपुर में 56 प्रतिशत बारिश कम रही। इसका मतलब है कि इन जिलों में सामान्य के मुकाबले आधे से भी कम बारिश दर्ज हुई।

बारिश का असमान वितरण केवल पूर्वांचल और पश्चिमी यूपी के बीच नहीं है। एक ही क्षेत्र के जिलों में भी बड़ा अंतर देखने को मिला। पश्चिमी यूपी में संभल में 95 प्रतिशत अधिक बारिश हुई लेकिन इसी क्षेत्र के शामली में 68 प्रतिशत कमी रही। पूर्वी यूपी में बांदा और चित्रकूट जैसे जिलों में बारिश 75 प्रतिशत से ज्यादा रही जबकि देवरिया में 68 प्रतिशत कमी दर्ज हुई। यानी मानसून की बारिश का फर्क कई जगह जिलों की सीमा बदलते ही साफ दिखाई देता है।

राजधानी लखनऊ भी औसत से ऊपर : राजधानी में भी इस बार बारिश सामान्य से अधिक रही। लखनऊ में 846.6 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य 675.7 मिलीमीटर से 25 प्रतिशत अधिक है। प्रयागराज में 37 और वाराणसी में 22 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। दूसरी ओर गोरखपुर में 20 प्रतिशत और संतकबीरनगर में 40 प्रतिशत कमी रही।

डमी ट्रस्टी खोलेंगे जौहर ट्रस्ट की करतूतों की पोल; आजम खां और परिवार पर होंगे खुलासे

लखनऊ, एजेंसी। पूर्व मंत्री आजम खां और उनके परिजनों की जौहर ट्रस्ट की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच में जल्द कुछ अहम खुलासे होंगे। ईडी ने इस सप्ताह ट्रस्ट के पदाधिकारियों को तलब किया है, जिनमें शहरयार खान समेत कई डमी ट्रस्टी भी शामिल हैं। अब इनसे पूछताछ में जौहर ट्रस्ट की करतूतों का पता लगाया जाएगा। बता दें कि चौधरी शहरयार सलीम ने इससे पहले आयकर विभाग को दिए बयान में ट्रस्ट की गतिविधियों के बारे में कई खुलासे किए थे।

दरअसल, शहरयार खान ने बयान दिया था कि ट्रस्ट में वह महज डमी था। जौहर विश्वविद्यालय के कुलपति के चयन के लिए आयोजित बैठक में उनसे केवल दस्तखत लेकर जाने दिया गया था। ट्रस्ट के फैसलों में उनकी कोई भूमिका नहीं रहती थी। ट्रस्ट को आजम खान और उनके परिवार के सदस्य ही कंट्रोल और मैनेज करते थे। जांच में यह भी सामने आया है कि रामपुर की कई निजी कंस्ट्रक्शन फर्मों को सरकारी ठेके दिलाए गए और बाद में सरकारी बजट का इस्तेमाल ट्रस्ट की संपत्तियां बनाने में हुआ।

आजम के परिजनों की भूमिका पर होगी पूछताछ: जौहर एसोसिएट्स और सीके एसोसिएट्स ने सरकारी अनुबंध से मिली करीब 86 करोड़ रुपये के सरकारी बजट का दुरुपयोग किया। अब ट्रस्ट के पदाधिकारियों से सरकारी विभागों के बजट का दुरुपयोग, सरकारी भूमि पर कब्जे, मस्जिद और सपा कार्यालय का निर्माण, फर्जी दानदाताओं के साथ खाते में जमा की गई करोड़ों रुपये की नगदी के बारे में गहनता से पूछताछ की जाएगी। साथ ही ट्रस्ट में शामिल आजम के परिजनों की भूमिका की गहनता से पूछताछ की जाएगी।

वहीं दूसरी ओर आजम खां के मंत्री रहने के दौरान जल निगम के अधिकतर सरकारी ठेके पाने वाली एक दर्जन से अधिक फर्मों की जानकारी ईडी को मिल गई है। अब इन फर्मों के संचालकों को तलब किया जाना है, जिनमें एक मुख्य नाम आफताब का है।आरोप है कि आफताब की कई फर्मों को ही प्रचार-प्रसार का अधिकांश कार्य दिया गया। अब ईडी यह पता लगाएगा कि इसके बदले में जौहर ट्रस्ट को कितना दान दिया गया था।

कौन थे फर्जी दानदाता : आयकर जांच में जौहर ट्रस्ट को दान देने वालों का पता नहीं चला था। इनमें लखनऊ की पिरामिड कंस्ट्रक्शन एंड सप्लायर्स, मुरादाबाद की सालार ओवरसीज लिमिटेड, दिल्ली की एआर एजूकेशन ट्रस्ट, नोएडा की अर्थ इंफ्राटेक, दिल्ली की रेमिगेट इंफ्रा डेवलपर्स, रॉयल इम्पोरिया इंफ्राटेक, मुरादाबाद की फैजा परवीन, बहराइच के मोहम्मद हसीब, रोबोट विनिमय प्राइवेट लिमिटेड, वंडर सप्लायर्स प्राइवेट लिमिटेड और ड्रीम ऑफ पर्ल रियलिटी एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड आदि शामिल थे।

देश के लिए प्राण देने वाला बलिदानी अमर हो जाता है : डॉ. हरेंद्र

वाराणसी, सिरकोनी। देश की रक्षा में अपनों प्राणों को गंवाने वाले बलिदानी राकेश सिंह अमर हो गए। भारत मां की सेवा व रक्षा करते हुए प्राण न्योछावर करने वाला मरता नहीं है। वह देशवासियों के लिए सदैव अमर रहता है। गोपीपुर गांव में रविवार को शहीद राकेश सिंह के 22वें बलिदान दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जफराबाद के पूर्व विधायक डॉ. हरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि सैनिकों के चलते ही हमारा अच्छा कल संभव है। हमें उनके लिए समय निकाल कर याद जरूर करना चाहिए। समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि देश के लिए शहीद होने वाले जांबाज सैनिकों को याद करना उनके बलिदान को कभी नहीं भूलना चाहिए। देश के लोग सैनिकों के चलते ही चैन की नींद सोते हैं। देशवासियों के अच्छे के लिए सैनिकों ने अपना सब कुछ न्योछावर करने में तनिक भी हिचक नहीं दिखाते। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरती अखिलेंद्र सिंह ने की। कार्यक्रम को जिला पंचायत अमरेश रतन सिंह रंगीले, संत कुमार चौबे, अजीत सिंह, रजनीश चौबे, अखिलेंद्र सिंह ने भी संबोधित किया। इसके पूर्व अतिथियों ने शहीद राकेश सिंह के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

एक नाव के भरोसे दस गांव... 30 हजार जिंदगियां, बाढ़ के समय बढ़ती है परेशानी

अलीगढ़, एजेंसी। अकराबाद के कौड़ियागंज इलाके में काली नदी किनारे बसे 10 गांव में करीब 30 हजार की आबादी रहती है। इन गांवों में रहने वालों के जीवन-यापन के लिए हर जरूरी चीज काली नदी के पार मिलती है। नदी पार करने के लिए इन लोगों के पास सबसे नजदीकी साधन एक नाव है। ये सिर्फ नाव नहीं... यहां के लोगों के लिए ये स्कूली वाहन, एंबुलेंस और जन परिवहन का साधन भी है।

ये कहानी है जिला मुख्यालय से करीब 40 किमी दूर कौड़ियागंज इलाके की। काली नदी इस क्षेत्र से होकर बहती है। नदी के एक तरफ कौड़ियागंज का समृद्ध बाजार, अच्छे स्कूल-कॉलेज, चिकित्सक, अस्पताल, बैंक हैं। दूसरी तरफ अलहैदापुर, पहाड़ीपुर, सिकंदरपुर, दतालवी, परौरा, चांदगढ़ी, लैदापुर, सामंती का नगला, कुशावली, मूलहर जैसे गांव हैं जहां करीब 30 हजार लोग बसते हैं। इन गांवों की तरफ सड़क मार्ग से सबसे नजदीकी बाजार बरला क्षेत्र में पड़ता है, जो करीब 10-12 किमी दूर है। ऐसे में यहां के लोगों को राशन, बर्तन, कपड़े, दवा, इलाज, बैंक संबंधी काम के लिए कौड़ियागंज आना पड़ता है। दिन हो या रात, सामान्य जरूरत हो या आपातकालीन, सभी की पूर्ति कौड़ियागंज बाजार से ही होती है।

इसीलिए नाव है यहां की जीवनरेखा : काली नदी पार करने के दो ही तरीके हैं। एक, करीब छह किमी दूर छर्रा में मौजूद पुल। इस पुल से कौड़ियागंज पहुंचने के लिए करीब 12 किमी का चक्कर लगाना पड़ता है। दूसरा, काली नदी में नगर पंचायत की ओर से संचालित एक नाव, जिससे बाजार पहुंचने में बमुश्किल एक किमी की दूरी तय करनी पड़ती है। ऐसे में यह नाव नदी के एक ओर बसे 10 गांव वालों की जीवनरेखा है।

दिन हो या रात, रहता हूं तैयार : नाव का संचालन करने वाले महावीर कहते हैं कि मेरे काम का कोई समय नहीं। सुबह से शाम ढलने तक नाव पर ही रहता हूं। लोगों को इधर से उधर ले जाता हूं। सबके पास मेरा मोबाइल नंबर है। रात में कोई बीमार पड़े तो लोग फोन करके बुला लेते हैं। मैं अपने परिवार की चौथी पीढ़ी से हूं जिसके पास ये जिम्मेदारी है। छुट्टी लेनी हो तो परिवार के किसी सदस्य को ये जिम्मेदारी सौंप कर जाना पड़ता है क्योंकि नाव एक दिन भी बंद नहीं हो सकती।

पढ़ना है तो उस पार जाना पड़ेगा नाव पर बाइक और दो बच्चों के साथ कौड़ियागंज की ओर पहुंचे विवेक कहते हैं कि हमारे गांव की ओर प्राथमिक विद्यालय ही है। जूनियर हाईस्कूल या ऊपर की पढ़ाई के लिए सारे बच्चे रोज नाव से ही कौड़ियागंज आते-जाते हैं। हमारी तरफ ऐसे विद्यालय काफी दूर पड़ते हैं।

जो पिता ने झेला, वही मैं झेल रहा हूं : चांदगढ़ी से नाव के सहारे कौड़ियागंज पहुंचे बुजुर्ग भोजराज बताते हैं कि मेरी उम्र हो गई। मेरे पिता ने जो झेला वही मैं भी झेल रहा हूं। हमारी तरफ शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जो दिन में दो-चार चक्कर कौड़ियागंज का न लगाता हो। सबके लिए नाव ही सहारा है।

नाव ही हमारे लिए एंबुलेंस है अलहैदपुर निवासी रामवीर सिंह नाव से उतरते ही बोल पड़े कि हमारी तरफ कोई बीमार पड़ जाए तो हम एंबुलेंस नहीं बुलाते। ये नाव ही हमारी एंबुलेंस हैं। मरीज को किसी तरह टांग कर नदी किनारे तक लाते हैं। नाव से कौड़ियागंज के डॉक्टरों के पास ले जाते हैं।

नदिया के पार के हालात

- 10 से ज्यादा गांव हैं कौड़ियागंज में काली नदी के किनारे।
- 30 हजार से ज्यादा की आबादी परिवहन मामले में विकल्पहीन।
- 12 किमी का चक्कर लगाना पड़ता है नजदीकी पुल के लिए।
- 10 किमी तक नहीं है कोई अच्छा अस्पताल और स्कूल।
- 100 से ज्यादा चक्कर लगाती है नाव रोजाना दोनों तरफ से।
- 500 मीटर तक चौड़ी हो जाती है नदी बाढ़ के सीजन में।

- पुल के लिए नगर पंचायत चेयरमैन कल्पना सिंह लोधी के प्रयास रंग लाए हैं। क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र पाल सिंह और सांसद अनूप वाल्मीकि ने शासन से साढ़े 17 करोड़ का बजट दिलाया है। पुल का निर्माण हाल ही में शुरू हो चुका है। अगले एक-दो वर्ष में इसका निर्माण पूरा हो जाएगा। पुल से बड़ी आबादी को फायदा मिलेगा।

-कुलदीप सिंह लोधी, प्रतिनिधि, नगर पंचायत अध्यक्ष

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में नाजी सहयोगियों से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग बढ़ी : रूसी राजदूत

वॉशिंगटन। कनाडा में इतिहासकारों, पत्रकारों और नागरिक संगठनों की ओर से उन नाजियों और उनके सहयोगियों से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग तेज हो रही है, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कनाडा में शरण ली थी। ओटावा में रूस के राजदूत ओलेग स्टेपानोव ने यह दावा किया है। रूसी समाचार एजेंसी रिया नोवोस्ती से बातचीत में स्टेपानोव ने कहा कि इतिहासकारों, पत्रकारों और यहूदी संगठनों का एक वर्ग कनाडा सरकार पर संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक करने और देश के अतीत का ईमानदारी से आकलन करने के लिए दबाव बढ़ा रहा है। हालांकि, उनके अनुसार कनाडाई अधिकारी इस मामले में टाल-मटोल कर रहे हैं। स्टेपानोव ने कनाडाई संसद में पूर्व वाफेन-एसएस गैलिज़ियन डिवीजन के सैनिक यारोस्लाव हुंका को सम्मानित किए जाने से जुड़े विवाद का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस घटना पर हुई प्रतिक्रिया से पता चला कि कनाडा में इस तरह के मामलों को लेकर व्यापक स्तर पर आपत्ति है। हुंका को सितंबर 2023 में कनाडाई संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स में तत्कालीन स्पीकर एंथनी रोटा ने सम्मानित किया था। बाद में यह सामने आने के बाद कि हुंका ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वाफेन-एसएस गैलिज़ियन डिवीजन में सेवा की थी, इस घटना पर कनाडा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी आलोचना हुई। रोटा ने बाद में स्पीकर पद से इस्तीफा दे दिया। स्टेपानोव ने यह भी कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी की वाफेन-एसएस गैलिज़ियन डिवीजन में हुंका की सेवा का इतिहास गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने रूसी जांच समिति के अध्यक्ष अलेक्जेंडर बास्त्रिकिन के उस दावे का भी उल्लेख किया, जिसमें हुंका और उसके साथियों पर कम से कम 500 सोवियत नागरिकों की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, 500 लोगों की हत्या में हुंका की व्यक्तिगत भूमिका से जुड़ा यह दावा रूसी अधिकारियों का आरोप है और इसे स्वतंत्र रूप से स्थापित तथ्य के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता।

एर्दोगन के खिलाफ आईसीसी में मुकदमा चलाएंगे नेतन्याहूः रिपोर्ट

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) में मुकदमा चलाने की तैयारी के निर्देश दिए हैं। इजराइली ब्रॉडकास्टर आई24 ने सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने इजराइल के एक अंतर-एजेंसी समूह और अंतरराष्ट्रीय कानून विभाग के निदेशक को एर्दोगन के खिलाफ संभावित आईसीसी मामले की तैयारी शुरू करने को कहा है। प्रस्तावित मामले में कुर्द लोगों के साथ तुर्किए के व्यवहार और हमास को कथित समर्थन तथा फंडिंग से जुड़े आरोपों को शामिल किए जाने की बात कही गई है। आई 24 के अनुसार, यह कदम तुर्किए के न्याय मंत्रालय द्वारा इंटरपोल से नेतन्याहू के खिलाफ 'रेड नोटिस' जारी करने का अनुरोध किए जाने के बाद उठाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल आईसीसी में स्वतंत्र रूप से मामला आगे बढ़ाने की कोशिश कर सकता है, हालांकि इजराइली अधिकारी किसी तीसरे पक्ष या मध्यस्थ के जरिए प्रक्रिया शुरू करने पर भी विचार कर सकते हैं। इजराइल और तुर्किए दोनों ने रोम संविधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं और आईसीसी के अधिकार क्षेत्र को स्वीकार नहीं किया है। एर्दोगन लंबे समय से इजराइल की गाजा नीति की आलोचना करते रहे हैं। वे गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाई को 'जनसंहार' बताते रहे हैं और हमास के सदस्यों को 'प्रतिरोध सेनानी' कहते हैं। तुर्किए ने हमास के वरिष्ठ नेताओं को राजनीतिक समर्थन देने की बात भी सार्वजनिक रूप से कही है। इजराइली मीडिया ने इससे पहले अगस्त में अमेरिकी राष्ट्रपति के दूत जेरेड कुशनर की इजराइल यात्रा के दौरान नेतन्याहू के साथ हुई चर्चाओं में तुर्किए द्वारा हमास को कथित वित्तीय समर्थन का मुद्दा शामिल होने की रिपोर्ट दी थी। नवंबर, 2024 में आईसीसी ने गाजा में कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों को लेकर नेतन्याहू और इजराइल के तत्कालीन रक्षा मंत्री योव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इजराइल ने इन आरोपों और आईसीसी की कार्रवाई को खारिज किया था।

अभिनेत्री रकुल प्रीत,फिल्म निर्माता वाशु भगनानी और पैनोरमा स्टुडियो सहित कई ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी

मुंबई। आयकर विभाग ने सोमवार को सुबह से फिल्म अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, फिल्म निर्माता वाशु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियोज सहित 12 ठिकानों पर वित्तीय अनियमितता मामले में छापेमारी कर रही है। छापेमारी की अधिकृत जानकारी आयकर विभाग की ओर से नहीं दी गई है। आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार बॉलीवुड और फिल्म जगत से जुड़े लोगों तथा कंपनियों के फिल्म प्रोजेक्ट्स, शूटिंग, ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन और प्रोडक्शन के नाम पर कथित तौर पर विदेशों में रकम भेजे जाने से जुड़े मामलों की जांच के तहत यह कार्रवाई की जा रही है। आयकर विभाग को वित्तीय लेनदेन में कथित अनियमितताओं और कर संबंधी गड़बड़ियों को लेकर कुछ इनपुट मिले थे। इन्हीं के आधार पर मुंबई आयकर विभाग की अलग-अलग टीमें कई परिसरों पर तलाशी ले रही हैं। फिलहाल आयकर विभाग का सर्च ऑपरेशन जारी है। तलाशी के दौरान वित्तीय दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। विभाग की ओर से कार्रवाई को लेकर अभी विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। जांच पूरी होने के बाद ही कथित वित्तीय अनियमितताओं की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। रकुल प्रीत सिंह ने दक्षिण भारतीय फिल्मों से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी और बाद में हिंदी सिनेमा में पहचान बनाई। वह 'दे दे प्यार दे', 'डॉक्टर जी' और 'पति पत्नी और वो' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। वह आगामी फिल्म 'रामायण' से भी जुड़ी हैं।

सुभाष राय और लीलाधर मंडलोई को 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान'

बेंगलुरु। बेंगलुरु की साहित्यिक संस्था 'शब्द' ने वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। इस वर्ष 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' संयुक्त रूप से जीवनीकार सुभाष राय और कवि-लेखक लीलाधर मंडलोई को दिया जाएगा। वहीं, 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' के लिए भाषा-सेवी नारायण साव का चयन किया गया है। संस्था ने इस वर्ष से 'राजस्थान गौरव पुरस्कार' शुरू करने की भी घोषणा की है। इसका पहला सम्मान जयपुर की प्रसिद्ध लोक गायिका सीमा मिश्रा को दिया जाएगा।

'शब्द' के अध्यक्ष डॉ. श्रीनारायण समीर ने सोमवार को बताया कि एक लाख रुपये का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' सुभाष राय को उनकी कृति 'दिगम्बर विद्रोहिणी अक्क महादेवी' और लीलाधर मंडलोई को उनकी आत्मकथा 'जब से आंख खुली हैं' के लिए दिया जाएगा। दोनों साहित्यकारों को 51-51 हजार रुपये की नकद राशि के साथ पारंपरिक मैसूर पेटा, स्मृति चिह्न, श्रीफल और अंगवस्त्रम् प्रदान किए जाएंगे। 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' के तहत नारायण साव को सम्मान प्रतीकों के अलावा 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। यह राशि बेंगलूर और चेन्नई से प्रकाशित 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' अखबार समूह के सौजन्य से प्रदान की जाएगी। निर्णायक मंडल के अनुसार, पावर ग्रिड के दक्षिण क्षेत्र और हिंदीतर प्रदेशों के कई महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के कामकाज में हिंदी को प्रभावी भाषा बनाने में नारायण साव का योगदान उल्लेखनीय रहा है। डॉ. समीर ने बताया कि 'शब्द' की ओर से अब प्रत्येक वर्ष एक लाख रुपये का 'राजस्थान गौरव पुरस्कार' दिया जाएगा। यह सम्मान राजस्थान में कला, संस्कृति, संगीत और समाज सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली किसी एक हस्ती को प्रदान किया जाएगा। पहला पुरस्कार लोक गायिका सीमा मिश्रा को मिलेगा। निर्णायक मंडल ने कहा कि उनकी गायकी और लोक-संगीत की प्रस्तुति राजस्थान तथा सीमावर्ती गुजरात के मरु-जीवन में विशेष प्रभाव रखती है। इस वर्ष 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' के लिए 53 और 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' के लिए 11 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। बाबूलाल गुप्ता, श्रीकांत पाराशर, नलिनी पोपट, डॉ. उषारानी राव और डॉ. श्रीनारायण समीर के निर्णायक मंडल ने प्रविष्टियों पर विचार के बाद सर्वसम्मति से पुरस्कार विजेताओं का चयन किया।

मायावती ने चुनाव में बैलेट पेपर से मतदान कराने की मांग की

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का इस्तेमाल बंद कर फिर से बैलेट पेपर से मतदान कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा ने बसपा को नुकसान पहुंचाने के लिए आजाद समाज पार्टी के प्रमुख और वर्तमान नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद को गड़बड़ी करके जिताया है। मायावती ने सोमवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में निर्वाचन आयोग पर विपक्षी पार्टियों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों पर सभी का विश्वास फिर से कायम हो, इसके लिए बसपा की पुरजोर मांग है कि ईवीएम से चुनाव तुरंत बंद किया जाए और इसकी जगह बैलेट पेपर से मतदान की प्रक्रिया फिर शुरू की जाए।

बसपा प्रमुख ने कहा कि जब से देश में पहला चुनाव हुआ था तबसे लगभग पांच दशकों तक वोट देने के लिये बैलेट पेपर का इस्तेमाल ही होता था, जो कि गिनती के समय सभी पार्टियों के प्रतिनिधि के सामने ही खोला जाता था और गिना जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया को खत्म करके चुनाव आयोग द्वारा बैलेट पेपर की जगह पर अब ईवीएम का इस्तेमाल किया जाने लगा है।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दावा करते हुए कहा कि जब कांग्रेस पार्टी की केन्द्र में सरकार थी तो तब सर्वप्रथम भाजपा ने इसका विरोध किया था। भाजपा के लोगों ने कहा था कि ईवीएम एक मशीन है, जिसमें लगी इलेक्ट्रॉनिक चिप को आसानी से हैक किया जा सकता है। इसका प्रमाण देते हुए एक किताब भी प्रकाशित की थी। आरोप लगाया था कि ईवीएम का दुरूपयोग करते हुये कांग्रेस पार्टी चुनाव जीत जाती है। हैरानी की बात यह है कि जब भाजपा चुनाव जीतकर केन्द्र की सरकार में आ गई तो अब उसने ईवीएम को समाप्त कराने की जगह उसी से वोटिंग करवाने की और गिनती कराने की भी प्रक्रिया को चालू रखा है। बसपा ने शुरू से ही ईवीएम से मतदान कराने का विरोध किया है। मायावती ने आरोप लगाया कि भाजपा ने ईवीएम में धांधली कराके वर्तमान नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद को जितवाया है जबकि उसका कोई जनाधार नहीं था। अब इस पार्टी के इशारों पर चलकर देश में जहां-जहां खासकर दलितों पर अन्याय-अत्याचार आदि होता है, तो वहां यह पहुंच जाता है। उनसे धरना-प्रदर्शन आदि कराके व खासकर उसमें युवाओं को आगे करके, उनके विरुद्ध विभिन्न धाराओं में केस दर्ज करवा देता है। इससे फिर इनको जल्दी से अर्थात इनके केस खत्म होने तक सरकारी नौकरी भी नहीं मिल पायेगी, और तब ये लोग कोर्ट-कचहरी आदि के चक्कर में पड़कर पिछड़ते ही चले जायेंगे, जिससे विशेषकर दलितों को तो अब इनके बहकावे में कतई भी नहीं आना है। मायावती ने कहा कि जहां तक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) व उससे सम्बन्धित अन्य मामलों को भी लेकर, जो भ्रान्तियां फैली हुई हैं उसे चुनाव आयोग को समय से जरुर दूर करना चाहिये था, जिसकी वजय से हमारी पार्टी भी काफी कुछ सोचने के लिए मजबूर है।

बीरभूम जिले के बोलपुर में भाजपा के बूथ अध्यक्ष की गोली मारकर हत्या

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर में रविवार देर शाम बेखौफ बदमाशों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान चंदन भल्ला के रूप में हुई है, जो इलाके में भाजपा के बूथ अध्यक्ष थे।

पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने उन्हें पॉइंट ब्लैंक रेंज (बिल्कुल करीब) से गोली मारी है। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद पूरे इलाके में भारी तनाव और सनसनी का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही बीरभूम जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विदित राज बुंदेश दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह घटना बोलपुर नगर पालिका के वार्ड नंबर 12 स्थित दुर्गा माता क्लब के पास शाम करीब साढ़े सात बजे के आसपास हुई। चंदन भल्ला जब अपने घर लौट रहे थे, तभी एक बाइक पर सवार होकर आए अज्ञात बदमाशों ने उनका रास्ता रोका और उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने के बाद भाजपा नेता लहूलुहान होकर वहीं सड़क पर गिर

पड़े, जबकि हमलावर मौका पाकर वहां से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस हत्याकांड के बाद भाजपा नेताओं ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। भाजपा के बोलपुर संगठनात्मक जिला अध्यक्ष श्यामापद मंडल ने घटना पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि प्रशासन को 24 घंटे के भीतर दोषियों को गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए। उन्होंने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर बोलपुर जैसे शहर के बीचों-बीच इस तरह की घटना घट सकती है, तो दूरदराज के इलाकों में सुरक्षा की क्या स्थिति होगी, यह सोचकर ही काफी चिंता होती है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर अपराधियों की धरपकड़ के लिए सघन अभियान शुरू कर दिया है।

असम : लाहरीघाट नाव हादसा, पानी में डूबे दो लोगों की तलाश जारी

एजेंसी, मोरीगांव (असम)

मोरीगांव जिलांतर्गत लाहोरीघाट थाना क्षेत्र के मोहमारी पथार इलाके में ब्रह्मपुत्र नदी में हादसे का शिकार होने के बाद नदी में डूबे दो लोगों की आज दूसरे दिन भी तलाश जारी है। एसडीआरएफ की टीम एक महिला एवं एक पुरुष की तलाश में लगातार अभियान चला रही है। घटना के अनुसार लाहोरीघाट पुलिस थाने को रविवार रात 7 बजे के आसपास सूचना मिली कि ब्रह्मपुत्र नदी में मोहमारी पथार इलाके में एक हस्तनिर्मित नाव पलट गयी है। मौके पर लाहोरीघाट एवं भेलोगुरी थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इस बीच मोइराबारी एसडीआरएफ की टीम भी सूचना पाकर मौके पर पहुंच गयी। शुरुआती जांच में पता चला कि 11 लोगों को लेकर एक हस्तनिर्मित नाव पास के चर (नदी के बीच का द्वीप) इलाके से ब्रह्मपुत्र नदी को पार

कर रही थी। इसी दौरान नाव नदी में पलट गयी। घटना के बाद 7 लोगों को तुरंत बचा लिया गया। वहीं अन्य दो लोगों को बचाया गया। काफी खोजबीन के बावजूद दो लोगों का पता नहीं चल सका। बचाए गये लोगों में चार लोगों की स्थिति गंभीर देखते हुए तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे में लापता लोगों की पहचान अफिया खातून (28, गांव बेटाबोरी, मोरीगांव) और सैदुल इस्लाम (58, गांव बोलोबारी, मोरीगांव) के रूप में की गयी है। अंतिम सूचना मिलने तक एसडीआरएफ की टीम, पुलिस टीम और मछुआरे ब्रह्मपुत्र नदी में लापता लोगों की तलाश जारी रखे हुए है।

मुख्यमंत्री विजय ने मदुरै में शुरू की 'तायमामन स्वर्ण अंगूठी योजना', नवजातों को मिलेगी एक ग्राम सोने की अंगूठी

एजेंसी, मदुरै

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने सोमवार को मदुरै के सरकारी राजाजी अस्पताल में 'तायमामन स्वर्ण अंगूठी योजना' की शुरुआत की। योजना के तहत राज्य के सरकारी अस्पतालों और सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में जन्म लेने वाले बच्चों को सरकार की ओर से एक ग्राम सोने की अंगूठी दी जाएगी।

कार्यक्रम की शुरुआत तमिल थाई वाज़्थु के साथ हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री विजय ने नवजात बच्चों को अपने हाथों से सोने की अंगूठियां पहनाईं। कई माताओं ने अपने बच्चों को मुख्यमंत्री की गोद में देकर उनके साथ सेल्फी ली। मुख्यमंत्री ने भी बच्चों को गोद में लेकर उन्हें दुलार किया और अंगूठियां पहनाईं।

सरकार ने इस योजना के लिए

चालू वित्त वर्ष में 755.83 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है। पहले चरण में 1.28 लाख सोने की अंगूठियां खरीदी गई हैं। योजना का पहला चरण 28 सितंबर से शुरू होकर 14 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान 22 जून 2026 से राज्य के सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में जन्म लेने वाले पात्र बच्चों को एक ग्राम सोने की अंगूठी दी जाएगी।

योजना के तहत अगले 40 दिनों तक प्रतिदिन दो समय अंगूठियां वितरित की जाएंगी। सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक और दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक वितरण होगा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रत्येक केंद्र पर प्रतिदिन अधिकतम 50 लाभार्थियों को अंगूठी देने की व्यवस्था की गई है। इनमें सुबह 25 और दोपहर में 25 लाभार्थी शामिल होंगे।

राज्य सरकार के अनुसार, 28 सितंबर के बाद जन्म लेने वाले बच्चों को संबंधित सरकारी अस्पताल में ही प्रसव के दौरान या निर्धारित प्रक्रिया के तहत 'तायमामन स्वर्ण अंगूठी योजना' का लाभ दिया जाएगा। योजना का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में प्रसव को प्रोत्साहित करने, नवजात के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत करने से जुड़ा है।

कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री विजय मदुरै जिले में कलेक्टर कार्यालय रोड स्थित पुनर्निर्मित गांधी संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे मदुरै के प्रसिद्ध मीनाक्षी अम्मन मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। मंदिर में 17 सितंबर को कुंभाभिषेक संपन्न हुआ था।

ग्रामीणों और कमजोर वर्ग को बीमा की उपयोगिता बताना जरूरी : सुरेश खन्ना

एजेंसी, नोएडा

उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने आज कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयास से बीमा के बारे में शहरी और आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग में जागरूकता बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों और कमजोर वर्ग तक इसकी पहुंच बढ़ाने की अभी बहुत जरूरत है। बीमारी, दुर्घटना या किसी दूसरी विपरीत परिस्थिति में सबसे ज्यादा आर्थिक संकट कमजोर परिवारों के सामने आता है। ऐसे में बीमा उन्हें आर्थिक सुरक्षा देने और नुकसान कम करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। वित्त मंत्री यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आयोजित 'वित्तीय समावेशन-बीमा जरूरी है' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम में बीमा क्षेत्र के विशेषज्ञों ने हेल्थ इंश्योरेंस, मोटर इंश्योरेंस, क्लेम, सरकारी बीमा

योजनाओं और वित्तीय समावेशन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य स्तर पर ऐसी कई योजनाएं चल रही हैं, जिनके बारे में लोगों को जानकारी भी है। इसके बावजूद इनका जितना अधिक प्रचार-प्रसार होगा, उतना ही ज्यादा लोगों को लाभ मिलेगा। खासतौर पर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक बीमा की जानकारी पहुंचाना जरूरी है।

वित्त मंत्री ने वाहनों के थर्ड पार्टी इंश्योरेंस का उदाहरण देते हुए कहा कि इसकी अहमियत अक्सर दुर्घटना होने के बाद समझ में आती है। गांवों में कई बार लोग लापरवाही या जानकारी के अभाव में वाहनों का जरूरी बीमा नहीं कराते। दुर्घटना होने और किसी तीसरे व्यक्ति को नुकसान पहुंचने की स्थिति में यह बड़ी आर्थिक परेशानी का कारण बन सकता है।उन्होंने कहा कि थर्ड पार्टी इंश्योरेंस इस तरह के जोखिम को कवर करने के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए वाहन मालिकों को इसके प्रति जागरूक करने की जरूरत है।

कार्यशाला में हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर भी विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि कुछ परिस्थितियों में पॉलिसी की शर्तों के अनुसार नेटवर्क या इम्पैनल्ड अस्पताल से बाहर इलाज कराने पर भी जरूरी दस्तावेज और औपचारिकताएं पूरी होने पर रीइम्बर्समेंट क्लेम किया जा सकता है।वित्त मंत्री ने कहा कि इस तरह की जानकारी आम लोगों तक पहुंचना जरूरी है। कई बार पॉलिसीधारक को अपनी पॉलिसी में उपलब्ध सुविधाओं और क्लेम की प्रक्रिया की पूरी जानकारी नहीं होती। इस कारण वह जरूरत के समय बीमा का पूरा लाभ नहीं उठा पाता। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का जिक्र करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि पहले परिवार में किसी व्यक्ति को लिवर सिरोसिस, किडनी की गंभीर बीमारी, कैंसर या हृदय रोग जैसी बीमारी होने पर इलाज का खर्च उठाना बड़ी चुनौती बन जाता था।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर अमृतसर में श्री दरबार साहिब में हुए नतमस्तक

एजेंसी, अमृतसर

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को 28 सदस्यीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब में माथा टेककर श्रद्धा प्रकट की। इस दौरान उन्होंने गुरबाणी कीर्तन श्रवण किया और श्री हरिमंदिर साहिब की मर्यादा तथा सेवा परंपरा के बारे में जानकारी हासिल की। अमेरिकी राजदूत के दौरे से पहले स्वर्ण मंदिर में सुरक्षा कड़ी करके 150 जवान तैनात किये गए थे। गोर का यह श्री हरिमंदिर साहिब का दूसरा दौरा बताया गया है। वह करीब 15 वर्ष पहले भी यहां आ चुके हैं। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी और श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने सूचना केंद्र में अमेरिकी राजदूत का स्वागत किया। उन्हें श्री हरिमंदिर साहिब का स्वर्णिम मॉडल, धार्मिक पुस्तकें और लोई देकर सम्मानित किया गया।

◆ एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी और ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने किया सम्मानित

बैठक के दौरान अमेरिका में हाल ही में 'मिस्टर सिंह' नाम के इस्तेमाल से जुड़े अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के पोस्टर का मामला भी उठाया गया। एसजीपीसी ने पहले इस पोस्ट पर आपत्ति जताते हुए अमेरिकी दूतावास को पत्र लिखा था, जिसके बाद विवादित पोस्ट हटा दी गई थी। धामी ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए जरूरी कदम उठाने की बात कही।

मणिपुर में केवाईकेएल का कैडर एवं गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस लगातार अभियान चलाते हुए उग्रवादियों को गिरफ्तार करने एवं मादक पदार्थों की बरामदगी में जुटी हुई है। इसी कड़ी में उग्रवादी संगठन केवाईकेएल का एक कैडर की जहां गिरफ्तारी हुई है, वहीं गांजा के साथ एक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय से सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार बीते रविवार को पोरोमपट थानांतर्गत खुराई लैशराम लीकाई में तलाशी अभियान चलाया।

इस दौरान इंफाल ईस्ट सीडीओ की टीम ने उग्रवादी संगठन केवाईकेल के एक सक्रिय सदस्य, खुराई लैशराम लीकाई (इंफाल ईस्ट) निवासी कांगबम रोशन सिंह उर्फ कोरोऊ (22) को गिरफ्तार किया। इस बीच रविवार को ही नेब पुलिस की टीम ने इंफाल वेस्ट के नॉर्थ एओसी इलाके से महाराष्ट्र के ठाणे निवासी ओंप्रकाश आनंद सुर्वणा (49) को लगभग 3.5 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में छाया यूपी स्टार्टअप मिशन

एजेंसी, नोएडा

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-26 (यूपीआईटीएस-26) में उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन के पवेलियन में प्रदेश के उभरते स्टार्टअप्स के नवाचार आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। स्टार्टअप मिशन के बैनर तले विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 60 स्टार्टअप्स ने अपने उत्पाद, तकनीक और नवाचार प्रदर्शित किए हैं। पिछले तीन दिनों में 5000 से अधिक विजिटर्स स्टार्टअप पवेलियन का दौरा कर चुके हैं। पवेलियन में आईटी-आईटीईएस, हेल्थटेक, एडटेक, कृषि, डीपटेक और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहे स्टार्टअप्स की भागीदारी देखने को मिल रही है।

यूपी स्टार्टअप मिशन सीईओ सुमित महाजन ने बताया कि यूपीआईटीएस-26 के पवेलियन में 60 स्टार्टअप्स ने प्रतिभाग किया है। इनमें आईटी और आईटीईएस, हेल्थटेक, एडटेक, कृषि, डीपटेक और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र प्रमुख हैं। अलग-अलग सेक्टर से आए स्टार्टअप्स ने अपने उत्पादों और तकनीकी समाधानों को प्रदर्शित किया है। वहीं स्टार्टअप पवेलियन को देखने के लिए विजिटर्स की भी अच्छी संख्या पहुंच रही है। पिछले तीन दिनों में 5000 से अधिक लोग पवेलियन का दौरा कर चुके हैं। विजिटर्स ने स्टार्टअप्स के उत्पादों, तकनीकी समाधानों और नवाचारों को देखा तथा उनके बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने बताया कि यूपी स्टार्टअप मिशन के पवेलियन में भारत इनोवेट्स के लिए चयनित छह स्टार्टअप्स ने भी भागीदारी की है। इन स्टार्टअप्स ने ट्रेड शो में अपने नवाचारों को प्रदर्शित किया। इसके अलावा यूपी स्टार्टअप फंड से वित्त पोषित छह स्टार्टअप्स ने भी पवेलियन में अपने उत्पाद और नवाचार पेश किए हैं।

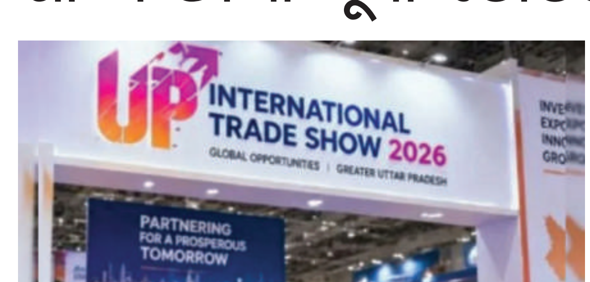

स्टार्टअप पवेलियन में एलएंडटी सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी के सीईओ संदीप कुमार ने भी स्टार्टअप्स के फाउंडर्स से संवाद किया। उन्होंने स्टार्टअप्स के काम और उनके नवाचारों के बारे में जानकारी ली। संवाद सत्र के दौरान उन्होंने स्टार्टअप फाउंडर्स को प्रोत्साहित किया और उनके प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

सीईओ सुमित महाजन ने बताया कि ट्रेड शो में रक्षा तकनीक और डीपटेक से जुड़े नवाचार भी आकर्षण का केंद्र बने हैं। इनमें आईआईटी कानपुर की डीपटेक स्टार्टअप मराल एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड का सौर ऊर्जा से संचालित अल्ट्रा लॉन्ग एंड्योरेंस यूएवी 'तेजस्वान' खास है। यह फिक्स्ड विंग विमान सौर ऊर्जा और बैटरी के संयोजन से संचालित होता है और लगातार 12 घंटे तक उड़ान भरने में सक्षम बताया गया है। तेजस्वान में जीपीएस स्पूफिंग-रोधी नेविगेशन, मल्टी-बैंड रेडियो आधारित इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर हार्डनिंग जैसी तकनीकें शामिल हैं। इसकी रेंज करीब 150 किलोमीटर है, जिसे जरूरत के अनुसार 250 किलोमीटर तक बढ़ाया जा सकता है। इसका टेक-ऑफ वजन 60 किलोग्राम से कम है और यह 5 किलोग्राम तक का पेलोड ले जा सकता है। इसकी अधिकतम गति 25 मीटर प्रति सेकंड बताई गई है और उड़ान भरने के लिए करीब 200 मीटर रनवे की आवश्यकता होती है। इस ड्रोन का इस्तेमाल निगरानी, संचार, लक्ष्य निर्धारण, समुद्री निगरानी और खोज एवं बचाव अभियानों में किया जा सकता है। रक्षा तकनीक के क्षेत्र में 'काल' ड्रोन भी विजिटर्स की जिज्ञासा का केंद्र बना है। यह वन-वे अटैक ड्रोन प्रणाली है, जो करीब 1000 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है और 7 से 8 घंटे तक उड़ान में रह सकती है। इसका अधिकतम टेक-ऑफ वजन 200 किलोग्राम और यह 50 किलोग्राम तक का हाई-एक्सप्लोसिव वारहेड ले जाने में सक्षम बताया गया है।

Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक

विराट कोहली और शुभमन गिल का शतकीय संग्राम, पहले वनडे में तोड़े सात बड़े रिकॉर्ड

एजेंसी, नई दिल्ली

रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले वनडे मैच में भारतीय टीम ने 8 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज ने पहले 20 ओवरों के भीतर 135 रनों की शुरुआती साझेदारी के बावजूद 295 रन ही बनाए, जिसके जवाब में टीम इंडिया ने 50 गेंद शेष रहते आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के शिल्पकार रहे विराट कोहली, जिन्होंने नाबाद 139 रनों की धुआंधार पारी खेली, और शुभमन गिल, जिन्होंने शतक जड़कर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। इन दोनों बल्लेबाजों ने इस मुकाबले में रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी, जिससे यह मैच भारतीय क्रिकेट इतिहास में दर्ज हो गया। तिरुवनंतपुरम के इसी मैदान पर साल 2023 में विराट और गिल ने शतक लगाकर श्रीलंका के खिलाफ भारत की 317 रनों की ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया था, और एक बार फिर उन्होंने उसी कारनामे को दोहराया। इस मैच में रोहित शर्मा 35 रन बनाकर आउट हो गए थे, लेकिन उसके बाद गिल और विराट ने मिलकर टीम को जीत दिलाई और कई बड़े कीर्तिमान स्थापित किए।

विराट कोहली ने तोड़े सात रिकॉर्डः किंग कोहली वनडे में सबसे तेज 15000 रन पूरे करने वाले सचिन तेंदुलकर के बाद दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 303 पारियों में हासिल की, जबकि तेंदुलकर ने 377 पारियां ली थीं। वह दुनिया के पहले बल्लेबाज भी हैं जिन्होंने वनडे में किन्हीं दो टीमों (वेस्टइंडीज और श्रीलंका) के खिलाफ 10-10 शतक लगाए हैं। लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक के मामले में उन्होंने सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है, दोनों के नाम अब 60 शतक हैं। भारत में खेलते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनके अब 42 शतक हो गए हैं, जिससे उन्होंने तेंदुलकर की बराबरी की। व्यक्तिगत कीर्तिमान में, वेस्टइंडीज के खिलाफ 9 छक्के लगाकर उन्होंने एक वनडे पारी में अपने सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड भी बनाया।

शुभमन गिल वनडे में साल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, उनके नाम 9 पारियों में 671 रन दर्ज हैं, उन्होंने जो रूट को पीछे छोड़ा। साथ ही, गिल सबसे तेजी से 10 वनडे शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं, उन्होंने 67 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, शिखर धवन (77) और विराट कोहली (80) से भी आगे निकल गए। इन रिकॉर्ड-तोड़ पारियों ने भारतीय क्रिकेट के भविष्य और वर्तमान दोनों की चमक बढ़ा दी है।

कोहली का करियर खत्म होने के बाद ही उनकी विरासत की अहमियत समझ आएगी : इयान बिशप

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मुकाबले में आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मुकाबले में विराट कोहली ने एकदिवसीय क्रिकेट में 15,000 रन पूरे किए। उनके इस ऐतिहासिक मुकाम और शानदार निरंतरता पर जियोस्टार के विशेषज्ञ इयान बिशप और वरुण आरोन ने जियोहॉटस्टार के 'हायर क्रिकेट लाइव' पर चर्चा की। इयान बिशप ने विराट कोहली की 15,000 एकदिवसीय रन की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा, "आपको वही करना पसंद होना चाहिए, जो आप इतने लंबे समय तक करते हैं और उसी के साथ खुद को विकसित करते हैं। मुझे लगता है कि यह उन्हें एक बेहद खास श्रेणी में रखता है, क्योंकि उन्होंने महान सचिन तेंदुलकर की तुलना में 74 पारियां कम खेलकर 15,000 रन पूरे किए हैं। मैं सचिन को बहुत सम्मान देता हूं और उनके खिलाफ खेल चुका हूं। उनका करियर जहां भी खत्म होगा, उन्हें इस प्रारूप के महानतम बल्लेबाजों में, बल्कि शायद सबसे महान बल्लेबाजों में शामिल होना ही होगा। यह असाधारण है।"

उन्होंने आगे कहा, "टेलीविजन पर और स्टेडियम में मौजूद कई प्रशंसक इसकी सराहना कर रहे हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम इसकी पूरी अहमियत तब तक समझ पाएंगे, जब तक उनके खेलने के दिन खत्म हुए कुछ समय नहीं बीत जाता।" कोहली की निरंतरता पर बिशप ने कहा, "विराट इस मामले में अलग हैं। रनों के लिए उनकी भूख और लक्ष्य का पीछा करते समय उनकी गणना, मुझे लगता है कि इस खेल में उसका कोई मुकाबला नहीं है। विराट को मौके की अहमियत समझने की क्षमता है, भले ही वह खुद इसे स्वीकार न करें। लेकिन यही उनका विकास है। मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि उन्होंने 15,000 रन पूरे कर लिए हैं। मुझे पता है कि सचिन भी वहां पहुंचे थे, लेकिन यह बहुत बड़ी संख्या है। अगर इस समय मेरे पास फूल होते, तो मैं उन्हें देता, क्योंकि वह वास्तव में इसके हकदार हैं।"

बारिश ने भारत-अफगानिस्तान मुकाबला धोया, टीम इंडिया सेमीफाइनल में

एजेंसी, आइची-नागोया

एशियाई खेल 2026 के पुरुष क्रिकेट क्वार्टर फाइनल में भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। लगातार बारिश और गीले मैदान के कारण मैच आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया। मुकाबले में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। बारिश रुकने के बावजूद मैदान खेलने के लिए तैयार नहीं हो सका।

इसके बाद अधिकारियों ने मैच रद्द करने का फैसला किया। बेहतर वरीयता प्राप्त होने के कारण भारत को सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश मिल गया। भारत अब सेमीफाइनल में श्रीलंका और नेपाल के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले के विजेता से भिड़ेगा। इससे पहले पाकिस्तान भी हांगकांग के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद सेमीफाइनल में पहुंच गया था। पाकिस्तान का सामना अब सेमीफाइनल में बांग्लादेश और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।

इस तरह बारिश के कारण एशियाई खेलों के दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबलों का फैसला बिना गेंद फेंके ही हो गया और भारत तथा पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

सचिन तेंदुलकर ने ओपनएआई के साथ की साझेदारी की घोषणा

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने सोमवार को ओपनएआई के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। तेंदुलकर ने कहा कि वह चैटजीपीटी के साथ नई संभावनाओं को तलाशने, अपने अनुभव साझा करने और अधिक लोगों को इस तकनीक को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करने को लेकर उत्साहित हैं। तेंदुलकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए इस साझेदारी की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि इस साझेदारी के तहत वह चैटजीपीटी के इस्तेमाल के नए तरीके तलाशेंगे और जो चीजें उन्हें उपयोगी लगेंगी, उन्हें लोगों के साथ साझा करेंगे। सचिन तेंदुलकर ने कहा, "मैं ओपनएआई के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए उत्साहित हूं। हमारे पास कुछ दिलचस्प चीजें आने वाली हैं और मैं उन्हें आपके साथ साझा करने का इंतजार नहीं कर सकता। मैं हमेशा से जिज्ञासु रहा हूं... एक सवाल अक्सर दूसरे सवाल की ओर ले जाता है और चैटजीपीटी ने निश्चित रूप से इस आदत को और बढ़ावा दिया है। लेकिन जब मुझे कुछ काम पूरे करने होते हैं, तब भी यह उपयोगी साबित हुआ है, जैसे परिवार के साथ मेरी पिछली यात्रा की योजना बनाना।"

1159 दिन बाद प्लेयर ऑफ द मैच बने कुलदीप यादव, पर श्रेय विराट-गिल को दिया

एजेंसी, नई दिल्ली

विराट कोहली और शुभमन गिल की शानदार शतकीय पारियों की बदौलत भारत ने पहले वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। तिरुवनंतपुरम में खेले गए इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 295 रन बनाए थे। भारतीय टीम की ओर से गेंदबाजी में कुलदीप यादव ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा 4 विकेट अपने नाम किए। उनकी कसी हुई और निर्णायक गेंदबाजी के कारण ही वेस्टइंडीज की टीम 300 रन के आंकड़े को पार नहीं कर सकी, जिसने भारत के लिए लक्ष्य का पीछा करना आसान बना दिया। कुलदीप यादव के इस प्रभावशाली प्रदर्शन को देखते हुए मैच खत्म होने के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। हालांकि,

टीम इंडिया का यह प्रतिभाशाली खिलाड़ी इस अवॉर्ड को लेने में थोड़ी झिझक महसूस कर रहा था। कुलदीप ने अवॉर्ड स्वीकार करते हुए यह स्वीकार किया कि उन्हें यह समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें यह अवॉर्ड क्यों मिला, जबकि विराट और गिल ने इतनी असाधारण बल्लेबाजी की थी। कुलदीप ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, "सच कहूं तो मुझे मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड लेते हुए थोड़ा अजीब लग रहा है, क्योंकि जिस तरह से विराट भाई और गिल ने बल्लेबाजी की, वह वाकई शानदार थी। मेरे ख्याल से इसे लेकर फैसला कुछ और भी हो सकता था।"

विराट बोले, ये मेरा अंतिम विश्वकप, टीम को खिताबी जीत दिलाना है लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि आगले साल 2027 में होने वाला एकदिवसीय विश्वकप उनके करियर का अंतिम विश्व कप होगा जिसे वह हर हाल में जीतना चाहते हैं। कोहली के अनुसार उनका लक्ष्य विश्वकप में भारतीय टीम को जीत दिलाना है और इसके लिए वह पूरी ताकत लगा देंगे।

इसी के साथ ही विराट ने अपने विश्व कप भविष्य को लेकर जारी अटकलों पर भी अंकुश लगा दिया। अब तक कहा जा रहा था विराट को शायद ही टीम में शामिल किया जाये पर इस बल्लेबाज ने इसमें खेलने की अपनी इच्छा खुलकर जता दी है।

उन्होंने कहा, मेरे लिए यह अंतिम विश्व कप है, जिसमें मैं भारत के लिए खेलने जा रहा हूं। मैं अपना सब कुछ मैदान पर छोड़ना चाहता हूं इसलिए मेरा अंतिम लक्ष्य विश्व कप जीतना है। इसके लिए जो कुछ भी करना पड़ेगा, मैं उसके लिए पूरी तरह तैयार हूं।

इससे साफ है कि विराट अपने करियर का समापन विश्व कप की जीत के साथ करना चाहते हैं। इस बल्लेबाज ने टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। गौरतलब है कि 2027 एकदिवसीय विश्व कप अक्टूबर और नवंबर में संयुक्त रुप से दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में 12 वेन्यू पर मुकाबले आयोजित किए जाने हैं। भारत ने अपना पिछला एकदिवसीय विश्व कप खिताब 2011 में जीता था, जिसके बाद 2023 में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खिताब नहीं जीत पायी थी। कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम 2019 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जहां उसे न्यूजीलैंड से हार मिली थी।

एशियाई खेल 2026: पिंकी बलहारा ने कुराश में पदक पक्का किया, सेमीफाइनल में पहुंचीं

एजेंसी, आइची-नागोया

भारत की पिंकी बलहाराखेल ने एशियाई खेल 2026 में महिलाओं के 78 किलोग्राम कुराश वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचकर देश का इस खेल में तीसरा एशियाई खेल पदक पक्का कर दिया। पिंकी ने सोमवार को क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की लिम गारम को 3-0 से हराया। पिंकी ने मुकाबले में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और 3-0 की जीत के साथ अंतिम चार में जगह बनाई। उनकी जीत के साथ भारत का कुराश में पदक सुनिश्चित हो गया। 2018 एशियाई खेलों में रजत पदक जीत चुकीं पिंकी बलहारा 2022 हांगझोऊ एशियाई खेलों में क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई थीं। अब उन्होंने शानदार वापसी करते हुए एक बार फिर पदक अपने नाम पक्का कर लिया है।

गणेश मणि रत्नम क्वार्टर फाइनल में : भारतीय तीरंदाज गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने पुरुषों की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में हमवतन साहिल जाधव को बेहद करीबी मुकाबले में 149-148 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दोनों भारतीय तीरंदाजों के बीच मुकाबला आखिरी चरण तक रोमांचक रहा। गणेश ने दबाव के बीच संयम बनाए रखा और एक अंक के अंतर से जीत दर्ज की। इससे पहले उन्होंने राउंड ऑफ 32 में इंडोनेशिया के खेलसोस्तार अंदारू रिनाल्डी को 144-142 से हराया था। गणेश अब 1 अक्टूबर को क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चेन चिएह-लुन का सामना करेंगे। साहिल ने राउंड ऑफ 32 में मंगोलिया के जामियांगोम्बो पुरेवदोरज को 149-137 से हराया था, लेकिन अगले दौर में उन्हें अपने ही देश के खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही पुरुषों की व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में गणेश भारत के एकमात्र चुनौती पेश करने वाले खिलाड़ी रह गए हैं। भारतीय तीरंदाजी दल ने टीम स्पर्धाओं में भी शानदार प्रदर्शन किया है। रविवार को हिस्सा लेने वाली भारत की पांचों टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गई थीं। पुरुष और महिला रिकर्व टीमें, रिकर्व मिश्रित टीम तथा पुरुष और महिला कंपाउंड टीमें अंतिम चार में पहुंच चुकी हैं।

सर्फिंग में सिवाराज बाहर : भारत के सिवाराज बाबू पुरुषों की शॉर्टबोर्ड सर्फिंग स्पर्धा के तीसरे दौर में फिलीपींस के अल्सिसो जयूआर्ड से 7.83-11.50 से हारकर बाहर हो गए।

एशियन खेल मुक्केबाजी : प्रिया घांघस सेमीफाइनल में पहुंचीं, पदक किया पक्का

एजेंसी, आइची-नागोया

भारतीय मुक्केबाज प्रिया घांघस ने एशियन गेम्स-2026 में महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के क्वार्टरफाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समादोवा को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली और भारत के लिए एक और पदक पक्का कर दिया। मुकाबले की शुरुआत दोनों मुक्केबाजों के बीच कड़ी टक्कर के साथ हुई। पहले राउंड में समादोवा ने जजों के 3-2 के फैसले से बढ़त बनाई। पांच में से तीन जजों ने राउंड समादोवा के पक्ष में 10-9 दिया, जबकि दो जजों ने प्रिया को 10-9 से विजेता माना। हालांकि, प्रिया ने दूसरे राउंड से शानदार वापसी की। उन्होंने दूसरे और तीसरे दोनों राउंड को 5-0 से अपने नाम किया। सभी पांचों जजों ने दोनों राउंड में प्रिया को 10-9 से बेहतर माना। दूसरे राउंड में समादोवा को चेतावनी भी मिली। मुकाबले के अंत में प्रिया ने पांचों जजों के सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की। जजों के अंतिम स्कोर 29-27, 30-26, 29-27, 30-26 और 29-27 रहे। पहले राउंड में पिछड़ने के बाद प्रिया की यह वापसी उन्हें सेमीफाइनल तक ले गई। इस जीत के साथ उन्होंने एशियन खेल में भारत के लिए एक और मुक्केबाजी पदक भी सुनिश्चित कर दिया।

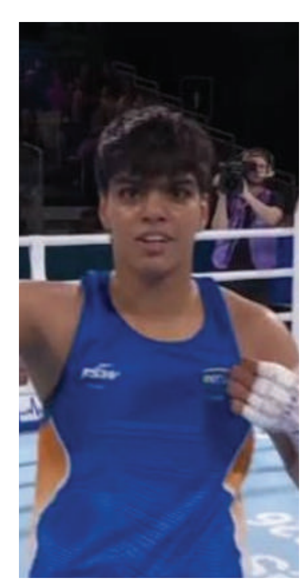

एकदिवसीय में डिविलियर्स सहित इन क्रिकेटरों के नाम हैं सबसे तेज अर्धशतक

एजेंसी, जोहांसबर्ग

एकदिवसीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के नाम एक ऐसा रिकार्ड है जो पिछले 11 साल में कोई भी बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। ये है सबसे तेज अर्धशतक का। डिविलियर्स के अलावा चार और बल्लेबाज हैं जिनके नाम सबसे तेज अर्धशतक हैं। डिविलियर्स ने साल 2015 में जोहन्सबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए केवल 16 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था। यह सिर्फ एक फिफ्टी नहीं, बल्कि एक आतिशी पारी की शुरुआत थी, जहां उन्होंने कुल 149 रन बनाए, जिसमें 16 विशाल छक्के और 9 शानदार चौके शामिल थे। उनकी वह पारी एकदिवसीय इतिहास की सबसे आक्रामक बल्लेबाजी मानी जाती है। हाल ही में वेस्टइंडीज के युवा ऑलराउंडर मैथ्यू फोर्ड ने भी 23 मई 2025 को डब्लिन में आयरलैंड के खिलाफ केवल मात्र 16 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किये थे हालांकि इसके बाद भी डिविलियर्स का नाम सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी के तौर पर अभी भी दर्ज है। इन दिग्गजों के अलावा, कुछ और बल्लेबाज हैं जिन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से 17 गेंदों में अर्धशतक पूरा करने का कारनामा किया है। इस सूची में सबसे पहले नाम आता है श्रीलंका के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या का, जिन्होंने 7 अप्रैल 1996 को सिंगापुर में पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ 17 गेंदों पर पचास रन बनाकर तूफानी बल्लेबाजी का नया चलन स्थापित किया था। उनकी 76 रनों की पारी में 5 छक्के और 8 चौके शामिल थे। कई साल बाद उन्हीं की शैली को दोहराते हुए एक और श्रीलंकाई बाएं हाथ के बल्लेबाज कुसल परेरा ने 15 जुलाई 2015 को पल्लेकेले में पाकिस्तान के खिलाफ 17 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। परेरा ने अपनी 68 रनों की पारी में 13 चौके और 2 छक्के जमाए। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल भी इसी साल (2015) 28 दिसंबर को क्राइस्टचर्च में श्रीलंका के खिलाफ महज 17 गेंदों में अर्धशतक जड़कर इस विशिष्ट क्लब में शामिल हुए। गप्टिल ने 93 रनों की अपनी नाबाद पारी में 8 छक्के और 9 चौके लगाए, जिससे न्यूजीलैंड ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। वर्ष 2015, जहां एक तरफ डिविलियर्स ने विश्व रिकॉर्ड बनाया, वहीं परेरा और गप्टिल ने भी अपनी आतिशी पारियों से इस साल को पावर-हिटिंग के लिए स्वर्णिम बना दिया। ये पारियां केवल आंकड़ों का खेल नहीं थीं, बल्कि इन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट के स्वरूप को बदलने में अहम भूमिका निभाई है। आज भी क्रिकेट प्रशंसक इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि कब कोई बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के 16 गेंदों के इस असाधारण रिकॉर्ड को तोड़कर एक नया इतिहास रचेगा।

मोहम्मद शमी पर हसीन जहां का तीखा वारः चुनाव लड़ने की चुनौती और संगीन आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और उनकी पत्नी हसीन जहां के बीच चल रहा कानूनी विवाद अब एक नए मोड़ पर आ गया है। इस बार हसीन जहां ने शमी पर तीखे हमले करते हुए न केवल उन्हें सियासी मैदान पर चुनौती दी है, बल्कि कुछ बेहद आपत्तिजनक और संगीन आरोप भी लगाए हैं। हाल ही में राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष जयंत चौधरी से मोहम्मद शमी की मुलाकात हुई थी, जिसके बाद यह कयास तेज हो गए कि भारतीय क्रिकेटर आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार हो सकते हैं।

एक खास बातचीत में हसीन जहां ने इन कयासों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शमी या उनका भाई जिस भी सीट से चुनाव लड़ेंगे, वह उनके खिलाफ उसी सीट से मैदान में उतरेंगी। हसीन जहां ने अपने बयान में कहा, "मैं चुनाव लडूंगी, पहले देख रही हूं कि शमी कहां से चुनाव लड़ते हैं। जहां से भी वह चुनाव लड़ेंगे मैं लडूंगी, सभी पार्टियों के संपर्क में हूं। हबीब की तो इतनी हैसियत नहीं है चुनाव लड़ने की, पीछे से तो मोहम्मद शमी ही होंगे, तो जहां से लड़े मैं लडूंगी।" अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए हसीन जहां ने शमी पर बेहद गंभीर और व्यक्तिगत हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि, "मोहम्मद शमी सिर्फ वेश्याओं से मिलते हैं, मुझसे मिलने की औकात नहीं है।" यह बयान शमी के निजी जीवन पर एक बड़ा आक्षेप है, जो उनके बीच की तल्खी को साफ दर्शाता है। गौरतलब है कि हसीन जहां ने मार्च 2018 में मोहम्मद शमी पर घरेलू हिंसा, मारपीट, एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर और मैच फिक्सिंग जैसे गंभीर आरोप लगाकर सनसनी मचा दी थी। इस घटना के बाद से ही दोनों के बीच कानूनी लड़ाई चल रही है और यह मामला अभी भी कोर्ट में है। हसीन जहां ने कई बार शमी पर लगाए गए अपने आरोपों को दोहराया है और विवाद शुरू होने पर उन्होंने कथित तौर पर शमी के चैट के कुछ स्क्रीनशॉट भी सोशल मीडिया पर साझा किए थे। हसीन जहां की शिकायत पर शमी के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था, और कोर्ट की तरफ से उन्हें हसीन जहां और बेटी को हर महीने एक तय गुजारा भत्ता देने का भी आदेश दिया गया है। यह नया बयान इस लंबे खिंचे विवाद में एक और विस्फोटक अध्याय जोड़ता है।

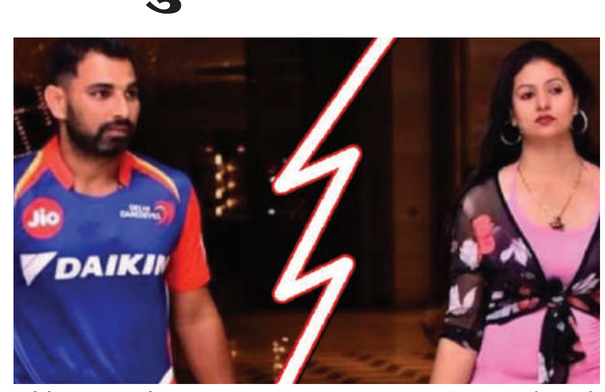

ट्रेंडी हैं को-ऑर्ड्स शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही ड्रस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

कम्फर्टेबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, मौसम के हिसाब से कम्फर्टेबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

आप वर्किंग वुमन हैं ...तो अपनी जिम्मेदारी भी समझें

आप वर्किंग वुमन हैं, आप अपना काम अच्छी तरह से पूरा करते हैं तो आपकी पहचान ऐसे कर्मचारी के रूप में है, जो उस कार्य विशेष को अच्छी तरह करना जानती हैं। लेकिन कुछ चीजें ऐसी भी होती हैं, जिनकी जिम्मेदारी आप को समझनी चाहिए।

अधिकतर कर्मचारी यह नहीं समझते कि जिस कंपनी में वे नौकरी कर रहे हैं, उसका हिस्सा मानते हुए उसे आगे ले जाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। यहां कुछ ऐसे ही कामों की सूची दी जा रही है, जो आपके जॉब प्रोफाइल में शामिल नहीं होते, पर यदि आप उन्हें करती हैं तो आपको आगे बढ़ने के लिए अवसर मिलते रहेंगे। क्योंकि बात जब प्रमोशन की आती है तो प्रबंधकीय टीम की नजर ऐसे लीडर्स पर होती है, जो उस कंपनी विशेष के साथ खुद को जोड़ कर देखते हैं।

समस्याओं का अनुमान

भविष्य में आ सकने वाली समस्याओं का अनुमान लगाएं। अपने पास उनके समाधान तैयार रखें। घटनाएं होने का इंतजार न करें, अपने स्तर पर सक्रिय बनें। हम सबके पास ऐसे पल होते हैं, जब लगता है कि उस कार्य को हम और बेहतर कर सकते थे। जब भी ऐसे क्षण आएं तो पूरी योजना के साथ आगे आएं और उस काम को कर लें।

आपके विचार और सुझाव

काम के दौरान यदि आपको लगता है कि किसी काम को अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकता है तो उस संबंध में अपना सुझाव दें। यदि आपका मैनेजर उसमें बाधा पहुंचा रहा है तो जहां भी आप अपने सुझाव दे सकती हैं, अवश्य दें।

इंतजार न करें

आपको लगता है कि कोई कार्य किया जाना है, जिसे कोई कर नहीं रहा है तो उसे करें। यहां तक कि लंच के बाद उस जगह को पुनर्व्यवस्थित करना या पार्टी आदि के किसी आयोजनों में मदद करने से पीछे न हटें। बहुत कम लोग होते हैं जो बिना कहे, काम किए जाने की जरूरत समझते हैं।

लीडरशिप डेवलप करें

प्रत्येक टीम या प्रोजेक्ट का एक लीडर होता है तो वह आप क्यों नहीं हो सकते? यदि आप लीडर नहीं भी हैं तो भी अधिकतम योगदान दें। अपना सुझाव दें। यदि कोई काम गैर उपयोगी लगता है तो अपना मत पूरे शिष्टाचार के साथ व्यक्त करें।

कंपनी के बारे में बुराई से बचें

किसी बात पर यदि सहमत नहीं है तो प्रश्न पूछें। पर इधर-उधर कंपनी के बारे में बुरा बोलना या फिर काम या बॉस के संबंध में अपशब्द कहना सही नहीं है। ऐसा करने से आपको कंपनी में और उच्च स्तर पर काम करने का अवसर नहीं मिलेगा। जब भी आप काम पर हों तो कंपनी के कामों में सुधार करने की दिशा में अपना योगदान दें।

मीटिंग्स में चुप न रहें

मीटिंग में कुछ लोग बिल्कुल चुप रहते हैं, हमेशा ये रवैया सही नहीं होता। किसी भी कर्मचारी के लिए जरूरी है कि वह जिस तरह और जितना अधिक कामों में अपना योगदान दे सकता है, अवश्य दे। खासतौर पर महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स या उच्च स्तरीय कार्यो की बात हो तो उनमें अवश्य भाग लें। याद रखें, काम करने वालों को हमेशा नोटिस किया जाता है।

ज्यादा से ज्यादा योगदान

यदि आप कस्टमर सर्विस में हैं और किसी को आपकी मदद की जरूरत है तो मात्र 'आप इस नंबर पर मिला लें', ऐसा न कहें। यदि संभव है तो उनको यह काम आप करके दें। अच्छी सेवाओं की उपभोक्ता प्रशंसा करते हैं। जब बॉस के सामने कोई ग्राहक कंपनी द्वारा दी जा रही अच्छी सेवाओं के माध्यम से आपकी तारीफ करता है, यह आपके लिए मायने रखता है।

दूसरी गतिविधियों से जुड़ें

एक कंपनी में कई तरह की गतिविधियां होती हैं। मसलन, आप डाइवर्सिटी कमेटी की सदस्य बन सकती हैं। ऐसे कामों से खुद को जोड़ सकती हैं, जहां लगता है कि आप बेहतर योगदान दे सकती हैं। यदि आपको कंपनी एचआर की ओर से किसी काम में वॉलंटियर बनने का ई-मेल मिलता है और आप वह काम कर सकती हैं तो अवश्य करें। कंपनी यदि किसी नए काम या प्रयास की जानकारी दे रही है तो उस बारे में सकारात्मक टिप्पणी भेजें, योगदान देने की अपनी मंशा को भी व्यक्त करें। मैनेजमेंट को यह बात पसंद आती है।

हाउसप्लांट लगाने से पहले जरूर करें यह काम

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देना चाहता है, भले ही उसके घर में स्पेस कम ही क्यों ना हो या फिर वह प्लांटिंग में बिगनर हो, तब भी प्लांट्स की मदद से वह अपने घर को ब्यूटीफुल बनाना चाहता है। हालांकि, कभी-कभी ऐसा भी होता है कि आप अपने घर में प्लांट्स लगाते हैं और उसकी ग्रोथ बेहतर तरीके से नहीं होती। इतना ही नहीं, आपका पौधा मर भी जाता है। ऐसे में आप अपने प्लांट को चेंज करते हैं।

लेकिन वास्तव में आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। बस जरूरी है कि आप प्लांट को पॉट में लगाने से पहले कुछ चीजें अवश्य करें। ऐसे कई छोटे-छोटे स्टेप्स होते हैं, जिन्हें अगर प्लांटिंग से पहले फॉलो किया जाए तो इससे प्लांट्स की ग्रोथ बेहतर तरीके से होती है और अपेक्षाकृत बेहतर रिजल्ट मिलते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

एप्सम सॉल्ट का करें इस्तेमाल

अगर आप पौधे को ट्रांसप्लांट कर रहे हैं तो ऐसे में पत्तियों के मुरझाने से लेकर डिस्कलरेशन का खतरा बना रहता है। ऐसे में बेहतर तरीका है कि आप एप्सम सॉल्ट का इस्तेमाल करें। यह पौधे को ट्रांसप्लांट शॉक से बचाने में मदद करता है। साथ ही, यह क्लोरोफिल उत्पादन में भी मदद करता है, जो पौधे को तेजी से ठीक करने और पोषक तत्वों को बेहतर ढंग से अवशोषित करने की अनुमति देता है। आप 2 लीटर पानी में 1/2 टेबल स्पून एप्सम सॉल्ट डालकर रोपण के बाद इसे आवश्यकतानुसार डाल सकते हैं या फिर आप 1 गैलन पानी में दो बड़े चम्मच एप्सम सॉल्ट भी मिला सकते हैं और इस घोल को महीने में एक बार पौधों में डाल सकते हैं। अगर आप अपने प्लांट को रिपॉट कर रहे हैं तो यह जरूरी है कि आप उसकी रूट्स को अवश्य चेक करें। अगर रूट्स बहुत अधिक पैक हैं तो उन्हें ढीला करने के लिए आपको उन्हें थोड़ा स्क्रैच करना होगा। इसके अलावा, बेहतर होगा कि आप गहरे भूरे और सड़े हुए हिस्सों को भी हटा दें। हालांकि, इस प्रक्रिया को करते हुए यह सुनिश्चित करें कि आप इस दौरान रूटबॉल को नुकसान नहीं पहुंचा हैं। रूटबॉल को स्क्रैच करने वे खुल जाएंगे, जिससे नए पॉट में मिट्टी के साथ उनका बेहतर संपर्क हो सकेगा और उनकी ग्रोथ भी बेहतर होगी।

वाटर अब्जार्बिंग क्रिस्टल्स का करें इस्तेमाल

वाटर अब्जार्बिंग क्रिस्टल्स की खासियत यह होती है कि यह पानी को होल्ड कर सकते हैं और फिर इसे धीरे-धीरे छोड़ सकते हैं। जिसके कारण यह उन बिजी गार्डनर के लिए एक बेहतरीन प्रोडक्ट है, जिनके पास पौधों की देखभाल करने के लिए अधिक समय नहीं होता है। प्लांट लगाने के लिए पॉटिंग मिक्स तैयार करने के बाद, एक मीडियम साइज के पॉट में एक मुट्ठी या अधिक वाटर अब्जार्बिंग क्रिस्टल्स या हाइड्रोजेल क्रिस्टल डालें। यह आपके हाउसप्लांट्स को उनकी आवश्यकता के अनुसार नमी को अवशोषित करने में मदद करेगा, जिससे उन्हें बेहतर तरीके से पनपने में मदद मिलेगी।

पॉट को अच्छी तरह से स्टेरलाइज करें

यदि आप पौधों को उगाने के लिए पुराने गमलों का उपयोग कर रहे हैं, तो आपको यह अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि आप उन्हें कीटाणुरहित अवश्य करें, ताकि वे नए पौधे को कोई कीट और रोग न पहुंचाएं। इसके अलावा, पॉट को एक भाग ब्लीच में 9 भाग पानी को मिक्स करें। इसके बाद, इसे कम से कम 10 मिनट के लिए भिगोएं। फिर, पॉट को डिश डिटर्जेंट और पानी के घोल में डालें और फिर पॉट को स्टील वूल या वायर-ब्रिसल ब्रश का उपयोग करके क्लीन करें। अंत में, पॉट को अच्छी तरह से धो लें और उन्हें साफ पानी की एक बाल्टी में तब तक भिगोएं, जब तक आप उनका उपयोग ना करें।

चीनी किचन की मुख्य सामग्रियों में से एक है, जो हर एक घर के किचन का अहम हिस्सा है। आमतौर पर चीनी का इस्तेमाल खाने की सामग्रियों की मिठास बढ़ाने के लिए किया जाता है। चाहे गाजर का हलवा बनाना हो या फिर कॉफी में थोड़ी मिठास जोड़नी हो हमें सबसे पहले चीनी ही याद आती है। यही नहीं चीनी का उपयोग कई सौंदर्य उत्पादों और घरेलू नुस्खों के रूप में चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए भी किया जाता है।

सौंदर्य उत्पादों और घरेलू नुस्खों के रूप में करें चीनी का इस्तेमाल

अगर हम आपसे कहें कि मिठास और सौंदर्य बढ़ाने वाली ये चीनी आपके घर की सफाई में भी काम आ सकती है, तो आप क्या कहेंगे ? जी हां ये सच है कि चीनी का इस्तेमाल कई तरह से किचन के अलावा घर की सफाई में भी किया जा सकता है।

जंग साफ करें

कई बार कपड़ों या फिर अन्य जगहों पर लोहे के जंग या रस्ट का निशान पड़ जाता है। ये निशान जल्दी साफ नहीं होता है। इसे साफ करने के लिए आप चीनी का इस्तेमालकर सकती हैं। इसके लिए 2 चम्मच चीनी में 1 नींबू का रस निचोड़ें। इन दोनों सामग्रियों का मिश्रण बनाएं और इसे जंग वाले स्थान पर लगाएं। थोड़ी देर इस मिश्रण को लगा रहने दें और फिर पानी से धो लें। बहुत जल्द ही ये निशान हल्का होकर हट जाएगा।

बर्तनों की सफाई

आपने कई बार नमक से बर्तनों की सफाई (ऐसे करें ताम्बे के बर्तनों की सफाई) के बारे में जरूर सुना होगा लेकिन चीनी का इस्तेमाल भी आपके बर्तनों में चमक ला सकता है। इसके लिए आपको चीनी और बेकिंग सोडा का घोल बनाकर बर्तनों में इस्तेमाल करना है। 4 बड़े चम्मच चीनी और एक बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा लें। दोनों सामग्रियों को लगभग आधे कप पानी में मिलाएं और घोल तैयार करें। इस घोल से आप बर्तनों की सफाई करें। बर्तन चमक जाएंगे।

चांदी को चमकाए

आप सभी कभी न कभी चांदी के आभूषण या फिर चांदी के बर्तनों को चमकाने के बारे में जरूर सोचते होंगे। चंडी बहुत जल्द ही हवा के संपर्क में आकर काली पड़ने लगती है। ऐसे में इसे चमकाने के लिए चीनी और गुलाबजल का मिश्रण तैयार करें। इसके लिए आप लगभग 3 चम्मच चीनी में 1 चम्मच गुलाबजल मिलाएं। इस मिश्रण को तब तक फेंटें जब तक ये दोनों सामग्रियां अच्छी तरह से मिक्स न हो जाएं। इस घोल को चांदी के आभूषण या फिर बर्तनों में लगाएं और स्क्रबर से साफ करें। बर्तनों और आभूषणों में चमक आ जाएगी।

फर्श की सफाई

चीनी से आप अपने घर की फर्श को भी चमका सकती हैं। इसके लिए आप आधा कप चीनी में 2 चम्मच सिरका मिलाएं और इस मिश्रण को पानी में घोलकर पोछा लगाएं। आपकी फर्श चमक जाएगी। ये किचन के गंदे टाइल्सको साफ करने में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर फर्श पर कोई जिद्दी दाग है तो इस मिश्रण को पानी में मिलाए बिना ही दाग वाले स्थान पर रगड़ें और कुछ देर के लिए छोड़ दें। कुछ देर बाद कपड़े से साफ कर दें। जिद्दी दाग साफ हो जाएगा।

सही मकसद वाले किरदार का था इंतजार

टीवी की दुनिया में अपनी एक्टिंग और अलग अंदाज से पहचान बनाने वाली रश्मि देसाई एक बार फिर छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। लंबे समय बाद अभिनेत्री नए शो 'सयोनी' में नजर आ रही हैं। रश्मि के लिए यह वापसी सिर्फ एक और टीवी प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं है, बल्कि एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर लौटने का मौका है, जिससे वह खुद को जोड़ पाई हैं। 'सयोनी' को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए रश्मि ने कहा, ''शो में मेरा किरदार माया सिर्फ एक कल्पना नहीं है, बल्कि एक बहुत ही प्रैक्टिकल किरदार है। मुझे कई ऑफर मिले थे, लेकिन मैंने उन्हें मना कर दिया क्योंकि मैं उन कहानियों और किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पा रही थीं। हर कलाकार चाहता है कि उसे ऐसा किरदार मिले, जो अच्छी तरह लिखा गया हो और जिसे निभाने में उसे कुछ खास महसूस हो।'' रश्मि ने कहा, ''मैं टीवी पर कमबैक नहीं ढूंढ रही थीं, मैं किसी मकसद की तलाश में थीं। शो के प्रोड्यूसर सरगुन मेहता और रवि दुबे, दोनों वाकई टीवी पर शानदार काम कर रहे हैं। डायरेक्टर उत्तम भेलावत भी कमाल के इंसान है। कैमरे के पीछे काम करने वाले लोगों को अक्सर दर्शक नहीं जानते, लेकिन किसी कहानी को सही दर्शकों तक पहुंचाने में इन लोगों की भूमिका बहुत अहम होती है।''

अभिनेत्री ने अपने इस इंतजार को लेकर कोई पछतावा भी नहीं जताया। उन्होंने कहा कि अच्छा हुआ कि उन्होंने लंबे समय तक इंतजार किया और अपनी भावनाओं के साथ ईमानदार रहीं। रश्मि का कहना है कि वह कभी भी जल्दबाजी में फैसले नहीं लेतीं और इस बार भी उन्होंने वही किया। उनके लिए सिर्फ स्क्रीन पर दिखाई देना जरूरी नहीं था, बल्कि ऐसा काम करना जरूरी था, जिसे करने के बाद उन्हें लगे कि उन्होंने सही फैसला लिया है।

शो में रश्मि के साथ जान्हवी सोनी और गौतम सिंह विग भी अहम भूमिकाओं में हैं। जान्हवी शो में सानवी का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में कहा, ''सानवी बहुत प्यार करने वाली और दूसरों की परवाह करने वाली लड़की है, लेकिन उसकी अच्छाई को उसकी कमजोरी समझना सही नहीं होगा। वह अपने लिए और सही बात के लिए खड़े होने की हिम्मत रखती है। वह अपने वादे भी निभाती है, भले ही ऐसा करने के लिए उसे खुद किसी मुश्किल का सामना क्यों न करना पड़े।''

'मैसा' में रश्मिका मंदाना का रफ टफ अंदाज, पिता-बेटी की अनोखी कहानी में करेंगी एक्शन और वार

'मैसा' के मेकर्स ने फिल्म का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें रश्मिका मंदाना अब तक के अपने सबसे अलग और अनदेखे अवतार में नजर आ रही हैं। भारत की पहली महिला-केंद्रित पैन-इंडिया सिनेमाई पेशकश के तौर पर यह एक्शन ड्रामा 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगा। 2026 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'मैसा' में पैन-इंडिया स्टार रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं। अपनी शानदार वर्सेटिलिटी और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचानी जाने वाली रश्मिका इस फिल्म में दर्शकों को अपने एक बिल्कुल नए अवतार से चौंकाने के लिए तैयार हैं। शानदार पोस्टर्स और दिलचस्प कंटेंट के जरिए दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ाने के बाद मेकर्स ने अब फिल्म का जोशीले एक्शन से भरपूर टीजर रिलीज कर दिया है। टीजर में रश्मिका एक उग्र, रफ-टफ और गुस्सैल अंदाज में नजर आ रही हैं, जिसमें उनका ऐसा रूप देखने को मिल रहा है, जिसे दर्शकों ने इससे पहले कभी नहीं देखा। हाई-ऑक्टेन एक्शन से भरपूर यह झलक फिल्म की मूल कहानी की ओर भी इशारा करती है—एक शक्तिशाली पिता-बेटी के रिश्ते की कहानी। 'मैसा' पिता-बेटी के रिश्ते को एक नए अंदाज में पेश करती है, जहां भावनाओं, एक्शन और बड़े पैमाने पर फिल्माए गए सीन्स का शानदार मेल देखने को मिलेगा।

'मैसा' के पीछे की मेहनत

'सीता रामम' में अपने काम के लिए जाने जाने वाले निर्देशक रविंद्र पुल्ले ने इस फिल्म में एक्शन, भावनाओं और भव्यता को एक साथ पिरोया है। फिल्म एक ऐसी दिलचस्प दुनिया तैयार करती है, जिसके केंद्र में रश्मिका हैं। टीजर बड़े पैमाने पर तैयार किए गए एक शानदार पैन-इंडिया सिनेमाई अनुभव की झलक देता है, जिसमें रश्मिका अपने दमदार अभिनय और बोल्ड नए अवतार से प्रभाव छोड़ती नजर आती हैं। फिल्म के प्रभाव को और बढ़ाता है मशहूर संगीतकार जेक्स बेजॉय का दमदार संगीत, जिसका इंटेंस स्कोर टीजर की एनर्जी और ड्रामा को एक अलग स्तर पर ले जाता है।

'मैसा' रिलीज डेट

अनफॉर्मुला फिल्म्स की बनाई और रविंद्र पुल्ले की निर्देशित, 'मैसा' आदिवासी इलाकों पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर है। फिल्म में शानदार विजुअल्स, रोमांचक कहानी और रश्मिका मंदाना का यादगार प्रदर्शन देखने को मिलेगा। 'मैसा' 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फातिमा ने फेमिनिज़्म पर की बात

फातिमा सना शेख ने हमेशा खुद को फेमिनिस्ट कहने से परहेज़ नहीं किया है। 'हुंकार : द रोअर' में एक जांबाज़ पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाने वाली फातिमा ने उस शब्द को लेकर खुलकर बात की, जिसे इंडस्ट्री में आज भी कई लोग कहने से बचते हैं। इस दौरान उन्होंने प्रियंका चोपड़ा जोनस का भी ज़िक्र किया, जिन्होंने हमेशा इस शब्द को खुलकर अपनाया है। फातिमा कहती हैं, 'फेमिनिज़्म को बहुत से लोग एक बुरे शब्द की तरह देखते हैं। यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ एक्ट्रेसेस खुद को फेमिनिस्ट नहीं कहतीं। फेमिनिस्ट होने का मतलब यह नहीं है कि मैं किसी पुरुष के अधिकार छीन रही हूं। मैं तो सिर्फ अपने लिए बराबरी के अधिकार मांग रही हूं।' वह प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए कहती हैं कि खुद को फेमिनिस्ट कहने से दर्शकों का प्यार कम नहीं होता। 'प्रियंका चोपड़ा खुद को फेमिनिस्ट कहती हैं और उनकी बहुत बड़ी मेल फैन फॉलोइंग है। अगर आपकी नीयत साफ है और आप इस बात को सही तरीके से रखते हैं, तो लोग आपकी बात जरूर सुनेंगे।

जियोहॉटस्टार की इस सीरीज में फातिमा एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभा रही हैं, जो एक ऐसे मामले की जांच करती है, जिसमें अनीत पड्डा द्वारा निभाया गया एक नाबालिग लड़की का किरदार एक आध्यात्मिक गुरु पर यौन शोषण का आरोप लगाता है। फातिमा इसे अपने करियर के सबसे शानदार और सीख देने वाले अनुभवों में से एक मानती हैं। उनके मुताबिक, इस प्रोजेक्ट की खास बात यह रही कि मेकर्स ने उन्हें हमेशा बराबरी का दर्जा दिया और उनकी राय को महत्व दिया। बिरला स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने पर्पल पेबल पिक्चर्स और मंगाटा फिल्म्स के साथ मिलकर इस सीरीज का निर्माण किया है।

विक्रम भट्ट की हॉरर फिल्म में बनेगी अहान शेट्टी और आन्या सिंह की जोड़ी

अहान शेट्टी और आन्या सिंह एक बार फिर परदे पर साथ नजर आने वाले हैं। दोनों ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' में साथ काम किया था। अब उनकी जोड़ी एक बिल्कुल अलग तरह की फिल्म में दिखाई देगी। फिल्मकार विक्रम भट्ट अपनी चर्चित डरावनी फिल्म सीरीज '1920' की अगली कड़ी लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म का नाम '1920 : कोल्ड विंटर' बताया जा रहा है। फिल्म में अहान शेट्टी के साथ आन्या भी नजर आएंगी। अन्या के लिए यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि वह पहली बार डरावनी फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। वहीं अहान शेट्टी भी पहली बार किसी अलौकिक डरावनी फिल्म में काम करते दिखाई देंगे। ऐसे में दोनों कलाकारों के लिए यह फिल्म उनके अब तक के काम से काफी अलग होने वाली है। '1920 : कोल्ड विंटर' को विक्रम भट्ट की '1920' सीरीज की छठी फिल्म बताया जा रहा है।

मेरे लिए सफलता की परिभाषा अपने काम से संतुष्ट होना है

एक कलाकार के लिए सफलता का मतलब समय के साथ बदलता रहता है। करियर की शुरुआत में जहां बड़े सपने अक्सर घर, गाड़ी, नाम और पहचान जैसी चीजों से जुड़े होते हैं, वहीं अनुभव बढ़ने के साथ काम से मिलने वाली खुशी और संतुष्टि ज्यादा मायने रखने लगती है। एक्ट्रेस नायला ग्रेवाल भी अपने करियर के साथ सफलता को देखने का नजरिया बदलने की बात कहती हैं।

इंटरव्यू के दौरान जब नायला से पूछा कि आप इंडस्ट्री में काम करते हुए सफलता को कैसे परिभाषित करती हैं, तो उन्होंने कहा, करियर की शुरुआत में मेरे लिए सफलता का मतलब बिल्कुल अलग था। शुरुआत में मेरे लिए मुंबई में घर होना, कार खरीदना और दूसरी भौतिक चीजें हासिल करना सफलता का पैमाना था। लेकिन अब मेरे लिए असली सफलता तब है, जब दिनभर सेट पर काम करने के बाद मैं घर लौटूं और मुझे महसूस हो कि मैंने अपना 100 फीसदी दिया है।'' उन्होंने कहा, ''मेरे लिए आज के समय में सफलता की परिभाषा किसी बड़ी चीज को हासिल करने से ज्यादा अपने काम से संतुष्ट होना है। लंबे समय तक सेट पर रहने के बाद जब मैं घर लौटती हूं और मुझे लगता है कि मैंने अपने किरदार और काम के लिए पूरी मेहनत की। यही एहसास मेरे लिए सफलता का बड़ा उदाहरण है। मेरे लिए दिन के आखिर में यह महसूस करना जरूरी है कि मैंने अपना समय सही जगह लगाया और अपना बेस्ट देने की कोशिश की।'' नायला ने कहा, ''दर्शकों को काम पसंद आना सफलता का एक बड़ा हिस्सा होता है। जब लोग मेरे काम को पसंद करते हैं और अभिनय को सराहते हैं, तो मुझे लगता है कि मेरी मेहनत सही दिशा में जा रही है। अब मेरे लिए सफलता सिर्फ वह नहीं है, जो बाहर से दिखाई देती है, बल्कि वह एहसास भी है जो किसी प्रोजेक्ट के बाद मुझे अंदर से मिलता है।''

गोविंदा के मामले पर क्या बोले अनुपम खेर
निजी जीवन पर दिया सुझाव

अभिनेता अनुपम खेर और गोविंदा ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। एक बातचीत के दौरान अनुपम ने एक्टर की निजी जिंदगीं के बारे में काफी कुछ कहा है। इसके अलावा गोविंदा के अभिनय की तारीफ की।

गोविंदा पर क्या बोले अनुपम?

बीते दिनों गोविंदा के व्यक्तिगत जीवन में चल रहीं मुश्किलें चर्चा का विषय रही हैं। अब इस पर हुई बातचीत में अनुपम ने कहा, 'मैं गोविंदा का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे लगता है कि वह उन बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं जिनके साथ मैंने काम किया है। मैंने उनके साथ 10-12 फिल्में की हैं। अभिनय, नृत्य और अभिनय में कोई भी उनका मुकाबला नहीं कर सकता।'

निजी जीवन पर कही यह बात

आगे अपनी बातचीत में अनुपम खेर ने कहा, 'आपको अपने निजी जीवन या अपनी आदतों को अपने पूरे जीवन पर हावी नहीं होने देना चाहिए। मुझे उस पर फैसला सुनाने का कोई अधिकार नहीं है। वह अपनी जिंदगी को बेहतर जानता है और वह इससे निपट सकता है।'

वह बोला कॉल बैक करेगा

आगे अनुपम ने कहा, 'मैंने उसे एक बार फोन किया था और उसने कहा कि वह मुझे वापस कॉल करेगा। मैं उसे यह कहना चाहता था कि यह समय भी बीत जाएगा। हर किसी के जीवन में दुखद घटनाएं होती हैं। मुझे नहीं लगता कि समस्या यह है कि उसे खुद को मार्केट करना नहीं आता। मुझे लगता है कि वह अपने आसपास के माहौल और अपने जीवन से उलझ गया है, लेकिन उसने अभी तक हार नहीं मानी है, इसलिए उम्मीद बाकी है। मैं प्रार्थना करता हूं कि वह फिर से उठ खड़ा हो और जितना काम कर रहा है उससे कहीं ज्यादा काम करे।'

रानी को लेकर सुनीता और गोविंदा में तनाव

जुलाई में गोविंदा ने रानी को अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' में नई सह-कलाकार के रूप में मीडिया के सामने पेश किया। उसके बाद कुछ समय पहले वह रानी के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर दिखे। इस पर उनकी पत्नी सुनीता ने मीडिया के सामने नराजगी जताई थी। उन्होंने कहा, 'ये कहावत सुना है कभी, 'विनाश काले विपरीत बुद्धि', उसकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है इसलिए ये सब करता है वो, मैं इस बारे में क्या कहूं?'

सुनीता और गोविंदा की शादी और विवाद

गोविंदा और सुनीता की शादी 1987 में हुई थी। कपल के दो बच्चे हैं, टीना और यशवर्धन आहूजा। हाल के महीनों में दोनों के तलाक की अर्जी की खबरों ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। इसी बीच गोविंदा के रानी स्वर्णकार के साथ संबंधों को लेकर भी अटकलें लगाई गईं। हालांकि गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने अभिनेता की दूसरी शादी के दावों से इनकार किया है।